2 फरीदाबाद
सामाजिक पतन : परिचित और नजदीकी बना रहे बच्चों को दुष्कर्म का शिकार

6 विशेष
महामारी के साए में शिक्षा

9 देश/विदेश
महाराष्ट्र के खेल संस्थान की शोभा बढ़ा रहा हिटलर पदक

11 स्पोर्ट्स
नागल ओलंपिक में एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 168
फरीदाबाद, रविवार, 25 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

रोबोट से घुटनों का इलाज

पेज - 10

रचा इतिहास मीराबाई भारोत्तोलन में रजत जीतने वाली पहली भारतीय ओलंपियन

एजेंसी। टोक्यो

टोक्यो ओलंपिक से भारत के लिए कई अच्छी खबर आ रही है। 49 किलोग्राम कैटेगिरी की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मीराबाई चानू ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। वह भारत की तरफ से टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

ओलंपिक में पदक जीतने पर उनकी इस उपलब्धि पर देश में जश्न का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मीराबाई चानू को ओलंपिक में रजत पदक जीतने पर बधाई दी। अपने बधाई संदेश में पीएम मोदी ने कहा, इससे अच्छी शुरुआत नहीं हो सकती, भारत उनके शानदार प्रदर्शन से उत्साहित है, उनकी सफलता हर भारतीय को प्रेरित करती है। चानू से इस स्पर्धा में मेडल की उम्मीद थी जिस पर वह खरी उतरीं। उन्होंने 49 किग्रा कैटेगरी में 87 किलो, जबकि क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम भार उठाया। इस तरह उन्होंने कुल मिलाकर 202 किलोग्राम भार उठाया। भारोत्तोलन में भारत की तरफ से यह अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले साल 2000 में सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने वेटलिफ्टिंग में देश को कांस्य पदक दिलाया था। उस समय कर्णम ने कुल मिलाकर 240 किलोग्राम भार उठाया था। तब उन्होंने स्नैच में 110 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 130 किलोग्राम भार उठाकर ओलंपिक में भारत की तरफ से कांस्य पदक जीतने वाली पहली महिला बनी थीं।

● संबंधित खबरें पेज-11

2016 में एक बार भी सही तरीके से वेट नहीं उठा पाई थीं मीरा

मीराबाई की सफलता इस मायने में खास हो जाती है कि वे 2016 रियो ओलंपिक में अपने एक भी प्रयास में सही तरीके से वेट नहीं उठा पाई थीं। उनकी हर कोशिश को डिस-क्वालिफाई कर दिया गया था। मीराबाई ने ओलंपिक में जाने से पहले कहा था, 'मैं टोक्यो ओलंपिक में जरूर मेडल जीतूंगी। मेरे पास ओलंपिक खेलने का अनुभव है। मैं अपने पहले ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थी। तब अनुभव की कमी के कारण मैं मेडल जीतने में सफल नहीं हो सकी थी।' 2016 रियो ओलंपिक से ओलंपिक चैंपियन बनने तक की उनकी कहानी जबरदस्त रही है। 2016 में जब वह भार नहीं उठा पाई थीं, तब उनके नाम के आगे, 'डिड नॉट फिनिश' लिखा गया था। किसी प्लेयर का मेडल की रेस में पिछड़ जाना अलग बात है और क्वालिफाई ही नहीं कर पाना दूसरी। डिड नॉट फिनिश के टैग ने मीरा का मनोबल तोड़ दिया था। इस हार ने उन्हें झकझोर कर रख दिया गया था। एक वक्त तो उन्होंने वेटलिफ्टिंग को अलविदा कहने का मन बना लिया था। हालांकि, खुद को प्रूव करने के लिए मीरा ने ऐसा नहीं किया। यही लगन उन्हें सफलता तक ले आई। 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने गोल्ड और अब ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीता है।

वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता था गोल्ड

2017 में मीरा ने 194 किलोग्राम वजन उठाकर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। 22 साल में ऐसा करने वाली मीरा पहली भारतीय एथलीट बनी थी। इस इवेंट के लिए मीरा ने खाना तक नहीं खाया। तैयारी के लिए उन्होंने अपनी सगी बहन की शादी भी मिस की। इस मेडल को जीतने के बाद उनकी आखों में आंसू थे। 2016 की हार अब भी उनके जहन में थी। मीराबाई वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर हैं। यह उपलब्धि उन्होंने 2017 में (49 किलो वेट कैटेगरी) हासिल की। उन्होंने 2014 के ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में 49 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। मीराबाई ने 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता।

जेल से अस्पताल आया आसाराम भक्तों पर पुलिस का लाठीचार्ज

जोधपुर। दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा आसाराम गुरु पूर्णिमा पर अपने समर्थकों को चेहरा दिखाने के लिए जेल से बाहर आ ही गया। आसाराम को तबीयत ठीक नहीं होने पर जांच के लिए शनिवार को एम्स लाया गया। इसकी सूचना उसके समर्थकों के पास पहले से थी। ऐसे में बड़ी संख्या में समर्थक एम्स के बाहर जुटना शुरू हो गए। गड़बड़ी की आशंका से पुलिस ने उन्हें खदेड़ना शुरू किया। जोधपुर जेल के बाहर भी बड़ी संख्या में समर्थक आ डटे। पुलिस का वाहन आसाराम को लेकर निकला तो समर्थक उसकी एक झलक देखने के लिए बेकाबू हो गए। पुलिस ने डंडे फटकार कर उन्हें वहां से भगा दिया। इस दौरान मची भगदड़ में कई महिलाएं गिर पड़ीं। इनमें से कुछ को चोटें भी आई हैं।

ANIL GENERATOR
SILENT GENERATOR
on Hire 62 KVA to 1250 KVA
Sale-Purchase of Old Generator
Surendra Kapoor, Prop.
Add.: 20/6, Mathura Road, Nuchem compound Faridabad
Ph. 0129-4873365,
Mob.: 9811056365, 9311056365
Email : anil.kapoor74@yahoo.com
surendra.kapoor@gmail.com

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 36.02°C
न्यूनतम 27.09°C

क्विक न्यूज

भूपेन बोरा असम कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को भूपेन बोरा को अपनी असम इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भूपेन बोरा को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही राणा गोस्वामी, कर्मालाख्या डे पुरकायस्थ और जाकिर हुसैन सिकदार को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया।

वैज्ञानिकों ने अपनी मरम्मत करने वाला पदार्थ बनाया

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने पीजोइलेक्ट्रिक आणविक क्रिस्टल विकसित किया है, जो किसी बाहरी सहायता के बगैर अपनी यांत्रिक टूट फूट की खुद से मरम्मत कर सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। पीजोलेक्ट्रिक क्रिस्टल ऐसे पदार्थ हैं, जो किसी यांत्रिक प्रभाव में आने पर विद्युत उत्पन्न करते हैं। ऐसे उपकरण जिनका प्रतिदिन उपयोग किया जाता है, वे अक्सर यांत्रिक रूप से गड़बड़ हो जाते हैं। इससे उपकरण का सेवा काल घट जाता है और उसके रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है। अंतरिक्षयान जैसे मामलों में, टूट-फूट को ठीक करने के लिए मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं होता है।

सीआईएससीई 10वीं-12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

नई दिल्ली। सीआईएससीई ने शनिवार को 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। 10वीं में लड़के और लड़कियों, दोनों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.98 फीसदी रहा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के 12वीं के नतीजों में लड़कियों ने लड़कों को 0.2 प्रतिशत के अंतर से पछाड़ा है। बोर्ड ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेधा सूची नहीं होगी।

● विस्तृत खबर पेज-09

किसानों की जीत शीर्ष प्राथमिकता: सिद्धू

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने शनिवार को कहा कि उनके लिए संयुक्त किसान मोर्चा की जीत शीर्ष प्राथमिकता है और केंद्र के कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान जहां भी उन्हें बुलाएंगे उनसे मिलने वह नंगे पांव जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों का संघ है।

अब तक का सबसे बड़ा गन लाइसेंस घोटाला

दो साल में देश के 81 प्रतिशत लाइसेंस जम्मू-कश्मीर से बने

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में फर्जी गन लाइसेंस गिरोह के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में जम्मू और कश्मीर में सर्च ऑपरेशन चलाकर सीबीआई ने शनिवार को 40 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने दो सीनियर आईएएस अधिकारियों को भी जांच के दायरे में लिया है। इसमें शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार शामिल हैं। दोनों पर दो लाख फर्जी गन लाइसेंस जारी करने के मामले में शामिल होने का आरोप है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर गन लाइसेंस जारी करने के मामले में देश में टॉप पर है। यहां 2018 से 2020 तक सबसे ज्यादा हथियार लाइसेंस जारी किए गए। इन दो सालों में देशभर में 22,805 लाइसेंस जारी किए, इनमें से 18,000 अकेल जम्मू-कश्मीर में जारी हुए। यानी देश के 81 फीसद लाइसेंस यहां बांटे गए। बताया जा रहा है कि ये अब भारत के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा गन रैकेट है।

सीबीआई सर्च ऑपरेशन चार साल के अंदर बड़ी तादाद में फर्जी लाइसेंस जारी करने के मामले में चलाया। जम्मू और कश्मीर के 22 जिलों में कलेक्टर और मजिस्ट्रेट की मिलीभगत से लाखों फर्जी हथियार लाइसेंस जारी करने का आरोप है। लाइसेंस जारी करने के एवज में पैसों का लेनदेन भी किया गया है। सीबीआई के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया कि छापेमारी में जरूरी दस्तावेज हाथ लगे हैं। इनके जरिए एजेंसी को जांच आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। आईएएस शाहिद चौधरी को समन जारी कर श्रीनगर के सीबीआई ऑफिस बुलाया जाएगा। चौधरी 2009 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और फिलहाल जम्मू और कश्मीर के जनजातीय मामलों के विभाग के प्रशासनिक सचिव के पद पर तैनात हैं। वे मिशन यूथ के सीईओ भी हैं।

इससे पहले चौधरी श्रीनगर के डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर रह चुके हैं। चौधरी कठुआ, राजौरी, उधमपुर और रियासी जिले के डिप्टी कमिश्नकर भी रह चुके हैं। आरोप है कि इन सभी पदों पर रहते हुए चौधरी ने हजारों गन लाइसेंस दूसरे राज्यों के लोगों को फर्जी नाम से जारी कर दिए। श्रीनगर के अलावा सीबीआई ने अनंतनाग, बारामुला, जम्मू, उधमपुर, राजौरी और दिल्ली में भी छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान कई सीनियर अधिकारियों के पुराने और वर्तमान घरों की तलाशी भी ली गई। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि 20 गन हाउस में भी छापा मारा गया है। इस मामले में अब 8 पूर्व डिप्टी कमिश्नर से पूछताछ की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में 2012 से 2016 के बीच दो लाख फर्जी लाइसेंस बंटे

2020 में दो आईएएस अधिकारियों को किया था गिरफ्तार

सीबीआई ने 2020 में दो आईएएस अधिकारी राजीव रंजन और इतरात हुसैन रफीकी को गिरफ्तार किया था। दोनों ने कुपवाड़ा जिले में डिप्टी कमिश्नर रहते हुए कई फर्जी गन लाइसेंस जारी किए थे। इससे पहले सीबीआई ने दिसंबर 2019 में श्रीनगर, जम्मू, गुरुग्राम और नोएडा की एक दर्जन जगहों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुपवाड़ा, बारामूला, उधमपुर, किश्तवाड़, शोपियां, राजौरी, डोडा और पुलवामा के जिला कलेक्टरों और मजिस्ट्रेटों के घर की भी तलाशी ली गई थी। कश्मीर के कई अधिकारियों पर लंबे समय से गन लाइसेंस जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोप लगते रहे हैं।

फरवरी 2020 में सीबीआई ने एक आरोपी को किया था गिरफ्तार

राजस्थान सरकार की एंटी टेररिज्म स्क्वॉयड (एटीएस) ने 2017 में ऐसे ही एक गन रैकेट का खुलासा किया था। उस समय 50 लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। उस समय जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एनएन वोहरा ने केस सीबीआई के हवाले कर दिया था। फरवरी 2020 में सीबीआई ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उस पर कई लोगों के साथ बड़े-बड़े फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन करने के आरोप लगे थे। कई सरकारी अधिकारियों के नाम भी लिस्ट में सामने आए थे।

हरियाणा में दो अगस्त तक बढ़ा लॉकडाउन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में महामारी के प्रसार को रोकने के लिए कोविड रोधी लॉकडाउन को शनिवार को दो अगस्त तक एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए मुख्य सचिव विजय वर्धन द्वारा जारी आदेश में कहा गया, महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा को 26 जुलाई (सुबह 5 बजे) से दो अगस्त (सुबह 5 बजे) तक एक सप्ताह के लिए और बढ़ाया जाता है। आदेश के अनुसार कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों, सरकारी विभागों और भर्ती एजेंसियों द्वारा प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाओं के आयोजन को राज्य में मंजूरी है।

उच्चतम न्यायालय समय पूर्व रिहाई की नीति पर सुनवाई को सहमत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया है, जिसमें कानूनी मुद्दा उठाया गया है कि समय पूर्व रिहाई के लिए दोषसिद्धि के वक्त लागू नीति अमल में लाई जाएगी या ऐसी राहत देने का विचार करते वक्त लागू नीति। पीठ ने इस याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और अन्य से चार हफ्ते में जवाब देने को कहा है। मामले में याचिकाकर्ता उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी है और उसने कोर्ट से अनुरोध किया है कि राज्य को उसे रिहा करने का निर्देश दिया जाए, क्योंकि उसने छूट की अवधि सहित 20 साल कैद की सजा पूरी कर ली है।

झारखंड में सरकार गिराने की साजिश

रांची के बड़े होटलों में स्पेशल सेल का ताबड़तोड़ छापा

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के बड़े होटलों में शुक्रवार देर रात स्पेशल सेल ने ताबड़तोड़ छापे मारे है। यहां से चार लोगों को भारी भरकम कैश के साथ गिरफ्तार किया है। पूरी कार्रवाई कांग्रेस के बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह की शिकायत पर हुई है। जयमंगल ने 22 जुलाई को कोतवाली थाने में एक पत्र लिखकर विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंका जताई थी।

स्पेशल ब्रांच का दावा है कि ये लोग झारखंड में सरकार गिराने की साजिश के तहत विधायकों की खरीद-फरोख्त के लिए बड़ी रकम लेकर होटल में ठहरे हुए थे। शनिवार को गिरफ्तार तीन आरोपियों के खिलाफ कोतवाली थाना में राजद्रोह के तहत मामला दर्ज किया गया है, जबकि एक अन्य पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कोतवाली थाने में अभिषेक दुबे, अमित सिंह और निवारण प्रसाद महतो के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। 29 दिसंबर 2019 को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने कांग्रेस, आरजेडी और अन्य दलों के सहयोग से राज्य में सरकार बनाई थी। जेएमएम के नेता 45 वर्षीय हेमंत सोरेन दूसरी बार झारखंड की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे। लेकिन कुछ ही महीनों में सरकार के सहयोगी दलों में नाराजगी की खबर आने लगी। खुद हेमंत सोरेन की भाभी और उनकी भतीजी भी उपेक्षा के आरोप लगा चुकी हैं।

सूत्रों के अनुसार, स्पेशल ब्रांच को सूचना मिली थी कि राज्य में कुछ लोग सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम ने गोपनीय तरीके से रांची के बड़े होटलों में गुरुवार और शुक्रवार को लगातार दो दिन छापेमारी की। पुलिस ने लोअर बाजार थाना के इलाके के एक बड़े होटल से चार लोगों को हिरासत में लिया। इन लोगों से भारी कैश की बरामदगी भी हुई है। पूछताछ में चारों आरोपियों ने कई राज खोले हैं। पकड़े गए लोगों की निशानदेही पर राज्य के अन्य जिलों में भी जांच की जा रही है। पूछताछ में आए तथ्यों के आधार पर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, राज्य के सत्ता पक्ष के कई विधायकों की खरीद-फरोख्त को लेकर आरोपियों द्वारा कोई बड़ी साजिश रची जा रही थी। इस पूरे मामले में एक बड़े उद्योगपति का नाम सामने आ रहा है। हालांकि, अभी पुलिस की ओर से इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। कई विधायकों के इन आरोपियों से संपर्क होने की बात सामने आ रही है। मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य का बयान आया है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया है कि भाजपा के इशारे पर झारखंड की स्थिर सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है।

भारी कैश के साथ चार गिरफ्तार, विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंका

मुठभेड़ में सेना का जवान घायल, तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन अज्ञात आतंकियों को मार गिराया। मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा के सुंबलर इलाके में शोखबाबा जंगल में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, जिसका उन्होंने माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। श्रीनगर में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल एमरॉन मुसावी ने कहा कि मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है।

अदालत में नौकरी का झांसा दे 73 युवाओं से लाखों हड़पे

पैसे खाते में डलवाए, नहीं मिली किसी को नौकरी

सात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। जींद

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी में स्थित निचली अदालत में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 73 युवाओं से कथित रूप से 27 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है और इस संबंध में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले के मुख्य आरोपी ने अपनी पहचान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में रीडर के रूप में दी और लोगों को झांसे में लिया।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने युवाओं से उनकी नौकरी लगवाने के लिए कागजात एवं रुपये ले लिए, लेकिन किसी भी नौकरी नहीं लगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में शामिल सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायत के आधार पर सुलतानपुरी दिल्ली निवासी सोहन गोयल, उसकी पत्नी किरण गोयल, शारदा, उसका पति विकास, विष्णु गोयल, सुमित और जितेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत देने वाले यशपाल के हवाले से कुमार ने बताया कि आरोपितों तक 73 युवाओं के 27 लाख रुपये उनके द्वारा दिए गए खातों में डलवा दिए, लेकिन किसी भी युवक की नौकरी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'ई-भूमि पोर्टल अन्नदाता की जमीन को हड़पने की योजना'

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि सरकारी परियोजनाओं के लिए खरीदी जाने वाली भूमि के लिए प्रदेश की भाजपा-गठबंधन सरकार ने ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से अन्नदाता की जमीन को हड़पने की योजना को हरी झंडी दे दी है।

भाजपा-गठबंधन सरकार प्रदेश के भोले-भाले किसानों की जमीन को ई-भूमि पोर्टल द्वारा कौडियों के भाव हड़पने की बहुत बड़ी साजिश रच रही है। ई-भूमि पोर्टल के तहत सरकार आर्थिक रूप से टूट चुके मजबूर और जरूरतमंद किसानों से बातचीत के जरिए खेती की जमीन को सस्ते दामों पर हड़पना चाहती है, जो किसानों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है।

अभय चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री बातचीत से नहीं बल्कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम 2013 के तहत किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर उनकी जमीन की पूरी कीमत दे। आज प्रदेश का अन्नदाता भाजपा-गठबंधन सरकार की गलत नीतियों के कारण आर्थिक रूप से बेहद टूट चुका है और बर्बादी के कगार पर खड़ा है इसलिए भाजपा-गठबंधन सरकार किसानों की मजबूरी का फायदा उठाना चाहती है। भाजपा-गठबंधन ने पहले किसानों को मंडियों में उसकी फसल को नमी के बहाने लूटा, फिर खाद-बीज के भाव बढ़ाकर लूटा, खेती का अहम साधन डीजल को महंगा कर लूटा गया और अब उसकी जमीन को कौडियों के भाव लूटने का नया तरीका निकाल रही है।

रक्षक नहीं भक्षक बनी हुई है गठबंधन सरकार: अभय

भाजपा-गठबंधन सरकार प्रदेश की जनता की रक्षक नहीं भक्षक बनी हुई है। नौकरी के नाम पर प्रदेश के युवाओं को स्थाई सरकारी नौकरी न देकर डीसी रेट पर लगा कर उनका शोषण कर रही है, वहीं इनेलो की सरकार में औद्योगिक सुरक्षाबल में भर्ती किए गए युवाओं को कांग्रेस की सरकार आने पर भूपेंद्र हुड्डा ने निकाल कर अन्याय किया था, अब भाजपा-गठबंधन सरकार उन्हें पुलिस महकमे में अस्थाई एसपीओ लगा कर उनका शोषण कर रही है।

बेरोजगारी चरम पर, सरकार संवेदनहीन : कुमारी सेलजा

निजी क्षेत्र में हजारों कर्मचारियों की छंटनी, खाने के लाले पड़े

सरकार आंकड़े नहीं दे रही, नीयत पर संदेह

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सेलजा ने कहा है कि हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी, लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में निजी व औद्योगिक क्षेत्र में हजारों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। असंगठित कर्मचारियों को रोटी के लाले पड़े हुए हैं। सरकार ने उनके लिए राहत की कोई घोषणा नहीं की। शनिवार को सेलजा ने कहा कि सरकार असंगठित कर्मचारियों को सौतेला मान रही है, इसलिए आज तक यह नहीं बता रही कि रोजगार खोने वाले कर्मचारियों की संख्या कितनी है।

राज्य कर्मचारी बीमा निगम, जिला उद्योग केंद्र या अन्य महकमे से इनके बारे में जानकारी तक नहीं मांगी गई। कोई सर्वे भी नहीं करवाया जा रहा। सेलजा ने कहा, आशंका तो यह भी है कि सरकार आंकड़ों की कलाबाजी दिखाते हुए यह घोषणा न कर दे कि कोरोना काल में निजी क्षेत्र में एक भी कर्मचारी को नहीं हटाया गया। उन्होंने कहा, भाजपा को झूठ बोलने में जरा भी झिझक नहीं होती। केंद्र सरकार संसद में दावा कर चुकी कि कोरोना में ऑक्सीजन की कमी से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई, उसी तर्ज पर राज्य सरकार भी दावा कर सकती है कि कोई छंटनी नहीं हुई।

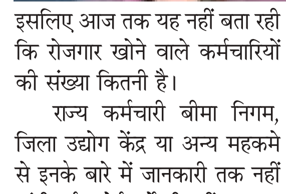

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, रविवार, 25 जुलाई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 36.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 27.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- एनएच-पांच स्थित मंदिर में श्रीमत भागवत कथा का आयोजन: दोपहर दो बजे
- सभी दुकानें खुलेंगी: सुबह 9 बजे
- रेस्टोरेंट और बार तथा माल्स खुलने का समय: सुबह 10 बजे
- बीके अस्पताल में ओपीडी शुरू: सुबह 8 बजे
- प्रयोगशाला में कोरोना जांच शुरू: सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी सीप इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का सबसे बेहतरीन तरीका है। इसमें आप हर महीने 500 रुपये के छोटे निवेश से भी शुरुआत कर सकते हैं। दरअसल, सिप के जरिए म्यूचुअल फंड की यूनिट्स का खरीद वैल्यू ऐवरेज हो जाती है। इससे लॉन्ग टर्म में आपको बेहतर रिटर्न मिलने उम्मीद रहती है। सिप के जरिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव से जुड़ा जोखिम काफी कम होता है। जब बाजार में तेजी होती है तो आपको कम यूनिट अलॉट किए जाते हैं और जब बाजार में गिरावट आती है तो आपके निवेश की उतनी ही रकम में ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

यूटीलिटी न्यूज

बच्चों के लिए चलाया जाएगा अभियान: चौबे

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भिक्षा मांगने वाले बच्चों को इनके पुनर्वास सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आगामी कार्यवाही की जाएगी और इस क्षावृत्ति में लगे बच्चों को मुक्त करवा कर किसी हद तक भिक्षावृत्ति को जिला फरीदाबाद से समाप्त किया जाएगा। सीजेएम कम् जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मंगलेश कुमार चौबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद शरद फाउंडेशन एनजीओ के साथ मिलकर बच्चा भिक्षुक को चिन्हित करेंगे। उन बच्चों को फिर इस धंधे से मुक्त कराएंगे और ऐसे बच्चों को पुलिस के द्वारा बाल कल्याण समिति के सामने नियमा अनुसार प्रस्तुत किया जाएगा।

क्विक न्यूज

आज परिवहन मंत्री का पौधरोपण अभियान

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा कल रविवार को वार्ड 39 बल्लभगढ़ के आदर्श नगर के सामुदायिक भवन में वन महोत्सव के उपलक्ष में सुबह 10 बजे पौधारोपण करेंगे। इस कार्यक्रम के उपरांत परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा सेक्टर -23 के हाउडी होटल में सुबह 11 बजे भाजपा मुजेसर मंडल कार्यकारणी की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करेंगे। इसके अलावा मूलचन्द शर्मा दोपहर 12 बजे बल्लभगढ़ के भीम बाग स्थित शहीद गुलाब सिंह सैनी सामुदायिक भवन में आयोजित भाजपा आदर्श नगर मंडल कार्यकारणी की बैठक में बतौर मुख्य अथिति एवं मुख्य वक्ता उपस्थित रहेंगे।

सामाजिक पतन : परिचित और नजदीकी बना रहे बच्चों को दुष्कर्म का शिकार

सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जा रही अश्लीलता से बढ़ रहे हैं मामले

राजेश दास। फरीदाबाद

इंटरनेट, सोशल मीडिया, टीवी और फिल्मों में परोसी जा रही अश्लीलता के कारण लगातार समाज पतन की और बढ़ रहा है। इसी वजह से बच्चों और नाबालिगों के साथ यौन शोषण की घटनाएं आए दिन हो रही है। बच्चों के साथ होने वाली इस तरह की ज्यादातर घटनाओं में परिचित अथवा रिश्तेदार आरोपी पाए जाते हैं। इन अपराधों पर पुलिस सीधे तौर पर पूरी तरह अकुंश नहीं लगा सकती, लेकिन ऐसे मामलों पुलिस को सख्ती के साथ जागरूकता के अभियान चलाने की जरूरत है।

कई मामलों में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध हो जाती है। लेकिन बच्चों को सुरक्षित माहौल देने की जिम्मेदारी सबसे पहले अभिभावकों की है। अक्सर देखा जाता है कि पानी, दूध और अन्य तरह की सेवाएं देने वाले लोग परिवार के बच्चों के साथ घुल मिल जाते हैं। जरूरी नहीं कि घर आने जाने वाला हर व्यक्ति गलत मानसिकता को हो। लेकिन इंसान की खाल में कौन भेड़ियां छिपा है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। हाल ही बच्चों और नाबालिगों के साथ हुए यौन शोषण के मामले में ऐसे लोग संलिप्त पाए गए हैं। इसलिए अभिभावकों को न केवल बच्चों को गुड टच, बैड टच की जानकारी देनी चाहिए। बल्कि घर आने जाने वाले की संदिग्ध हरकतों पर नजर भी रखनी चाहिए। पायनियर यहां ऐसे ही एक मामले से पाठकों को रूबरू करा रहा है।

केस स्टडी-1 : अपहरण के बाद दुष्कर्म

हाल में थाना सेक्टर सात क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने ऐसा ही एक मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित का कहना है कि 16 जुलाई की रात को वे परिवार के साथ सो रहे थे। तड़के तीन बजे नींद खुली तो उनकी 13 साल की बेटी बिस्तर से गायब थी। तलाश के बाद पता न चलने पर सुबह छह बजे उन्होंने पुलिस को शिकायत दे दी। जिसके बाद एक पुलिस कर्मी मौके पर आया और बच्ची के सम्पर्कों के बारे में पूछताछ की। चौराहों पर लगे सीसीटीवी खंगाले गए लेकिन लड़की का सुराग नहीं लगा। सुबह करीब 11 बजे के आसपास पुलिस ने पीड़ित के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बहला फुसला कर भगा ले जाने का केस दर्ज कर लिया। दोपहर करीब डेढ़ बजे एक व्यक्ति ने लड़की और उसका अपहरण कर ले जाने वाले दो लोगों को थाने में पेश कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने पूछताछ करने के बाद लड़की का मेडिकल और अन्य औपचारिकताएं पूरी करके अदालत में पेश बयान दर्ज करा दिये। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

गहनता से जांच जरूरी

आरोपियों में शामिल एक व्यक्ति पीड़िता की उम्र के लड़के का पिता है। जबकि दूसरे आरोपी की उम्र करीब 23 साल बताई हैं। दोनों ही इलाके में पानी के टैंकर चलाते हैं। आरोपियों ने जिस तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया है, उससे साफ है कि आरोपियों की बुरी नजर इलाके की अन्य बच्चियों पर भी रहती होगी। सम्भव है कि इससे पहले भी आरोपी इस तरह की हरकत कर चुके होंगे। लेकिन इस मामले में पुलिस आरोपियों से अन्य मामलों में पूछताछ नहीं की। यदि पुलिस मामले की गहनता के साथ जांच कर तो अन्य मामले भी उजागर हो सकते हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि दोनों आरोपियों पर पहुंच वाले लोगों का हाथ है। इसी वजह से पुलिस अपनी मर्जी से बयान दर्ज कर रही थी। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से पीड़ित परिवार को संदेह हो रहा है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट लगाने के साथ आरोपियों जेल भी भेज दिया है। लेकिन इसके बावजूद पुलिस के रवैये को देख कर पीड़ित परिवार को संदेह है कि उन्हें न्याय मिलेगा या नहीं।

मनोचिकित्सक कथन

मनोचिकित्सक डॉ. अजय भार्गव का कहना है कि एक सर्वेक्षण से पता चला कि प्रत्येक साढ़े तीन मिनट में महिलाओं के साथ घटना घटती है। एक तिहाई मामलों में आरोपी परिचित या रिश्तेदार होते हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दुरूपयोग, एकल परिवार व्यवस्था इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। काम की व्यस्ता के कारण माता पिता बच्चों को समय नहीं दे पाते। वहीं वर्तमान में अध्यापक भी बच्चों का सही मार्गदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

अपने ही निकल रहे आरोपी

इस घटना के बाद पीड़ित परिवार बच्ची की तलाश में जुटे हुए थे। दोपहर को पुलिस की सूचना पर वे थाने पहुंचे तो पता चला कि एक परिचित व्यक्ति ने लड़की और दोनों आरोपियों को पेश किया है। दोनों आरोपी व्यक्ति इसी इलाके के रहने वाले हैं। दोनों टैंकर के माध्यम से लोगों के घरों में पानी की सप्लाई करते थे। पीड़ित बच्ची का परिवार भी इनके टैंकर से पानी लेता था। बच्ची अक्सर अपनी मां के साथ घर के बाहर टैंकर से पानी लेने जाती थी। 16 जुलाई की रात को आरोपियों ने अपना टैंकर बच्ची के घर के सामने खड़ा किया था। देर रात को परिवार के सो जाने के बाद दोनों आरोपी लड़की का अपहरण कर टैंकर से ही ले गए थे। आरोपी बच्ची को ट्रेन से शहर से बाहर ले जाना चाहते थे। बच्ची के विरोध को देखते हुए दोनों उसे एक सोसायटी में ले गए। जहां आरोपियों द्वारा बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया।

डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद ने किया वेबिनार का आयोजन

नेल्सन मंडेला के जीवन की उपलब्धियों व संघर्ष पर की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

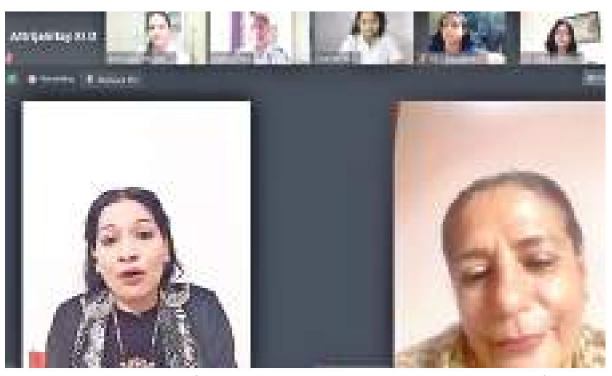

डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में नोबल पुरस्कार विजेता नेल्सन मंडेला के जीवन पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखिका एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रवक्ता राजनीति शास्त्री डा. आमना मिर्जा मौजूद रहीं। जबकि वैबीनार की अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसीपल सुरजीत खन्ना ने की।

इस वेबिनार का आयोजन डीपीएस ग्रेफा के इंटर क्लब अग्रणी के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के अलावा शिक्षकों व अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर डा. आमना मिर्जा ने नेल्सन मंडेला के जीवन की उपलब्धियों व संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए एक आदर्श व्यक्ति एवं कार्यकर्त्ता बनने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेल्सन मंडेला विद्यार्थियों के लिए आदर्श हैं। वहीं स्कूल की प्रिंसीपल सुरजीत खन्ना ने बताया कि नेल्सन मंडेला को अफ्रीका का 'गांधी' कहा जाता था। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में शांति के दूत के रूप में प्रसिद्ध नेल्सन मंडेला का रंग भेद के खिलाफ लड़ाई में योगदान कोई भुला नहीं सकता। मंडेला गांधी की तरह ही अंहिसा के रास्ते पर चलने वाले व्यक्ति थे। मंडेला ने रंग भेद के खिलाफ लड़ते हुए 27 साल जेल में काटे थे। नेल्सन मंडेला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 18 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र द्वारा शान्ति के लिए नोबल पुरस्कार विजेता पूर्व दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के जन्म दिवस की याद के रूप में मनाया जाता है। इसका निर्णय 18 जुलाई 2010 को हुआ था। यह निर्णय एक ऐसे महान व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए लिया गया जिसने आम लोगों की भलाई के लिए न सिर्फ काम किया अपितु उसकी कीमत भी चुकाई। इस मौके पर सुरजीत खन्ना ने स्कूल के इंटर क्लब अग्रणी के विद्यार्थियों द्वारा इस सफल आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी गई।

अधिवक्ता परिषद फरीदाबाद ने मनाया अपना स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद सेक्टर 12 स्थित जिला बार एसोसिएशन फरीदाबाद के बार रूम में अधिवक्ता परिषद फरीदाबाद परिषद ने अधिवक्ता परिषद का स्थापना दिवस, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, एवं शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती, बड़े हर्ष उल्लास से मनाई।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने की, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंगलेश कुमार चौबे, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक डॉ. अरविंद सूद, विशिष्ट अतिथि जिला बार एसोसिएशन के महासचिव नरेंद्र शर्मा एवं वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अधिवक्ता राजकुमार शर्मा थे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ अरविंद सूद ने कहा कि भारत का एक गौरवशाली इतिहास है। मुख्य अतिथि मंगलेश कुमार चौबे ने अधिवक्ता वर्ग को आह्वान किया कि राष्ट्रीय एवं समाज हित में अपना अमूल्य योगदान अवश्य दें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज हित में कार्य करने वाले अधिवक्ताओं का वर्तमान में सम्मान प्रदान करेगी।

सर्जरी कर महिला को पीड़ा भरी जिंदगी से दिलाई निजात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल में गुडगांव से स्पाइन में टीबी फोड़े की गंभीर समस्या के साथ आई 27 वर्षीय पिंकी का सफल ऑपरेशन किया गया। क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल में न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. विक्रम दुआ ने बताया कि सर्जरी से पहले स्पाइन में गंभीर समस्या के चलते जो महिला बिस्तर से उठ नहीं पा थी, सर्जरी के कुछ महीनों बाद उसने बिना किसी सहारे के चलना-फिरना शुरू कर दिया। अब मरीज बिल्कुल स्वस्थ है।

डॉ. विक्रम दुआ ने बताया कि मरीज हमारे पास स्ट्रेचर पर आई थी। उसके पैरों में बिल्कुल भी जान नहीं थी। उसके हाथ भी कम ही हिल पा रहे थे और मरीज की बॉडी भी अकड़ी हुई थी। जांच करने पर पता चला कि जहां पर सिर और स्पाइन जुड़ते हैं उस जगह पर टीबी का बहुत बड़ा फोड़ा बना हुआ था। टीबी थी और बहुत ज्यादा पस था और नीचे की नस जो स्पाइनल कोर्ड बिल्कुल जहां से शुरू होती है वहीं से पूरी तरह दबी हुई थी। इस कारण मरीज के अंदर ताकत नहीं थी।

डीईओ ने खुद पहुंच कर करवाए बच्चों के दाखिले

दूसरे दिन स्कूल पहुंचे छठी से आठवीं के 36.40 प्रतिशत छात्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि बीती 16 जुलाई से 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए स्कूलों के खुलने और शुक्रवार से छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लंबे समय बाद स्कूलों में विद्यार्थियों की चहल पहल की रौनक देखने को मिल रही थी। वहीं दूसरे दिन शनिवार को 36.40 प्रतिशत रही।

शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी के आदेश के बाद भी कई स्कूल एडमिशन करने में आनाकानी कर रहे हैं। इसी के चलते उन्होंने शनिवार को एनआईटी-3 सीनियर सेकंडरी मॉडल संस्कृति स्कूल में अपनी देखरेख में एडमिशन कराए। अधिकारी ने 40 एडमिशन कराए। एडमिशन होने पर अभिभावकों ने राहत की सांस ली, वहीं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है।

यहां करवाए दाखिले

शिक्षा अधिकारी को कुछ शिकायत मिल रही थी कि कुछ स्कूल प्रिंसीपल व अध्यापक एडमिशन करने में आनाकानी कर रहे हैं। इसके चलते उन्होंने सभी स्कूलों को लेटर भेज कर कहा था कि अध्यापक या प्रिंसीपल सभी बच्चों के एडमिशन करें, बावजूद अधिकारी को शिकायत मिली कि एनआईटी-3 मॉडल संस्कृति स्कूल के अध्यापक व प्रिंसीपल एडमिशन नहीं कर रहे हैं। इससे की विद्यार्थी मायूस होकर लौट रहे हैं।

इसी शिकायत के आधार पर शिक्षा अधिकारी शनिवार को स्कूल पहुंच गई और उन्होंने सभी बच्चों के एडमिशन कराए।

36.40 प्रतिशत बच्चे

कक्षा छठी से आठवीं कक्षा तक के स्कूलों में दूसरे दिन शनिवार को पहुंचने वाले विद्यार्थियों की संख्या में थोड़ा इजाफा हुआ है। हालांकि बारिश के कारण काफी बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाए। बच्चों की टोटल संख्या के अनुसार 50 प्रतिशत बच्चों को स्कूल पहुंचना जरूरी है, लेकिन 36.40 प्रतिशत बच्चे स्कूल पहुंचे यानि 5883 बच्चे स्कूल आए। शिक्षा अधिकारी का कहना है कि स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या और बढ़ती, लेकिन ऐनवक्त पर बारिश आ गई।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

तिरँगे की बढ़ाई टोकियो में शान चानू ने
करोड़ों का किया है पूर्ण ये अरमान चानू ने
उठा बोझा, दिखा दमखम, रजत तमगा किया हाँसिल
किया है आज गर्वित अपना हिंदुस्तान चानू ने

जीवा में शत-प्रतिशत रहा दसवीं और बारहवीं का परिणाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में दसवीं तथा बारहवीं कक्षा का बोर्ड का परिणाम घोषित हुआ। जिसमें जीवा के छात्रों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जीवा पब्लिक स्कूल फरीदाबाद का एक उच्च कोटि का आईसीएसई स्कूल है तथा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्कूल के सभी बोर्ड छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर जिले में जीवा पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया है। छात्रों के अथक प्रयास और सालभर के परिश्रम का फल बोर्ड के परीक्षा परिणाम फल के साथ जुड़ा होता है। यही वह समय होता है जब छात्रों के भविष्य का निर्माण होता है।

स्कूल में कक्षा बारहवीं एवं दसवीं के कुल मिलाकर 137 छात्रों ने बोर्ड की परीक्षा दी, जिसमें कक्षा बारहवीं में कुल 59 छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। 26 छात्र विज्ञान संकाय से, 33 छात्र वाणिज्य संकाय से, 10 छात्र कला संकाय से उत्तीर्ण हुए। कक्षा दसवीं से कुल 78 छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। दसवीं कक्षा के ओवरऑल टॉपर में निश्चय कथूरिया, नित्या अहूजा एवं आकांक्षा चौधरी। बारहवीं कक्षा के ओवरऑल टॉपर के नाम धनिष्ठा वर्मा, मोनालिसा झा, दीक्षा फागना।

बारहवीं में साइंस टॉपर में मोनालिसा झा के 95%, निकिता सिंह रावत के 93%, राहुल शर्मा के 93%, जाह्नवी के 92%। दसवीं में साइंस टॉपर में निश्चय कथूरिया 97%, आकांक्षा चौधरी 97%, तूषार जवाने 96%, नॉयल जॉनसन 93%। बारहवीं में कामर्स के टॉपर में धनिष्ठा वर्मा 96%, आयुषी गुप्ता 93%, हरप्रीत 93%। दसवीं के कामर्स के टॉपर रहे ईशा चौधरी 98%, नित्या अहूजा 97%, समरिद्धी उपाध्याय 94%। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान एवं उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने संदेश देते हुए सभी बोर्ड के छात्रों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अपर्णा शर्मा इस अवसर पर उपस्थित रहीं।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षा ने प्रधानाचार्या, छात्रों एवं अध्यापकों को इस शैक्षणिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। वे अपने छात्रों की सफलता पर प्रसन्न हैं साथ ही उन्होंने कहा कि छात्रों ने भी विद्यालय के सिद्धान्तों को अपनाया एवं सफलता का आधार बनाया, यह एक महत्वपूर्ण विषय है। इसके लिए अभिभावक भी बधाई के पात्र हैं।

परिवार नियोजन विकास का मजबूत मंत्र:उपायुक्त

बच्चों की संख्या व अन्तराल का नाम है परिवार नियोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा है कि परिवार समाज व देश के विकास में परिवार नियोजन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन का कोई भी एक विकल्प अवश्य अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला में विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है।

पखवाड़े के तहत पुरुष नसबंदी तथा महिला नलबंदी करवा सकती है। परिवार नियोजन के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उपायुक्त यशपाल ने कहा कि आपके कितने बच्चे हों और कब हों यह तय करना ही परिवार नियोजन है। उन्होंने कहा कि बच्चे पैदा करने के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करना चाहते हैं, तो अनके उपलब्ध साधनों में से कोई एक साधन चुन सकते हैं। इन्हीं साधनों को परिवार नियोजन के साधन, बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने के साधन या गर्भ निरोधक साधन कहते हैं।

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख महिलाएं गर्भधारण, प्रसव, तथा असुरक्षित गर्भपात की समस्याओं के कारण मृत्यु की शिकार हो जाती है। इनमें अनके मौतों को परिवार नियोजन के द्वारा रोका जा सकता है। इस संबंध में उदहारण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन गर्भ धारण के खतरों की रोकथाम कर सकता है। उपायुक्त ने कहा कि अगर बच्चे कम हैं तो आप एक दूसरे व बच्चों के साथ अधिक समय गुजार सकते हैं।

शहर में बढ़ गए डायरिया के मरीज, बरतें सावधानी

डायरिया ग्रस्त महिला मरीज का बीपी स्टाफ के माध्यम से जांच करवाते डॉ. योगेश अग्रवाल।

कविता। फरीदाबाद

बरसात के बाद गंदे पानी के कारण डायरिया का कहर भी जिले में बढ़ने लगा है। जिले के बीके सिविल अस्पताल में पिछले दो दिनों में डायरिया से पीड़ित मरीजों की भर्ती लगातार की जा रही है। वहीं ओपीडी में भी डायरिया के मरीजों की संख्या कई गुणा बढ़ गई है। डायरिया से पीड़ितों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश अग्रवाल ने बताया कि बरसात के कारण डायरिया के मरीज रोजाना सामने आ रहे है। यह बदलता मौसम लोगों को बीमार कर रहा है। फिलहाल उल्टी-दस्त के मरीज अधिक सामने आ रहे है।

तापमान ज्यादा होने और शरीर में पानी की कमी होने पर डायरिया होने की शिकायत ज्यादा होती है। इसके अलावा खानपान में लापरवाही भी बीमारी का कारण बनती है। बरसात के बाद शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिला अस्पताल हो या स्वास्थ्य केंद्र अथवा क्लीनिक, सभी जगहों पर उल्टी, दस्त के मरीज बड़ी संख्या में रोजाना पहुंच रहे हैं। ओपीडी में सर्वाधिक मरीज डायरिया के आ रहे हैं। एक वरिष्ठ चिकित्सक के मुताबिक जिले के डाक्टरों के पास प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज डायरिया के आ रहे हैं। डॉक्टर मरीजों और तीमारदारों से बचाव के तरीके सांझा कर रहे हैं।

चिकित्सक का कथन

डॉ. योगेश अग्रवाल ने बताया कि इन दिनों सर्वाधिक मरीज उल्टी, दस्त के ही पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन दिनों ओपीडी हो या अपातकालीन कक्ष हर जगह डायरिया के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बीमारी में उल्टी, दस्त कई बार होने की समस्या आती है। सिर में तेज दर्द होता है। बदन में तेज खुजली और दर्द होने लगता है। पानी और खानपान पर विशेष ध्यान देकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि धूप से बचाव करें, घर से बाहर निकलने पर सिर जरूर ढकें। तले, भूने और मसाले वाले भोजन का सेवन कम करें। इस तरह के एहतियात बरत कर न केवल बीमारी से बच सकते हैं बल्कि पूरी तरह स्वस्थ्य भी रह सकते हैं।

कोरोनाः कम मरीज फिर भी आंकड़ों से छेड़छाड़

कोरोना के 15 एक्टिव केस, अब तक आए 9972 पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में कोरोना का आंकड़ा कम होता जा रहा है। लेकिन आज भी मरीज ऑक्सीजन पर घर में रहने को परेशान हैं या फिर जारी किए जा रहे आंकड़ों में आज भी छेड़छाड़ की जा रही है। ऐसा ही कुछ कोरोना अपडेट में देखने को मिला।

जिले में शनिवार को 1486 लोगों की जांच की गई। जिसमें से एक भी पॉजिटिव नहीं आया। लेकिन जिले में फिलहाल 579 लोगों की रिपोर्ट आनी शेष है। वहीं जिले में 15 एक्टिव केस बताए गए हैं। जिसमें दो पॉजिटिव अस्पताल में भर्ती बताये गए हैं।

लेकिन ऑक्सीजन पर दो और एक वेंटीलेटर पर बताया गया है। इन आंकड़ों के मुताबिक दो मरीज अस्पताल में है। ऐसे में या तो दो मरीजों में से एक घर में ऑक्सीजन पर तो दूसरा अस्पताल में है या फिर अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या कम बता कर आंकड़ों में छेड़छाड़ की गई है। इस बारे में किसी के पास कोई जबाव नहीं है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 987637
अब तक पॉजिटिव	: 99762
अब तक नेगेटिव	: 887296
रिपोर्ट आनी शेष	: 579
ऑक्सीजन पर है	: 2
वेंटीलेटर पर है	: 1
अब तक मौत	: 716
अब तक ठीक	: 99031

कविश हत्याकांड का इनामी और नशे का सौदागर बदमाश लाला गिरफ्तार

लाला के खिलाफ 18 मुकदमे दर्ज, दो महीने पहले की थी छात्र की हत्या

छात्र हत्या मामले में 7 आरोपियों को पहले हो चुके हैं गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देशों के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने काफी समय से फरार चल रहे 50 हजार के इनामी बदमाश बिजेंद्र उर्फ लाला को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी के खिलाफ दो महीने पहले थाना एसजीएम नगर में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर ओल्ड फरीदाबाद निवासी एमबीए की पढ़ाई कर रहे छात्र कविश को नशे की ओवरडोज देकर मौत के घाट उतार दिया था।

17 मई को मृतक कविश के पिता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने अपराधियों की धरपकड़ के निर्देश दिए। जिसके तहत क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने मात्र दो दिन बाद हत्या में शामिल आरोपी दीपक उर्फ भगिना, राम, पिंटू उर्फ नहीम उर्फ मीढा और विशाल उर्फ सुन्ना को गिरफ्तार कर लिया। दो जून को हत्या में शामिल आरोपी तरुण तथा 9 जून को दो आरोपी भाइयों गौतम तथा राहुल को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मामले में आरोपी लाला फरार चल रहा था। जिसपर ओपी सिंह के अनुरोध पर डीजीपी हरियाणा ने आरोपी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने लाला की गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर दबिश दी। परंतु लाला बार-बार बचता रहा। आखिरकार क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने सफलता हासिल करते हुए शुक्रवार रात लाला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लाला एक खतरनाक अपराधी है। जो नशे का अवैध कारोबार करता है और उसके खिलाफ हत्या, मारपीट, अवैध हथियार, नशा तस्करी सहित 18 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें से 16 केस थाना मुजेसर के शामिल है।

आरोपी लाला अवैध नशे के कारोबार में काफी समय से संलिप्त है। जिसमें वह अवैध शराब तथा गंजा की तस्करी करता था। वह भोले-भाले नवयुवकों को भी अपराध की इन अंधेरी गलियों में धकेल देता था। अवैध नशा तस्करी के लिए उसने अपने गुर्गों को छोड़ रखा था। खुद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार चल रहा था। आरोपी रात को अपनी पत्नी से मिलने के लिए सेक्टर 12 में आया हुआ था। जिसे क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

भारतीय ओलंपिक दल को दीं चीयर करते हुए शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा विभाग के आदेशानुसार एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने गए 131 भारतीय खिलाड़ियों के दल को चीयर करते हुए अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि शनिवार को भारोत्तोलन में भारोतोलक मीरा बाई चानू ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीत कर देशवासियों को गौरवांवित होने का मौका दिया। रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि आज सभी स्टाफ सदस्यों और सभी बालिकाओं ने देश के शान और देश का टोक्यो ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी एक सौ इकतीस खिलाड़ियों के दल को चीयर करते हुए शुभकामनाएं दी।

विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड की सदस्य छात्राओं ने पेंटिंग और पोस्टर बना कर देश के सभी एक सौ इकतीस खिलाड़ियों को शुभ संदेश दिए। बालिकाओं और अध्यापकों एवम अध्यापिकाओं जसनीत कौर, आशा, मंजू, दीपिका, शिवम, कविता, मोनिका, ललिता, पूनम, वनिता सहित सभी ने कहा कि हमें अपने तीस हरियाणवी खिलाड़ियों सहित सम्पूर्ण भारतीय ओलंपिक दल पर गर्व है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि हमारे लिए गौरव का विषय है की टोक्यो ओलंपिक के 131 खिलाड़ियों के दल में 30 खिलाड़ी हरियाणा के हैं।

जिले में 4130 लोगों को लगी वैक्सीन

फरीदाबाद। जिले में शनिवार को 4130 लोगों ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। जिसमें तीन हेल्थ केयर वर्कर शामिल हैं। वहीं 18 प्लस आयुवर्ग में 3163 लोगों ने टीका लगवाया। 45 प्लस आयुवर्ग में 964 लोगों को टीका लगाया गया। जिले में केवल निजी अस्पतालों में ही टीकाकरण की घोषणा बीती शाम जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा की गई थी। लेकिन शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि जिले में 3443 लोगों को ही निजी वैक्सीनेशन कैम्पों में टीका लगाया गया। लेकिन बाकी टीके के बारे में पायनियर की तरफ से पुछताछ करने पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजेश श्योकंद ने बताया कि कोवैक्सीन की सैकेंड डोज कौराली में लगाई गई हैं। जिसमें 687 लोगों ने सैकेंड डोज लगवाई।

पहुंचे सैंकड़ों लोग : बीके अस्तपाल में बने वैक्सीनेशन सेंटर के बाहर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच गए। सुबह से पहुंच रहे लोगों को सेंटर के बंद गेट पर लगे सूचना बोर्ड को देखकर वापस लौटना पड़ा। केन्द्र के बाहर लगे नोटिस पर शनिवार और रविवार को टीका न लगने की बात कही गई थी। वहीं कुछ लोग कोरोना जांच को पहुंचे तो वहां से उन्हें बिना जांच करवाये ही यह कहते हुए लौटा दिया कि आज वैक्सीन नहीं है, ऐसे में आपकी जांच नहीं की जाएगी।

नहीं है वैक्सीन : वैक्सीन की डोज समाप्त होने के कारण शुक्रवार को जहां वैक्सीनेशन सेंटरों पर पांच हजार के करीब ही वैक्सीन लगाई गई थी। वहीं रविवार को केवल बीके में ही डोज लगाई गई थी। लेकिन इस दौरान दोपहर को ही वैक्सीन समाप्त होने के कारण यहां आने वाले लोगों की जांच तक नहीं की गई। ज्यादातर लोग वैक्सीन लगवाये बिना ही लौट गए। ऐसे में शनिवार और रविवार को वैक्सीन न लगने से लोग परेशान होकर वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

लूटपाट की नीयत से बदमाशों ने की मिठाई की दुकान में फायरिंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित सीही गेट के पास शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक मिठाई की दुकान पर दो हथियारबंद बदमाशों ने हमला कर दिया। लूट में कामयाब न होने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग करते हुए दोनो बदमाश बाहर खड़े अपने एक अन्य साथी की बाइक पर सवार होकर भाग निकले। बाजार में फायरिंग की आवाज से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। फुटैज जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

यह है पूरा मामला

सीही गेट बल्लभगढ़ निवासी दीपक गर्ग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उनकी मेन बाजार में सीही गेट पर ही डालचंद हलवाई नाम से मिठाई की दुकान है। अन्य दिनों की तरह वह शुक्रवार रात को करीब 9 बजे दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी करीब साढ़े 9 बजे उनकी दुकान पर 25 से 30 साल उम्र के दो युवक आ गए। एक युवक ने काली टी शर्ट पहनी थी। जबकि दूसरा युवक लाल रंग की टी शर्ट पहने हुए था। आरोप है कि काली टी शर्ट वाले युवक ने दुकान में आते ही दीपक गर्ग पर देसी पिस्टल तानते हुए रुपयों की पेटी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसमें जितने भी रुपये हैं, वह निकालकर दे दे, वर्ना गोली मार दूंगा। दीपक गर्ग ने रुपये न होने की बात कहते हुए कहा कि दुकान का सारा कैश घर जा चुका है। इस पेटी में अब रुपये नहीं है। रुपयों के लिए मना किए जाने पर बदमाश ने तभी दुकान के रैक की ओर फायर कर दिया। गोली चलाने के बाद बदमाश ने कहा कि आज तो बच गया। अगर आगे रुपये नहीं दिए तो जान से मार देंगे। इसके बाद दोनों युवक दुकान से बाहर निकले और हवाई फायर करते बाइक पर बैठ फरार हो गए।

पुलिस का कथन

अग्रसेन चौक पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद गौतम व क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके पर जांच की। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद गौतम ने बताया कि पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम बदमाशों की पहचान में जुटी हैं। आरोपितों को जल्द अरेस्ट कर लिया जाएगा।

योजना के तहत 35 हजार क्विंटल गेहूं लाभार्थियों में वितरित : गुर्जर

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में लाभ पात्रों को राशन वितरित करने के उपरांत उपस्थित लोगों को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा गरीब व जरूरतमंद लोगों को हर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के सभी प्रयास युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं।

ये विचार कृष्णपाल गुर्जर भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन डिपो का के तहत आने वाले डिपो को तिलकराज, सतनाम व नवीन भाटिया के डिपो के अंतर्गत आने वाले पात्र लाभार्थियों को इस योजना के तहत राशन वितरित करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में संपूर्ण भारतवर्ष के सभी वर्गों के हित सुरक्षित हैं और सभी वर्गों के समुचित विकास के लिए अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, संबंधित व्यक्ति को चाहिए कि वे अपने से जुड़ी योजना के बारे जानकारी हासिल कर संबंधित योजना का भरपूर लाभ लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है।

जिसके अंतर्गत एचएवाई, ओपीएच, बीपीएल कार्ड धारकों को पांच किलो मुफ्त गेहूं दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी समस्या के लिए पात्र लाभार्थी उनके कार्यालय या जिला रेडक्रॉस बिल्डिंग सेक्टर- 12 में जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग कार्यालय में संपर्क कर सकता है। केंद्रीय राज्यमंत्री कृषणपाल गुर्जर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, बीपीएल, एएवाई जैसी योजनाओं के बारे उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह इस प्रकार की योजना का जनहित में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें।

संक्षिप्त समाचार

मीराबाई चानू के पदक जीतने पर मनाया जश्न

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड ने विभिन्न खेलों के खिलाडियों के साथ मिलकर भारत को ओलम्पिक में पहला पदक दिलाने वाली अन्तर्राष्ट्रीय वेट लिफ्टर खिलाडी मीराबाई चानू को भारत के तिरंगा झंडा के साथ जीत की बधाई दी। फरीदाबाद के वेट लिफ्टर खिलाडी हरित कुमार ने कहा कि मीराबाई चानू ने भारत को पहला रजत पदक देकर एक नया इतिहास रचा है। शारीरिक प्रशिक्षक हरिसिंह ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी मीराबाई चानू ने ओलम्पिक में पहले दिन पदक जीतकर एक नया इतिहास रचा है। 200 मीटर दौड के राष्ट्रीय धावक नकुल धनखड़ ने कहा ओलम्पिक में भारतीय टीम इस बार एक नया इतिहास रचेगी और मीराबाई चानू के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं भेजी। वहीं साथियों के साथ जीत का जश्न मनाया। मीराबाई चानू के रजत जीत पदक विजेता बनने की खुशी में वंदना, आरव, सिद्धार्थ, लवण, नकुल धनखड, अंकित शर्मा, दुष्यंत धनखड, तुषार और दीपांशु ने भारतीय झंडे को साथ लेकर जीत का जश्न मनाया।

बांके बिहारी मंदिर में पहुंचे पूर्व मंत्री विपुल गोयल

फरीदाबाद। सेक्टर-19 में बांके बिहारी मंदिर शास्त्री कॉलोनी और श्रीबांके बिहारी मंदिर सेवा संस्था के पदाधिकारियों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पहले हवन और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और भंडारे का शुभारम्भ् कर अपने हाथों से छोटे बच्चों को प्रसाद वितरित किया। इससे पहले फरीदाबाद खेड़ी पुल स्थित गुरु रविदास मंदिर में भी श्रीः श्रीः 1008 स्वामी मग्धानन्द् आश्रम विकास समिति द्वारा गुरु पर्व के अवसर पर हवन और भण्डारे का अयोजन किया गया था, जिसमें पहुंचकर मंदिर में देवी देवताओं के दर्शन कर मंदिर के महंत स्वामी नरेशानन्द महाराज व् अन्य संत महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया और दोनो कार्यक्रमों में उपस्थित सभी लोगों के साथ साथ क्षेत्र ओर प्रदेश वासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी और सभी की खुशहाली के लिए मंदिर में प्रार्थना कर हवन यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम से पहले सभी सेक्टर वासियों ने और मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री विपुल गोयल का फूल मालाओं से स्वागत किया और मोमेंटो व् शाल ओढाकर सम्मानित किया। इस मौके पर पार्षद नरेश नम्बरदार, महंत स्वामी मग्धानन्द् महाराज, अशोक नंदा, रामचंद्र नंबरदार, बलबीर चौधरी, धर्मपाल, मास्टर आरके यादव, बजरंग सिंगला का के कीमती लाल, जगबीर चौधरी, लालाराम, रामफूल सैनी, देशराज चौधरी व सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संस्कृति संघ ने स्वास्थ्य कोविड सैनिकों को किया सम्मानित

फरीदाबाद। सेक्टर-19 ईएसआई डिस्पेंसरी के स्वास्थ्य कर्मियों को हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ ने कोविड सैनिक सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में वार्ड नम्बर-30 के पार्षद सुभाष आहूजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा समाजसेवी वासदेव अरोड़ा अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पंजाबी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि कोरोना काल मे कोविड सैनिक ने समाज सेवा को नया रूप दिया। जिन्होंने रात दिन कार्य करके कोरोना पीढ़ितों की जान बचाई। हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ शहर के बहुत सारे कोविड सैनिकों को सम्मानित करेगा। उन्होंने बताया कि हमारा अगला कोविड सम्मान कार्यक्रम-1 नम्बर ईएसआई डिस्पेंसरी में अगले सप्ताह होगा। महासचिव तेजिन्द्र खरबंदा ने कहा कि हम अगस्त के प्रथम सप्ताह में पुलिस कर्मियों को भी सम्मानित करेगें जिन्होने कोरोना काल में लोगों की सहायता करके उनकी जान बचाई है और लोगो से कोरोना नियमों का पालन करवाया। मुख्यअतिथि सुभाष आहूजा ने कहा कि इस तरह के कार्य समाज को दिशा प्रदान करते हैं।

समाज को दिशा देने वालों का सम्मान कर रही भाजपा : शर्मा

गुरु पूर्णिमा पर प्रतिष्ठित लोगों को उनके घरों पर पहुंच कर किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की रीति और नीति समाज को दिशा देने वाले लोगों का सम्मान करना है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार की रीति और नीति के तहत शनिवार को बल्लभगढ़/ फरीदाबाद में सरकार के कैबिनेट मंत्री होने के नाते सरकार की तरफ से प्रतिष्ठित लोगों को उनके घरों पर पहुंच कर उन्हें गुरु पूर्णिमा पर सम्मानित करना मेरा कर्तव्य बनता है उसी के तहत आज यह कार्य किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोगों को शिक्षा और दीक्षा व साहित्य के क्षेत्र में, प्रवचन के क्षेत्र में, खेल के क्षेत्र में तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में हो ऐसे महानुभाव लोग समाज के प्रेरणा के स्त्रोत हैं उनका सम्मान किया गया है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने नई पीढ़ी से आव्हान् करते हुए कहा कि वे अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा समाज के ऐसे प्रेरणा के स्त्रोत रहे लोगों का आदर करेगें तो वे निश्चित तौर पर सफलता के मुकाम पर पहुंचेंगे। दुनिया की कोई भी ताकत ऐसे संस्कारवान बच्चों को उनके मुकाम पर पहुंचने से नहीं रोक सकती।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा शनिवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा की भाजपा सरकार की रीति और नीति कार्यक्रम के तहत साहित्यकारों लेखकों ऋषि-मुनियों पहलवानों तथा अन्य समाज के प्रेरणा स्त्रोत के लोगों को घर जाकर उन्हें सम्मानित कर रहे थे। शर्मा ने शनिवार को बल्लभगढ़ में रघुवीर कालोनी में सुबह 8:30 बजे भैया जी महाराज जी के पास जाकर उन्हें सरकार की तरफ से सम्मानित किया। इसके उपरांत बल्लबगढ़ में ही सुबह 9 बजे सेक्टर-3 में साहित्यकार वेदप्रकाश के घर पहुंचे उन्हें भी सरकार की तरफ सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सेक्टर-7 में सुबह 9:30 बजे साहित्यकार बलदेव राज के घर पहुंचे और उन्हें सरकार की तरफ से सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सुबह 10 बजे इसी प्रकार हिन्द केसरी नेत्रपाल सिंह (दयालपुर वाले) के घर शास्त्री कालोनी सेक्टर -19 में पहुंच कर उन्हें भी सरकार की तरफ से सम्मानित किया।

इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंटरनेशनल रेसलिंग अकेडमी सेक्टर- 88 के संचालक व हरियाणा पुलिस के पूर्व पुलिस अधीक्षक और भीम अवार्डी एवं अर्जुन अवार्डी पहलवान जगरूप सिंह राठी के घर पहुंच कर उन्हें गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर बधाई तथा शुभकामनाएं देकर सरकार की तरफ से सम्मानित किया।

हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर सबसे पहले बल्लबगढ़ शहर के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर भैयाजी महाराज का उनके आश्रम पहुंच कर उन्हें सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने साहित्यकार वेदप्रकाश जी द्वारा लिखित किताबो और उन्हें सरकार से मिले सम्मान पत्र को ध्यान पूर्वक देखते हुए उन्हें गुरु पूर्णिमा की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बड़खल में एक सप्ताह तक मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

फरीदाबाद। बडखल विधानसभा क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा महोत्सव एक सप्ताह तक मनाया जाएगा। इसी श्रृंखला में बड़खल विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक सीमा त्रिखा ने बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न धर्म गुरुओं की दहलीज पर जाकर माथा टेका। देश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कोविड-19 के संपूर्ण विवश की कामना की। इस दौरान विधायक ने धर्मगुरुओं और संतों के चरणों में अपना सिर नवाकर सभी संतों व महापुरुषों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

त्रिखा ने सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज, मंदिर श्री पीर मोती नाथ जी महाराज मार्केट नंबर 1 में पीर जगन्नाथ, मंदिर जगतगुरु भगवान लालजी महाराज में गोस्वामी किशनलाल व गोस्वामी जयलाल, मंदिर जगतगुरु रतनलालजी महाराज में गोस्वामी श्यामलाल महाराज, शिवालय मंदिर नंबर 2 में महंत बसंतलाल, मंदिर जगतगुरु वेद प्रकाश महाराज में भूषण बाली व उमेश बाली, गोस्वामी योगेश बाली तथा मंदिर जगतगुरु धाम गांव अनखीर में ब्रिजांशुजी महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि बडखल विधानसभा क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा महोत्सव एक सप्ताह तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष ऋषि-मुनियों की धरती है, थी और हमेशा बनी रहेगी। इस अवसर पर विधायक त्रिखा ने सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु दो अक्षरों से मिलकर बनता है। जिसमें गु का अर्थ है अज्ञान एवं रु का अर्थ है दूर करने वाला अर्थात गुरु का अर्थ है अज्ञान को दूर करने वाला। इसलिए हमें माता-पिता तथा गुरुजनों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। उनके बताए पथ पर आगे बढ़कर अपने माता-पिता एवं गुरुजनों नाम उज्ज्वल करने की कोशिश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु हमें सदमार्ग पर चलना सिखाते हैं, इसलिए गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा माना गया है। आज के समाज में ऐसे गुरु की जरूरत है जो शिष्य के विकारों को दूर कर सके। इस अवसर पर रीटा गोस्वामी, कमलेश भाटिया, रूद्रदेव शर्मा मोंटू, संदीप नागपाल, ज्ञानी प्रधान तथा सरदार मनजीत सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर डेरा श्रद्धालुओं ने जरूरतमंद परिवारों को बांटा राशन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शनिवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर यहां डेरा सच्चा सौदा के नाम चर्चा घर में आयोजित जिला की नाम चर्चा के दौरान गुरु यश गाया गया। इसके बाद जरूरतमंदों को घरेलू सामान राशन आदि वितरित किया गया। इसी दौरान पौधारोपण अभियान को लेकर भी बैठक की गई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिलाभर से काफी संख्या में साध-संगत यहां नाम चर्चा घर में पहुंची।

नाम चर्चा का संचालन भंगीदास श्याम सुंदर ने किया। उन्होंने डेरा सच्चा सौदा द्वारा चलाए जा रहे भलाई के कार्यों के बारे में भी बताया। साथ ही कहा कि संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने हमें जो सच्चाई, सेवा का मार्ग दिखाया है, उस पर सदा चलते रहेंगे। हर प्राणी की सेवा के लिए गुरुजी ने सदा प्रेरित किया है। संगत उनके दिखाए मार्ग पर दिन-रात चलते हुए भलाई के कार्य लगातार कर रही है। उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा और सहायता करने में साध-संगत सदैव अग्रणी रहती है। इसी कड़ी में शनिवार को गुरुग्राम के 12 परिवारों और पटौदी के तीन परिवारों को राशन दिया गया, ताकि उनकी आजीविका सही चलती रहे। इस मौके पर राजेंद्र सिरोही, जगत सिंह 15 मेंबर, कृष्ण, विनोद के अलावा सुजान बहनें राजबाला, कविता, सुदेश, कविता, सुनीता समेत गुरुग्राम जिलाभर से संगत ने शिरकत की। नाम चर्चा के बाद पौधारोपण अभियान चलाने को लेकर भी बैठक की गई। बैठक में इस अभियान की रूपरेखा तय की गई। सभी को जिम्मेदारी दी गई। हर साल की तरह इस साल भी व्यापक पैमाने पर पौधारोपण करने में संगत अग्रणी रहेगी।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर किया पौधारोपण

गुरुग्राम के सेक्टर-102 स्थित गुड़गांव ग्रीन्स सोसायटी में पौधारोपण करते वहां के निवासी।

गुरुग्राम। शनिवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर यहां सेक्टर-102 स्थित गुड़गांव ग्रीन्स सोसायटी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सोसायटी में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों व बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सोसायटी परिसर में विभिन्न प्रकार के 200 पौधे वहां के निवासियों द्वारा लगाए गए। साथ ही उन पौधों की देखभाल की शपथ ली। इस मौके पर पवन तंवर, सोबीर सिंह, जयप्रकाश, रणवीर इशरवाल, सुनील ग्रेवाल, रोबिन शर्मा, महिपाल सिंह, रमेश जांगिड़, अमित, विजय वर्मा, अनिल राणा, प्रतिमा, सविता समेत अनेक लोगों ने पौधे लगाए।

बेटे, पत्नी के जन्मदिन और शादी की सालगिरह के उपलक्ष में लगाए पेड़

पायनियर समाचार सेवा। झज्जर

कहते हैं किसी भी अच्छे काम की शुरुआत के लिए कोई मुहुर्त नहीं देखना चाहिए। जब काम शुरू किया जाए, वही शुभ मुहुर्त हो जाता है। इसी सोच के साथ एक शख्स से पर्यावरण में सुधार को पेड़ लगाने का काम शुरू किया है। साथ ही इन पेड़ों की देखरेख का जिम्मा लेते हुए हर साल तीन पेड़ लगाने का निर्णय भी लिया है।

जिले के गांव सासरोली निवासी सोमवीर सिंह एडवोकेट के बेटे कुशल का जन्मदिन 29 दिसम्बर को, पत्नी प्रिया का जन्मदिन दो दिसम्बर को व उनकी शादी की (सोमवीर एवं प्रिया) सालगिरह एक दिसम्बर माह में है। इन तीनों आयोजनों की खुशी में उन्होंने पेड़ लगाने का निर्णय लिया। गुरू पूर्णिमा के मौके पर उन्होंने सासरोली गांव की बणी में जोहड़ वाले मंदिर के महंत बाबा बालक नाथ जी महाराज के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से बणी में तीन पेड़ बड़ व पीपल लगाए। पूर्णिमा के अवसर पर पेड़ लगाते हुए इन पेड़ों के पोषण के साथ हर साल इसी तरह से इसी समय यानी मॉनसून में पेड़ लगाने का निर्णय लिया।

गांव सासरोली की बणी में परिवारजनों के साथ पेड़ लगाते सोमवीर सिंह एडवोकेट।

सोमवीर सिंह एडवोकेट कहते हैं कि सर्दी के मौसम में पेड़ लगाने से कम ही पेड़ बच पाते हैं। इसलिए उन्होंने उस समय के अपने परिवार के इन विशेष आयोजनों पर मॉनसून में ही पेड़ लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में जिस तरह से ऑक्सीजन की कमी हम सब ने झेली है, देखी है, इससे हमें सबक लेना जरूरी है। हमें चाहिए कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ऑक्सीजन की कमी को दूर करें। ऐसा काम करें कि हमें सिलेंडर आधारित ऑक्सीजन की कमी ना हो, हम प्राकृतिक ऑक्सीजन के सहारे ही जीवन को बेहतरी से जिएं। वे कहते हैं कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के खास अवसरों पर बाकी कार्यों के साथ-साथ पेड़ लगाने के कार्य को प्रमुखता से करना चाहिए। उन्होंने अपने बेटे व पत्नी के जन्मदिन और अपनी सालगिरह के उपलक्ष्य में यह कार्य किया है। इस तरह के कार्यों के प्रति समाज के हर व्यक्ति को जागरुक होना चाहिए। प्रकृति से हम बहुत कुछ लेते हैं, लेकिन देते कुछ भी नहीं। प्रकृति को सहेजकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। सोमवीर सिंह एडवोकेट ने कहा कि चाहे शहर को या गांव, पर्यावरण की रक्षा हम सभी को करनी है।

संक्षिप्त समाचार

होप फॉर चिल्ड्रन सामुदायिक विकास प्रोजेक्ट शुरू

गुरुग्राम। बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च डिओसस ने होप फॉर चिल्ड्रन नामक सामुदायिक विकास प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इसके तहत बच्चों, महिलाओं और नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। संस्था के रीजनल को-ऑर्डिनेटर रमन कुमार के अनुसार यह एक कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है, जिसमें जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है। इस प्रोजेक्ट के तहत भाटी माइंस में सिलाई यूनिट का भी उद्घाटन किया गया। इसके तहत औरतों को सिलाई की मुफ्त ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। पिछले एक दशक से बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च डिओसस गुरुग्राम और आसपास शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर उठाने के लिए प्रयासरत है। कोरोनाकाल में लगे लॉकडाउन में संस्था ने बिशप साइमन के नेतृत्व में गुरुग्राम में हजारों जरूरतमंदों को खाना और राशन उपलब्ध कराया था। होप फॉर चिल्ड्रन के शुभारंभ पर संस्था ने गरीब बच्चों में कापियां और किताबें वितरित की। इस मौके पर डिकॉन फादर खालेस्वर ने जानकारी दी कि संस्था का मकसद गरीब बच्चों की मदद, नौजवानों को उत्तरदायी बनाना और नशे से दूर रखना है। इस अवसर पर प्रोजेक्ट इंचार्ज सुधीर अले, भाटी महिला बाल विकास मंडल अध्यक्ष पुष्पा, बलबीर राठौर, फादर नरेंद्र राय, विनोद जयना, संजय राय, एएसआई मनोज सतबीर सिंह व हेड कांस्टेबल जयप्रकाश समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

छात्रों ने तिरंगा लहराकर खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं

पलवल। धर्म पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों द्वारा टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय दल को समर्थन देने के लिए चीयर फोर इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत छात्रों ने खिलाडियों के समर्थन में पेंटिंग बनाई व देश की शान तिरगा लहराकर भारत माता कीए जय के नारे लगाए व प्रभु से प्रार्थना की कि हमारे देश के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीतकर देश का गौरव बढाएं। छात्रों ने ओलंपिक दल में शामिल हरियाणा के 30 खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे प्रदेश के खिलाड़ी सबसे ज्यादा पदक जीतकर टोक्यों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की शान बढ़ाने का काम करेगें। ऐसा हमारा पूर्ण विश्वास है। इसी के साथ सभी खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक पवन अग्रवाल के कहा कि हम सभी भारतवासी अपने खिलाडियों के साथ है व हमें पूर्ण विश्वास है कि इस बार हमारा देश अब तक के प्रदर्शन से ज्यादा अच्छा बेहतर प्रदर्शन करेगा व पदक तालिका में हमारा स्थान बेहतर होगा। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक पवन अग्रवालए प्रधानाचार्या ज्योति डाँगेए वरिष्ठ समन्वयक डॉ ण् विकास साध एवं पर्यवेक्षिका पूजा पवार ने सभी को शुभकामनाएँ दी।

छोकर ने श्रद्धालुओं को परोसा प्रसाद

फरीदाबाद। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पृथला विधानसभा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह छोकर ने लाखों भक्तों के श्रद्धा के केंद्र गांव प्याला कुटी के बाबा शांतिनाथ जी के धाम पहुंचकर दर्शन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण करने और कुटी पर आए हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद परोसने का भी आनंद लिया। इस मौके पर उन्होंने सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि बाबा शांतिनाथ की कृपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि हमारे संत महात्मा कह गये हैं कि सब धरती कागज करूं, लिखनी बस बनराय। सात समुद्र की मसि करूं, गुरु गुण लिखा न जाय। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा को आषाढ़ी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को होता है। आज के दिन मंदिरों में देवों के गुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु की आराधना की जाती है। उन्होंने कहा कि वेदों का ज्ञान देने वाले और पुराणों के रचनाकार महर्षि वेद व्यास जी का जन्मदिन इस तिथि को ही पड़ता है। मानव जाति के कल्याण और ज्ञान के लिए उनके योगदान को देखते हुए उनकी जयंती को गुरु पूर्णिमा के रुप में मनाते हैं। गुरु पूर्णिमा को व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है।

समय रहते अपना वैक्सीनेशन जरूर करवाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले को कोरोना मुक्त करने के लिये युद्ध स्तर पर कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। जिन लोगों ने अपना कोरोना वैक्सीनेशन नही करवाया है। वे कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर सतर्कता बरतें और समय रहते अपना वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।

यह विचार भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री, कृष्णपाल ने एमरल्ड कन्वेंट स्कूल सेक्टर-79 ग्रेटर फरीदाबाद के प्रांगण में सर्वोदय हेल्थ केयर व एस्कॉर्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कोरोना वैक्सीनेशन कैंप के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए करें।

उन्होंने कहा कि भले ही कोरोना विश्व भर में महामारी के रूप में अपनी पहचान रखता है, लेकिन कोरोना के प्रति बरती गई सतर्कता, अपनाई गई जागरूकता व कोरोना बारे अन्य संबंधित उपायों को अपना कर इसके बुरे प्रभाव से खुद को बचाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह कॅरोना वैक्सीनेशन जरूर करवाए व करोना से संबंधित सभी जानकारी हासिल कर कोरोना के प्रति सतर्कता बरतते। इसके उपरांत उन्होंने सीएचसी तिगांव के प्रांगण में भी कोरोना वैक्सीनेशन मे उपस्थित लोगों को वैक्सीनेशन लगवाने बारे जागरूक किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों से चिकित्सा सुविधाओं की जनहित में बढ़ती मांग को मद्देनजर रखते हुए की चिकित्सा सुविधाओं को 24 घंटे दुरुस्त रखने को कहा और हस्पताल से जुड़ी जन समस्याओं के संबंध में दूरभाष पर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पुरानी हो चुकी बिल्डिंग के रखरखाव व अन्य जरूरी सुविधाओं का समय रहते ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर एसएमओ डॉ हरीश आर्य, डॉ अजय गोयल, डॉ अनमोल, डॉ श्वेता सहित अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

नागरिक अस्पताल में प्रसूति केन्द्र ठप बिजली व्यवस्था तीन बाद से खराब

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नागरिक अस्पताल के प्रसूति केन्द्र के ऑपरेशन थिएटर में बिजली सप्लाई ठप होने से तीन दिन से अंधेरा छाया है। जिसके चलते ऑपरेशन से होने वाली प्रस्तुति के दो मामलों को गुरुग्राम रेफर किया है।

अधिकार जल्द ही ऑपरेशन थीएटर चालू होने का आश्वासन दे रहे है। तीन दिन पहले बारिश के दौरान नागरिक अस्पताल का प्रसूति ऑपरेशन थिएटर में शार्ट सर्किट होने से बिजली सप्लाई ठप हो गई थी। इस शार्टसर्किट से ऑपरेशन थिएटर में भारी नुकसान हुआ है। जिसके कारण तीन दिन बाद भी बिजली सप्लाई बाहल नहीं हो सकी है। तीन दिन में सामान्य रूप से 20 डिलेवरी हुई है। नागरिक अस्पताल के कार्यवाहक एसएमओ डॉ. प्रवीा यादव ने बताया कि बारिश के कारण बिजली सप्लाई में भारी नुकसान हुआ है। जिसका बजट उनके क्षमता से अधिक है।

ऑपरेशन थिएटर को जल्द से जल्द चालू कराने तथा ठप बिजली सप्लाई को दुरूस्त करने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है। उच्चाधिकारियों के आदेश पर बजट मिलने पर ही ऑपरेशन थिएटर को जल्द से शुरु किया जाएगा। उन्होने बताया कि बीते तीन दिन में एक भी डिलेवरी ऑपरेशन का मामला नहीं आया है।

अवैध शराब समेत युवक गिरफ्तार

सोहना। सिटी थाना पुलिस ने युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके पास से प्लास्टिक के कट्टा में भरी 100 पव्वा देशी शराब बरामद की है। सिटी थाना में तैनात हवलदार शाकिर ने बताया कि वह गश्त के दौरान तावडू से आने वाले मार्ग के तिकोना पार्क के पास खड़ा था।

उसे सूचना मिली कि दर्शनसिंह पुत्र चरण सिंह अवैध शराब बेचता है। वह प्लास्टिक के कट्टा में बेचने के लिए शहर के पुराना अलवर मार्ग से पैदल-पैदल आ रहा है। जिसके सिर पर रखा कट्टा में शराब भरी है। पुलिस पुरान अलवर मार्ग पर छापामारी के लिए चल दी।

बालिकाओं के भविष्य के लिए कारगर सिद्ध हो रही सुकन्या समृद्धि योजना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय डाक विभाग द्वारा शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने में कारगर सिद्ध हो रही है। योजना के तहत जिले के किसी भी डाकघर में खाता खुलवाया जा सकता है।

शनिवार को उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देने के लिए डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना को शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता कम से कम 250 रुपये में खोला जा सकता है। एक

किसी भी डाकघर में खुलवाए खाता

वर्ष में अधिक से अधिक खाते में एक लाख 50 हजार रुपये जमा करवाए जा सकते हैं। सरकार द्वारा जमा राशि व परिपक्वता राशि पर इनकम टैक्स में छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बेटी की आयु 18 वर्ष की होने के बाद जब भी शादी करें, खाता बंद करवा सकते है। विवाह से एक माह पहले या तीन महीने बाद तक खाता बंद करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत माता-पिता अपनी बेटी की शिक्षा, शादी के लिए थोड़ा-थोड़ा करके पैसा जमा करवाकर चक्रवृद्धि ब्याज पर पैसा जोड़ सकते है। डॉ. गर्ग ने बताया कि इस योजना के तहत दसवीं की परीक्षा पास करने तथा 18 वर्ष की आयु होने पर लड़की की पढ़ाई/शिक्षा के लिए आधा पैसा भी निकाल सकते है तथा शेष राशि शादी के समय निकाली जा सकती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता खुलवाने के लिए आवेदन पत्र के साथ बेटी का जन्म प्रमाण पत्र, माता या पिता का फोटो, आईडी तथा रिहायशी प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

मंडी में आवक कम होने से सब्जियों की कीमतें में आया उछाल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बरसात के मौसम में मंडी में सब्जियों की कम आवक से कीमतों ने आसमानी छलांग लगाई। सब्जियों की कीमत बढ़ने फुटकर दुकानदारों के कारोबार धीमा हो गया है। वहीं ग्राहक सब्जियों की संख्या कम होने और भाव अधिक होने के कारण कम खरीद रहे है।

पिछले करीब 10 में रुक-रुक कर हुई बारिश से मंडी में सब्जियों की आवक कम हुई है। सब्जियों की आवक कम होने से कीमतों में तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती कीमतों के कारण ग्राहक सब्जियां खरीदने से हिचक रहा है। 50 फीसदी ही सब्जियां खरीदकर काम चला रहा है। ग्राहक राज कुमार ने बताया कि बारिश के दिनों में सब्जियों को चयन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। इन दिनों सब्जियों की श्रेणी भी कम होती है। सब्जियों का स्वाद भी घट जाता है। पिंकी यादव का कहना है कि मंडी में सब्जियों को रुप गला सड़ा देखकर खरीदने का मन तक नहीं करता। लेकिन मजबूरी वंश खरीदना होता है। बरसात के मौसम की सब्जियां फ्रीज में अधिक दिनों तक भी नहीं रख सकते। करेला जैसी सब्जियां फ्रीज में रखे होने पर भी पीली पड़ जाती है। सब्जियों की कीमतों उछाल

बारिश से सब्जियों की फसल खराब होने मंडी में आवक कम हो गई है। मंडी में आवक कम होने से कीमतों में भारी उछाल आने लगा है। जिसका असर दुकानदार के कारोबार पर भी पड़ रहा है। सब्जी बिक्रेता भागमल का कहना है कि बारिश से पहले वह एक दिन में 150 से 200 किलो सब्जी बेच देता था। लेकिन अब 100 किलो सब्जी एक दिन में नही बिक रही है। क्योकि कीमतें अधिक होने के कारण ग्राहक कम मात्रा में ही खरीद कर रहा है। लेखराज का कहना है कि बारिश के दिनों में सब्जियों की संख्या कम हो जाती है। चंद सब्जियां होने के कारण ग्राहक रोज-रोज उन्हे खरीद करने से बचता है।

सब्जियों की कीमतों में उछाल

सब्जी का नाम	पहले के भाव	अब के भाव
फूल गोबी	40	80
टमाटर	30	50
घीया	20	40
तोरई	40	60
पालक	20	40
आलू	20	40
अरबी	40	60
धनिया	40	80

वन टाइम रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के युवाओं के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना वन टाइम रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ाई गई है। युवाओं को चाहिए कि वे अपना रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अवश्य करें, सरकार द्वारा ग्रुप सी व डी की भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं को इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। योजना के तहत जनरल वर्ग को 500 रुपए व आरक्षित वर्ग को 250 रुपये शुल्क देकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। एक बार रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात इसकी वैधता तीन साल तक मान्य रहेगी।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने के साथ ही जटिल भर्ती प्रक्रिया व बार-बार भर्तियों के लिए फीस देने पर आर्थिक रूप से होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस

ग्रुप सी और डी के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

योजना की शुरुआत ने कर्मचारी चयन आयोग को भी काफी राहत देने का कार्य किया है। अब आयोग को एक ही उम्मीदवार के अलग-अलग भर्तियों के लिए किए गए आवेदनों की बार-बार जांच पड़ताल नहीं करनी होगी।

डॉ. गर्ग ने बताया कि वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना की सहायता से यह कार्य एक बार में ही हो जाएगा। इस योजना की शुरुआत से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता व योग्यता के मानदंड को अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक बार शुल्क देने के पश्चात उसकी वैधता तीन साल तक मान्य होगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से सरकारी नौकरियों के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन की आवेदन की तिथि 30 जून तक थी, जोकि अब इसे बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है। कोरोना काल के कारण यह समय आगे बढ़ाया गया था।

स्वस्थ और चुस्त दुरुस्त रहने के लिए अधिक प्रोटीन के सेवन की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शहरी लोग एनिमल प्रोटीन के स्रोत के रूप में पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स खा रहे हैं, फिर भी भारत में पॉल्ट्री मीट प्रोडक्ट्स का सेवन दुनिया में सबसे कम में से एक है। पॉल्ट्री के मामले में यह प्रति व्यक्ति 4 किलोग्राम से कम है, जबकि अन्य विकसित देशों में प्रति व्यक्ति सेवन 40 किलोग्राम तक है। इसलिये, हमारी डाइट में प्रोटीन जैसे अनिवार्य घटक को शामिल करने की जरूरत पर जागरूकता निर्मित करने के लिये हर साल 24 से 30 जुलाई तक प्रोटीन वीक मनाया जाता है।

व्यस्त लाइफस्टाइल, डेडलाइंस पर काम पूरा करने की मजबूरी और काम के अनियमित घंटों के कारण लोगों में पोषक-तत्वों का सेवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसलिये लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे डायबीटीज, हाइपरटेंशन, आदि बढ़ रही हैं और अब कुछ कठोर तथ्यों को जानने का समय आ गया है। इंडियन मार्केट रिसर्च ब्यूरो (आईएमआरबी) ने भारत के लोगों में प्रोटीन की कमी और प्रोटीन पर जागरूकता का पता लगाने के लिये एक नया सर्वे किया, जो बताता है कि शहरों में रहने वाले 73 फीसदी धनी लोगों में प्रोटीन की कमी है और उनमें से 93 फीसदी लोगों को यह जानकारी नहीं है कि उन्हें रोजाना कितने प्रोटीन की जरूरत है?

भोजन में चिकन, मुर्ग, बतख, अंडे शामिल करके रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाये, स्वस्थ रहें, रोगों से दूर रहें

व्यक्ति की डाइट में प्रोटीन को शामिल करने का महत्व विस्तार से समझाते हुए, प्रमुख न्यूट्रीशनिस्ट ऋतिका समद्दर ने कहा, ''प्रोटीन जिन्दगी की इमारत को बनाने वाली ईंट है और शरीर की हर कोशिका में मौजूद है। वृद्धि, विकास और बीमारियों से लड़ने के लिये प्रोटीन महत्वपूर्ण है। एक औसत भारतीय वयस्क के लिये प्रोटीन का आरडीए शरीर के प्रति किलोग्राम वजन के लिये 0.8 से 1.0 ग्राम तक होता है। इस प्रकार एक स्वस्थ वयस्क के लिये यह प्रतिदिन लगभग 50 से 60 ग्राम हो जाता है।

इस पर जागरूकता पैदा करने की जरूरत है कि हमारे स्वास्थय के लिये प्रोटीन का क्या महत्व है, उसका कितना सेवन करें और हमारी डाइट में प्रोटीन के स्रोत क्या हैं। भारत के लोग केकड़ा बहुत पसंद करते हैं। बतौर एक देश, हम जरूरत से ज्यादा स्टार्च और वसा का सेवन करते हैं, लेकिन प्रोटीन का पर्याप्त सेवन नहीं करते हैं और इसके कई कारण हैं। प्रोटीन के सेवन से जुड़े आम मिथकों पर समद्दर ने कहा, ''एक आम धारणा यह है कि ''प्रोटीन को पचाना कठिन होता है'', ''उससे वजन बढ़ता है'' और ''प्रोटीन केवल बॉडी बिल्डर्स के लिये है''। ऐसे में डाइट में पर्याप्त प्रोटीन्स् सुनिश्चित करना जरूरी है। प्रोटीन दो प्रकार का होता है; पूर्ण और अपूर्ण, जिसका पता अमीनो एसिड्स की बनावट से चलता है।

ईद-शिवरात्रि मिलन समारोह में पहुंचे डिप्टी सीएम

रिजवान कासिम। मेवात

गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग-248 नूंह से राजस्थान सीमा तक स्टेट हाईवे का दर्जा देते हुए इसका चौड़ीकरण किया जाएगा। इस पर तकरीबन 300 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। इसके अलावा पुनहाना-कोट तथा पुनहाना से शिकरावा मार्ग को नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर तकरीबन 100 करोड रुपये की राशि खर्च की जाएगी। उक्त वक्तव्य उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मेवात जिले के फिरोजपुर झिरका शहर में रामलीला मैदान में आयोजित ईद व शिवरात्रि मिलन समारोह को संबोधित करने के उपरांत कहे।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि फिरोजपुर झिरका के लोगों की कॉलेज की मांग लंबे समय से पेंडिंग चली आ रही है। इस साल के अंत तक इस कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा की रामलीला मैदान की चार दीवारी, गोशाला में उपकरण खरीदने एवं कम्युनिटी सेंटर बनाने के लिए 25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। जननायक जनता पार्टी नेता दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जब तक वह गठबंधन की सरकार का हिस्सा है, तब तक मेवात के विकास की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। उन्होंने मेवात के विकास को रुकने नहीं दिया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा की मेवात जिले के सभी सात खंडों में एमएसएमई सेक्टर बनाए जाएंगे, ताकि यहां के युवा अपने कौशल को वहां जाकर निखार सकें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मेवात जिले की डिमांड को देखते हुए यहां पर एक एमएसएमई का आईटी हब बनाया जाएगा ताकि यहां के शिक्षित युवा कंप्यूटर इत्यादि का प्रशिक्षण लेकर गुरुग्राम जैसे पड़ोसी जिलों में बीपीओ में आसानी से नौकरी हासिल कर सके।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा की हरियाणा में स्टाफ की कमी है, जल्दी ही कई भर्तियां की जा रही हैं। उसके बाद स्टाफ की कमी को दूर किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि मेवात के लोगों ने देश भर के लोगों को ईद व शिवरात्रि मिलन समारोह कर अमन व भाईचारे का संदेश दिया है और भाईचारा कायम रखते हुए ही प्रदेश व देश का तेजी से विकास किया जा सकता है। पिछले करीब 7 महीने से कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के बारे में पूछे जाने पर डिप्टी सीएम ने कहा कि अब आंदोलनों में किसानों के नाम पर कुछ लोग राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कुछ लोगों को रेल के फ्री पास दिए। इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस कहीं ना कहीं किसानों के इस आंदोलन को समर्थन कर रही है। डिप्टी सीएम ने इसके उपरांत अरावली पर्वत स्थित शिव मंदिर में जाकर दर्शन किए और वहां पर पूजा अर्चना करने के बाद कार्यक्रम के आयोजक पूर्व डिप्टी स्पीकर जजपा नेता आजाद मोहम्मद के आवास पर जलपान किया। कुल मिलाकर ईद व शिवरात्रि मिलन समारोह से मेवात के लोगों को जितनी बड़ी उम्मीद थी। उसमें कुछ खास कामयाबी नहीं मिली। जब दुष्यंत चौटाला से मेवात में विश्वविद्यालय, रेल इत्यादि के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि पहले कॉलेज का निर्माण पूरा हो जाए, उसके बाद ही यूनिवर्सिटी का नंबर आएगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मरोड़ा गांव में नगीना-पुन्हाना मार्ग पर कट देने की बात की गई तो उन्होंने कहा कि मेवात जिले के कई मार्गों के निर्माण पर तकरीबन 400 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा रही है। आपको बता दें कि खुद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस वे पर मरोड़ा गांव में कट देने का ऐलान बडकली चौक पर आयोजित हुई जनसभा के दौरान किया था, लेकिन उपमुख्यमंत्री बड़ी चतुराई से अपनी ही घोषणा पर कन्नी काट गए।

बरसात ने किया मजा किरकिरा

सावन के महीने के पहले दिन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जब रामलीला मैदान फिरोजपुर झिरका में भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उसी समय भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को इंद्र देवता ने तेज बरसात कर बड़ी राहत देने का काम किया, लेकिन अचानक आई तेज बारिश से रैली स्थल पर चारों तरफ से शोर-शराबा होने लगा। लोग बरसात से बचने के लिए इधर-उधर जाने लगे। जिससे रैली का मजा किरकिरा हो गया और दुष्यंत चौटाला ने अपने लंबे व लच्छेदार भाषणों को कम करते हुए चंद मिनटों में ही निपटा दिया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, पूर्व डिप्टी स्पीकर आजाद मोहम्मद, विधायक रामकरण काला, मोहसिन चौधरी प्रभारी, जिला अध्यक्ष तैयब हुसैन घासेडिया, बदरुद्दीन चेयरमैन, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विनेश गुर्जर, सूबे सिंह बौहरा, ऋषि राज राणा, नासिर हुसैन, राहुल जैन, समसुद्दीन गुमल, बृजलाल बंसल, अर्जुन देव चावला पूर्व नगरपालिका चेयरमैन, मनीष जैन, राजकुमार गर्ग, राजकुमार चुटानी, अशोक गुर्जर चेयरमैन नगरपालिका फिरोजपुर झिरका, शमशाद बेगम पंचायत समिति चेयरपर्सन फिरोजपुर झिरका, वसीम आजाद, सबीला जंग, खुर्शीद अहमद पूर्व पार्षद, दिलबाग रिठट, वसीम जाटका, जानू सरपंच, इसराइल पूर्व चेयरमैन बिलोंडा, जान मोहम्मद ठेकेदार, निशा सैनी, राजेश बंसल, ओपी शर्मा इत्यादि भाजपा जज्बा कार्यकर्तागण मौजूद थे।

प्लांट 70 लीटर प्रति मिनट बनाएगा आक्सीजन

जिला उपायुक्त ने तावडू कोविड केयर सेंटर में ऑक्सीजन प्लांट का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने के बाद जिला उपायुक्त व गणमान्य लोग।

नगर के सरकारी अस्पताल में कोविड मरीजों के बनाए गए कोविड केयर सेंटर में लगे ऑक्सीजन प्लांट शनिवार को जिला उपायुक्त ने उद्घाटन कर दिया। यह ऑक्सीजन प्लांट तावडू में कोविड के दौरान कम ऑक्सीजन के स्तर वाले मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।

उन्होंने बताया कि यह आक्सीजन प्लांट 70 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन बनाने की क्षमता रखता है। जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि बीती जून माह में लगभग 30 लाख रुपये की लागत व ओलम एग्रोटेक, पेड अप वेंचर्स व ई एंड एच फाउंडेशन, के सहयोग से यह ऑक्सीजन प्लांट तावडू सीएचसी परिसर में लगाया गया था, जिसकी शनिवार को यहां पर शुरूआत कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इससे तावडू उपमंडल के अंतर्गत कोविड मरीजों का उपचार करने में आसानी होगी। वहीं शहर व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने इसका स्वागत किया है। जिला उपायुक्त ने बताया कि ईएंडएच फाउंडेशन व फ्रेंड्स ऑफ पैडुप और ओलम एग्रोटेक के साथ मिलकर सीएचसी तावडू के लिए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र को दान किया है। जिसका उद्देश्य सामान्य आबादी के लिए कोविड व अन्य बीमारियों के लिए स्थानीय ऑक्सीजन आवश्यकताओं को पूरा करना है।शनिवार को सीएचसी परिसर में ऑक्सीजन प्लांट के शुभारंभ के दौरान पादुप वेंचर के निदेशक रजत जैन ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जहां हम समाज के लिए अपनी सेवा के रूप में अपना पहला ऑक्सीजन संयंत्र लागू कर रहे हैं।

इसमें ओलम एक अद्भुत भागीदार रहा है जो संयंत्र के लिए धन के साथ आया है,वहीं ई और एच फाउंडेशन द्वारा प्लांट को लगाने में मदद की गई है। बता दें कि जिला प्रशासन व कई संस्थाओं के सहयोग से तावडू के कोविड केयर सेंटर में बड़ी संख्या में दवाई और उपकरणों की मदद पहले ही पहुंचाई जा चुकी है। अस्पताल में 5 वेंटीलेटर ,एक दर्जन ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की सुविधाएं पहले से ही मौजूद है।

पशुपालन को ऋण पर अनुदान योजना शुरू: उपायुक्त

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा निरंतर कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार ने डेयरी ऋण पर अनुदान योजना को दोबारा शुरू किया है। इसके शुरू होने से अनुसूचित जाति ही नहीं अब सामान्य जाति के पशुपालक भी सरकार से 25 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन लेकर 4 से 10 पशुओं की डेयरी खोल सकते हैं।

उन्होंने बताया कि 10 पशुओं तक की डेयरी खोलने के लिए 25 प्रतिशत तक अनुदान पर ऋण मुहैया करवाने के लिए योजना भी शामिल थी। यह योजना 3 साल पहले बंद कर इसके स्थान पर ऋण के ब्याज में छूट देने की नई योजना शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को 20 या 50 पशुओं की बड़ी डेयरी खोलने के लिए प्रेरित करना था लेकिन बड़े स्तर पर डेयरी खोलना हर पशुपालक के लिए आसान नहीं है। इसके चलते 10 पशुओं तक डेयरी के लिए ऋण पर अनुदान देने की मांग ज्यादा उठने लगी। इसको ध्यान में रखते हुए सरकार ने इस योजना को 3 वर्ष बाद दोबारा शुरू कर दिया है। लेकिन इसमें संशोधन भी किया गया है।

ये है पात्रता

इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदनकर्ता को हरियाणा का मूल निवासी होना जरूरी है और उसकी आयु 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।

गुरुग्राम में बर्ड फ्लू का मामला सामने आने से प्रशासन सतर्क

पशुपालन विभाग के चिकित्सकों की निगरानी में पोल्ट्री फार्म का सर्वे शुरू

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

नूंह की सीमा से लगते गुरुग्राम में गत मंगलवार को 11 वर्षीय बच्चे की बर्ड फ्लू से मृत्यु होने पर जिला मेवात पशुपालन एवं डेयरी विभाग भी हरकत में आ गया है। विभाग द्वारा जिले के 18 चिकित्सकों की टीम प्रत्येक गांव में वह पोल्ट्री फार्म पर पहुंचकर सर्वे के कार्य में जुटी है।

उपनिदेशक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉक्टर नरेंद्र यादव ने बताया किस जिले में अभी तक इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है इसके बावजूद विभाग पूरी सतर्कता बरत रहा है। जिले में 18 चिकित्सकों की टीम गठित कर सभी पोल्ट्री फार्म व ऐसे सभी तालाबों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है जिनमें कई तरह के पक्षी मिलते हैं। साथ ही लोगों से अपील की जा रही है कि इस तरह का कोई भी मामला सामने आने पर तुरंत विभागीय अधिकारियों को सूचित करें। इसके अलावा समूचे जिले में मांस बिकने वाली दुकानों पर भी टीमें जांच कर रही हैं।

साथ ही उन्होंने कहा की अच्छी तरह से पकाए गए अंडे या चिकन खाने से कोई खतरा नहीं है। 70 डिग्री से अधिक तापमान पर यह वायरस स्वत ः नष्ट हो जाता है। बर्ड फ्लू प्रभावित क्षेत्र में नॉनवेज खाने से परहेज करें। मास्क पहनकर मुंह और नाक अच्छी तरह से ढकें। मनुष्य में बर्ड फ्लू के लक्षणों में धीरे-धीरे बुखार होना, नाक से खून निकलना, लगातार कफ या बलगम का बनना, सर में दर्द, नाक बहना, गले में सूजन और उल्टी दस्त के साथ मांसपेशियों में दर्द रहना मुख्य हैं। वहीं अगर पक्षियों की बात करें तो पक्षियों के नाक और आंख से पानी बहना,भूख कम लगना,पक्षी के पैरों में खून के थक्के दिखाई देना व पंखों का अधिक संख्या में गिरना मुख्य लक्षण हैं।

संस्कृति गरिमा मंच की बैठक सम्पंन

अम्बाला छावनी। संस्कृति गरिमा मंच की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आर्य समाज मन्दिर के प्रांगण में मंच-संरक्षिका विजय गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। नव सम्वत् के आगमन से ही गरिमा मंच के नव वर्ष का कार्यक्रम आरम्भ कर दिया जाता है। नव चयनित पदाधिकारी अपना-अपना उत्तरदायित्व संभाल लेते हैं। कोरोना के भय के कारण अभी तक सभी बैठकें वर्चयुअल ही करनी पड़ीं।

आज कार्यकारिणी की पहली बैठक प्रत्यक्ष रूप से हुई और संरक्षक विजय गुप्ता ने ओम जड़ित माला पहनाकर तथा पूर्व प्रधान मंजू नान्दरा ने मंच का सम्मान प्रतीक 'कालर ' पहनाकर विधिवत् रूप से संस्कृति गरिमा मंच की वर्तमान प्रधान डा. शशी धमीजा का अभिनन्दन किया ।अब डा. शशी धमीजा गतिविधियों में सक्रियता लाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही हैं । डा.शशी धमीजा ने गुरु पूर्णिमा का उद्गम ऋषि व्यास से बताते हुए बताया कि उनकी जन्म स्थली हरियाणा है , यहां अनेक ऋषि मुनि हुए और गीता ज्ञान भी यहीं दिया गया।

कोटला ग्राम पंचायत के लोगों ने बैठक कर लिया अहम फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह जिले के कोटला ग्राम पंचायत के लोगों ने बैठक कर निर्णय लिया कि गांव कोटला में पानी के झरने देखने कोई भी गांव या अन्य गांव का व्यक्ति जाएगा तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी।

हम आपको बता दें कोटला ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने यह बड़ा निर्णय इसलिए लिया है कि कोटला गांव में पानी नहीं होने के कारण औरतें वहां पानी लेने तथा कपड़े धोने जाती हैं वहां पर कुछ असामाजिक तत्व वह मोबाइल में जहां अश्लील गाने बजाते हैं वही उन औरतों पर भी अश्लील फब्तियां कसते हैं यहां तक उनकी फोटो या वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर रहे हैं। इतना ही नहीं ग्राम पंचायत के लोगों ने ग्राम पंचायत की सरपंच शाहिना मौजूदा सरपंच वह पूर्व सरपंच इब्राहिम शहीद अहमद फखरुद्दीन अमजद मोहम्मद हनीफ खां नंबरदार इत्यादि लोगों ने एक लिखित शिकायत आकेड़ा चौकी प्रभारी को देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

जब इस संबंध में एएसआई बलवीर चौकी इंचार्ज आंकेड़ा से बात हुई उन्होंने कहां है इंफॉर्मेशन मिल चुकी है जो भी वहां पर ऐसी हरकत करते पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में कोरोना से संक्रमण के 13 नए मामले आए

चंडीगढ़। हरियाणा में शनिवार को कोरोना वायरस से एक मरीज की मौत दर्ज की गई, जिसे मिलाकर राज्य में अबतक 9,617 लोगों की जान महामारी में जा चुकी है। वहीं, संक्रमण के 13 नए मामले आने से कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,69,717 हो गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के मुताबिक, कोविड-19 से पानीपत जिले में एक व्यक्ति की मौत होने की सूचना है। वहीं, गत 24 घंटे में सामने आए 13 मामलों में गुरुग्राम के छह, रोहतक और पलवल जिले के दो-दो मरीज शामिल हैं।

बुलेटिन के मुताबिक, हरियाणा के कुल 22 जिलों में से 16 जिलों में गत 24 घंटे के दौरान संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राज्य में इस समय 740 मरीज उपचाराधीन हैं, जबकि 7,59,360 मरीज अबतक संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। हरियाणा में कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की दर 98.65 प्रतिशत है।

केंद्रीय मंत्रीमंडल में महिलाओं को जगह देकर मोदी ने बढ़ाया महिलाओं का सम्मान : अंजूबाला

दीपक कुमार। नूंह

महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए काम कर रही है मोदी सरकार

भाजपा महिला मोर्चा नूंह की जिलाध्यक्ष अंजूबाला ने कहा केंद्रीय मंत्रीमंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 महिलाओं को जगह देकर समुचित देश की महिलाओं का गौरव बढ़ाने का काम किया है।

केंद्र की मोदी सरकार ने सशक्त महिला, समर्थ भारत को बल देने का काम किया है। उन्होंने कहा महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रदेश और केंद्र की सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पंचायत चुनावों में महिलाओं को उचित भागीदारी देने के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण देने का जो काम किया है उससे महिलाएं सशक्त और मजबूत होंगी। केंद्र और प्रदेश की सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में कई योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश के हर 15 किलोमीटर के दायरे में कालेज खोलने का ऐतिहासिक काम मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया है। महिलाओं को शिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए कल्याणकारी कदम उठा रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा केंद्र की मोदी सरकार ने 11 महिलाओं को केंद्रीय मंत्रीमंडल में जगह देकर महिलाओं का न केवल गौरव बढ़ाया है बल्कि उन्हें सशक्त भी बनाने का काम किया है।

उन्होंने बताया कि निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, रेणूका सिंह, मीनाक्षी लेखी, साध्वी निरंजन ज्योति, डा. भारती पवार, शोभा करंदलाजे, अन्नपूर्णा देवी, प्रतिभा भौमिक, दर्शना जर्दोश, अनुप्रिया सिंह पटेल को केंद्रीय मंत्रीमंडल में शामिल कर यह बता दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को मजबूत और सशक्त बनाने का काम किया है।

हरियाणा के नगर निगम और नगर पालिका कानून में पार्षद शब्द ही नहीं : हेमंत

अम्बाला शहर । हालांकि बीते कई वर्षों से हरियाणा में तीनो प्रकार की शहरी स्थानीय निकायों- नगर निगम/नगर परिषद/नगर पालिका की सीमा के अंतर्गत पड़ने वाले वार्डों से जीते प्रतिनिधियों को न केवल आम लोगों जनसाधारण द्वारा बल्कि सर्म्बंधित नगर निकाय के अधिकारियों/ कर्मियों द्वारा पार्षद या म्युनिसिपल कौंसलर (एमसी) के नाम से जाना और संबोधित किया जाता है परन्तु वास्तव में अर्थात कानूनन न तो मौजूदा हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 में, जो हरियाणा में सभी नगर निगमों पर लागू होता है और न ही हरियाणा म्युनिसिपल अधिनियम, 1973 , जो प्रदेश की नगर परिषदों और पालिकाओं पर लागू होता है, में पार्षद/म्युनिसिपल कौंसलर जैसे किसी शब्द का उल्लेख ही नहीं है बल्कि इसके स्थान पर 1994 नगर निगम कानून की धारा 2 (24) में सदस्य, नगर निगम जबकि 1973 नगरपालिका कानून की धारा 2 (14 ए) में सदस्य, नगर पालिका/परिषद का उल्लेख है.

इसी तरह हरियाणा नगर निगम निर्वाचन नियमावली, 1994 और हरियाणा नगर पालिका निर्वाचन नियमावली, 1978 जिसके अंतर्गत सभी नगर निकायों के चुनाव करवाए जाते हैं, में भी पार्षद/ म्युनिसिपल कौंसलर शब्द का उल्लेख नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

तावडू में बाइक चुराकर भाग रहे बदमाश को पब्लिक ने दबोचा

तावडू। शहर के वार्ड नंबर 11 से बाइक चुराकर भाग रहे एक बदमाश को पब्लिक ने दबोच लिया।इस दौरान बाइक चोर बदमाश की पब्लिक ने धुनाई कर दी।वहीं बाद में 112 नंबर पर सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया। तावडू शहर पुलिस ने आरोपी बदमाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सहजाद निवासी गुरनावट ने बताया कि शुक्रवार को वह अपनी अपाचे बाइक पर सवार होकर तावडू किसी काम से आया था। बाइक को वार्ड नं 11 में एक घर के सामने खड़ी कर वह दुकान मे अन्दर सामान खरीद रहा था। इस दौरान एक व्यक्ति उनके बाईक के पास आया और अपने हाथ में ली हुई चोर चाबी से बाईक का लोक तोड़कर बाईक को स्टार्ट करके भगा ले गया। उन्होंने पीछे पीछे भागकर चोर चोर चिल्लाकर शोर मचाया तो काफी दूर आगे पब्लिक ने बदमाश को पकड़ लिया वहीँ आम लोगों ने बदमाश के साथ मार पीट कर दी।वह भी मौके पर पहुंच गया, इस दौरान लोगों ने बाइक छीन कर भाग रहे बदमाश से पूछताछ की तो उन्होंने अपनी पहचान साहिल पुत्र मुबीन निवासी पढेनी बताई। इसके बाद 112 नंबर पर कॉल करने के थोड़ी देर बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पब्लिक द्वारा आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। जांच अधिकारी जय सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जिला में अब तक एक लाख 35 हजार लोगों का वैक्सीनेशन

नूंह। उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के कार्य में तेजी आई है। उन्होंने बताया लोग अब काफी संख्या अपनी बारी आने पर वैक्सीनेशन करा रहे है। उन्होंने बताया कि कोविड टीकाकरण के निमित्त जन आंदोलन चलाया जाएगा। जिला नूँह के सब सेंटर एरिया पर यह टीकाकरण किया जाना निश्चित हुआ है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में आज 18 वर्ष या उसके अधिक आयु के 1350 व्यक्तियों को तथा एक लाख 35 हजार 409 लोगों को अब तक वैक्सीनेशन हो चुका है। उन्होंने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के लिए पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं, %पंजीकरण हेतु लाभार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन अपने स्थान से भी निकटतम केंद्र पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं । टीकाकरण केंद्रों की जानकारी के लिए आप स्वास्थ्य विभाग,जिला नूँह के हेल्पलाइन नंबर- 7082626686 से भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अन्य दिनों में यह कोविड टीकाकरण जिले के छह स्वास्थ्य संस्थानों-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूंह, पुन्हाना, तावडू एवं फिरोजपुर झिरका, सिविल अस्पताल मांडीखेड़ा, नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में नियमित लगाया जा रहा है। सभी सरकारी स्थानों में यह टीकाकरण मुफ्त है।

जिले का रिकवरी रेट 97.57 प्रतिशत : उपायुक्त

नूंह। उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि जिले में लगातार कोरोना टैस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिला उपायुक्त ने बताया कुल 331 लोगों का सैंपल लिया गया था। जिसमें पिछले दिन की रिपोर्ट मिलाकर 451 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव पाए गए, इसके अलावा 295 रिपोर्ट्स का रिजल्ट आना अभी बाकी है और जिला उपायुक्त ने बताया कि पूरे जिले के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जिले में कोई कोरोना संक्रमित व्यक्ति नहीं मिला हैं। जिले के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जिले का रिकवरी रेट 97.57 फीसदी तक पहुंच चुका है। जबकि पॉजिटिविटी रेट 0.00 फीसदी है। वहीं मृत्यु दर की बात करें तो पूरे जिले की मृत्यु दर 02.39 फीसदी से है। जिले के अगर कुल आंकड़ों की बात करें तो अब तक लगभग 300349 के करीब कुल सैंपल लिए गए हैं जिनमें से 292140 सैंपल नेगेटिव रहे और 4577 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। इसके अलावा 2283 सैंपल का रिजल्ट आना अभी बाकी है। जिला उपायुक्त ने कहा है कि अधिक से अधिक लोग आगे बढकर अपना कोरोना टेस्ट कराए। अगर किसी कोरोना के मरीज को किसी प्रकार की किसी परेशनी आती है तो उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल या मेडिकल कालेज में भर्ती किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि कोरोना का खतरा अभी टला नही है इसलिए हम सभी को पूरी सावधानी बरतनी होगी। जैसे अपने हाथों को बार-बार सेनिटाईजर से साफ करे, मास्क का प्रयोग व एक-दूसरे से दो गज दूरी का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई गाईड लाईन का पूरा करें।

एथलेटिक प्रतियोगिताओं के प्रमाणपत्र का वितरण आज

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 9वीं हरियाणा स्टेट जूनियर अन्डर (20) एथलेटिक्स चैम्पियनशिप करनाल, 34वीं हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता करनाल, 35वीं हरियाणा स्टेट क्रास कंट्री चैम्पियनशिप यमुनानगर,11वीं हरियाणा स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप नरवाना जींद, 36वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप गोवाहटी आसाम, 55वीं नेशनल क्रास कंट्री चैम्पियनशिप चंडीगढ़, 18वीं फैडरेशन कप अन्डर (20) एथलेटिक्स चैम्पियनशिप भोपाल मध्यप्रदेश के विजेता प्रमाण पत्र और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रमाण पत्रों का वितरण कार्यक्रम सैक्टर 68 आई एम टी मच्छगर गाँव स्थित जिला एथलेटिक्स कार्यालय पर रविवार को शाम 6 बजे किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि अगर किसी कारणवश खिलाडी स्वयं प्रमाण पत्र लेने में असमर्थ है तो वह अपने अभिभावक या दूसरे जानकार खिलाडी के माध्यम से प्राप्त कर सकता है लेकिन इसके लिए भाग लेने वाले खिलाडी का कोई भी पहचान पत्र वितरण प्रमाण पत्र तकनीकी अधिकारी को दिखाना अनिवार्य होगा। सत्यवीर धनखड ने बताया कि एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान के दिशा निर्देश अनुसार जिले में प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे हैं। कोविड 19 में किसी भी खिलाडी को महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में दाखिला लेने में, सरकारी नौकरी के फार्म जमा करने जैसे जल सेना, थल सेना व वायु सेना में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े इसलिए प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया है।

किसानों के प्रदर्शन स्थल सिंघू बॉर्डर पर आग लगी

चंडीगढ़/नई दिल्ली। दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल पर शनिवार को आग लगने से तंबुओं को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना के में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। केंद्र के तीन विवादस्पद कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने बताया कि आग से दो तंबुओं को नुकसान पहुंचा है। किसान संगठन ने इसके साथ ही कहा कि इससे किसानों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। इस बीच, जम्हूरी किसान सभा के महासचिव कुलवंत सिंह ने कहा कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है लेकिन सामान को नुकसान पहुंचा है। प्रदर्शनकारी सुखबिंदर सिंह ने आशंका जताई है कि इस घटना को किसी ने जानबूझकर अंजाम दिया है। उन्होंने कहा, बारिश शाम करीब पांच बजे बंद हुई और पहले तंबू में आग लगने की घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे हुई। इसके बाद करीब 100 मीटर की दूरी पर दसूरे तंबू में भी आग लग गई। हमें आशंका है कि कोई यहां आया था और उसी ने यह सबकुछ किया। गौरतलब है कि केंद्र द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों को रद्द करने और कृषि उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गांरटी देने की मांग को लेकर किसान पिछले साल नवंबर से ही दिल्ली की सीमा पर डेरा डाले हुए हैं।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए
कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000।
पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

महामारी के साए में शिक्षा

महामारी के दौरान शिक्षा कई बदलावों से गुजरी है। हालांकि, उनकी स्थायीता पर सवाल अनुत्तरित है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर परिणाम के लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। प्रस्तुत है मुसबा हाशमी की रिपोर्ट।

पिछले साल मार्च में कुछ महीनों में खुलने की उम्मीद में स्कूलों के गेट बंद कर दिए गए थे, लेकिन वह महीना कभी नहीं आया। महामारी में 18 महीने से अधिक समय हो गया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि भौतिक कक्षाएं कब फिर से शुरू होंगी – हालांकि, यह इतिहास का हिस्सा नहीं बनेगी।

ऑनलाइन क्लास से लेकर नो बोर्ड्स तक, इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में कई अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले। क्या ये बेहतर के लिए थे एक सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

50:50 परिदृश्य

हालांकि, बोर्ड या स्कूल मूल्यांकन निर्णयों में लगातार आना-जाना शिक्षा क्षेत्र में कई दोष रेखाओं को उजागर करता है। शोर-शराबे के बीच छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। ''महामारी ने वास्तव में, शिक्षा क्षेत्र में दोष रेखाओं और मूलभूत दोषों को उजागर किया है जो पहले भी मौजूद थे। हमें इस अवसर का उपयोग न केवल महामारी के माध्यम से करने के लिए करना चाहिए, बल्कि अच्छी शिक्षा के ध्वनि वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर प्रणाली को खरोंच से सुधारने के लिए करना चाहिए'', कहना है, डॉ जमशेद भरूचा, संस्थापक कुलपति, साईं विश्वविद्यालय का। वह कहते हैं कि सीबीएसई बोर्डों पर 50-50 का फॉर्मूला संकट की परिस्थितियों में एक समझने योग्य निर्णय है, लेकिन इसे भविष्य के लिए प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देना चाहिए।

हालांकि, भरूचा कहते हैं, ''मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि 10वीं और 11वीं को समान महत्व क्यों दिया जाता है, क्योंकि छात्रों को 11वीं को कम महत्वपूर्ण के रूप में देखने की शर्त है।

छात्रों को 11वीं की परीक्षा को गंभीरता से नहीं लेने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जो कि सिस्टम द्वारा उन्हें एक सनकी संदेश दिया गया है।''

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के पदनामित कुलपति प्रोफेसर धीरज सांघी का मानना है कि छात्रों में चिंता और तनाव को कम करने के लिए एक अल्पकालिक उपाय के रूप में, यह एक स्वागत योग्य कदम है। लेकिन यह गुणवत्ता के मुद्दे को बिल्कुल भी संबोधित नहीं करता है।

दूसरी ओर, डॉ संजय गोविंद पाटिल, एसोसिएट डीन और निदेशक – आरआईसीएस स्कूल ऑफ बिल्ट एनवायरनमेंट, एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई का कहना है कि पाठ्यक्रम को तोड़ने में मदद करने के लिए यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। ''मैं इस कदम की पूरी तरह से पुष्टि करता हूं क्योंकि यह पूरे मूल्यांकन को छोटे भागों में तोड़ देगा; इसलिए, सीखना बहुत बेहतर होगा। पिछले भाग की परीक्षा में छात्रों की कमियों को अगली परीक्षा में एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से दूर किया जा सकता है, इस प्रकार एक बेहतर सीखने का परिणाम प्राप्त होता है'', पाटिल का मानना है।

व्यवस्था को पुन: ऊर्जावान बनाएं

भरूचा कहते हैं, उच्च-दांव परीक्षा, सीखने पर शोध में कोई अनुभवजन्य समर्थन नहीं है। सीखने की प्रवृत्ति क्षणिक होती है, सार्थक संदर्भ से रहित होती है, और उन समस्याओं के लिए अच्छी तरह से स्थानांतरित नहीं होती है जिन्हें छात्रों को पेशेवरों के रूप में हल करना होगा। अनुसंधान से पता चलता है कि, यदि बार-बार प्रशासित किया जाता है – प्रत्येक परीक्षा के बाद प्रतिक्रिया और अलग-अलग तरीकों से एक ही सामग्री के बार-बार परीक्षण के साथ – परीक्षा केवल मूल्यांकन के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए शक्तिशाली उपकरण हो सकती है।

''उच्च-दांव परीक्षाओं पर भरोसा करना जारी रखते हुए सिस्टम ने छात्रों को विफल कर दिया है। हाई स्कूल में आपने जो सीखा है उसका माप एक हाई स्कूल परीक्षा में एक अंक क्यों होना चाहिए? इसे यह क्यों निर्धारित करना चाहिए कि आप भविष्य में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? मस्तिष्क कैसे सीखता है, इस पर शोध पूरी तरह से सीखने और मूल्यांकन की इस प्रणाली के विपरीत हैं'', भरूचा कहते हैं।

वह कहते हैं कि इस बैच के लिए सीबीएसई बोर्ड के फैसले समझ में आते हैं, लेकिन वे बैंड-एड्स हैं; उन छात्रों को फिर से सक्रिय करने, सलाह देने और सशक्त बनाने के लिए सार्थक कदम उठाए जाने चाहिए जिनकी शिक्षा बाधित हो गई और जीवन भ्रम में पड़ गया। इनमें से अधिकांश छात्र, शायद, समायोजित हो जाएंगे और ठीक हो जाएंगे। लेकिन, कुछ संकीर्ण क्रीडेंशियल और करियर चैनलिंग की इस कठोर प्रणाली की दरार के बीच पड़ सकते हैं।

पोषित करने का समय

भरूचा कहते हैं, ''बोर्ड को एक समिति की स्थापना करनी चाहिए जिसमें हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो – छात्रों सहित – प्रतिकूल रूप से प्रभावित छात्रों की चिंताओं को सुनने और इन छात्रों को जीवन में वापस ट्रैक पर लाने के तरीकों का प्रस्ताव करने के लिए। एक राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर एक बच्चे के पास एक उत्पादक मार्ग हो।''

बोर्ड को हाई स्कूल स्तर पर एनईपी की सिफारिशों को लागू करने के लिए एक विविध ब्लू-रिबन समिति भी स्थापित करनी चाहिए। लक्ष्य छात्रों की अनूठी प्रतिभाओं और कमियों को सक्षम करना और उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए मौलिक संज्ञानात्मक उपकरण देना होना चाहिए। समाज को तब लाभ होता है जब सभी प्रतिभाओं को उजागर किया जाता है – अपनी सभी समस्याग्रस्त लेकिन शानदार विविधता में।

''छात्रों को धाराओं के बीच अपरिवर्तनीय विकल्प बनाने के लिए मजबूर करने का कोई अनुभवजन्य आधार नहीं है। एक छात्र को गणित और साहित्य, कंप्यूटर और संगीत, जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र से प्यार हो सकता है। यह विचारों का अप्रत्याशित संयोजन है जो भविष्य के नवाचारों को गति देगा – और निरंतर नवाचार ही अर्थव्यवस्थाओं को संचालित करता है। हम, शिक्षकों के रूप में, गहराई से गलत हैं यदि हम मानते हैं कि हम जानते हैं कि ज्ञान की कौन सी शाखाएं हमारे बच्चों के सर्वोत्तम हित में हैं।'' भरूचा कहते हैं।

सांघी का कहना है कि शिक्षा में गुणवत्ता की समस्या महामारी से बहुत पहले से ही जानी जाती थी। ''मुझे लगता है कि स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता की समस्याएं महामारी से बहुत पहले से जानी जाती थीं। एनुअल स्टेट ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) हमें बता रही है कि हमारे छात्र हमारे मानकों के साथ भी कितना खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। जहां तक अंतरराष्ट्रीय मानकों का सवाल है, हमने प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स असेसमेंट (पीआईएसए) में भी हिस्सा नहीं लिया है।''

> ''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं – महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा''
>
> – प्रो. धीरज सांघी, वीसी डेसिगनेट जेके लक्ष्मीपत यूनीवर्सिटी

प्रौद्योगिकी मिथक का भंडाफोड़

फिर भी, महामारी ने एक मिथक को उजागर कर दिया है कि तकनीक हमारी सभी समस्याओं का समाधान करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रौद्योगिकी मदद कर सकती है, लेकिन हमने महामारी के दौरान देखा है कि प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित है। इंटरनेट का उपयोग करने वाले या उच्चतम प्रति व्यक्ति डेटा खपत वाले मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या होने पर हमें गर्व हो सकता है, लेकिन यह सब विषम है, और गरीबों की अभी भी ऑनलाइन शिक्षा तक बहुत कम पहुंच है। अगर हम अपनी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहना चाहते हैं, तो हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे समाज के वंचित वर्गों को उपकरणों और डेटा दोनों तक कैसे पहुंच प्राप्त हो सकती है, और शायद ऐसी जगह जहां वे शांति से अध्ययन कर सकें, सांघी का कहना है।

ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मजबूर होना सीखने के निष्क्रिय रूपों की ज्ञात कमजोरी को उजागर करता है जिसमें शिक्षक बोलते हैं और छात्र सुनते हैं। छात्रों का ध्यान ऑनलाइन रखने के लिए शिक्षकों को ऑनलाइन सत्र को और अधिक इंटरैक्टिव बनाना पड़ा है।

''लेकिन सक्रिय और संवादात्मक शिक्षण भौतिक कक्षा में भी आदर्श होना चाहिए। भौतिक कक्षा में, एक छात्र शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकता है लेकिन मानसिक रूप से अनुपस्थित हो सकता है। केवल छात्रों को कक्षा में सक्रिय रूप से व्यस्त रखने (बोलने, समस्याओं को हल करने, सहयोग करने, निर्माण करने) से ही सार्थक और स्थायी सीखने को अनुकूलित किया जा सकता है। तो, आइए मौलिक सुधार के एजेंडे के साथ महामारी से बाहर निकलें जो एक अस्थायी संकट से अधिक है'', भरूचा कहते हैं।

महामारी के बाद की योजना

चूंकि हम उस तरह की महामारी के बीच हैं जो 100 वर्षों से दुनिया में नहीं हुई है, सांघी कहते हैं, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया होने जा रही है, और निर्णय बदल जाएंगे क्योंकि वायरस का प्रक्षेपवक्र बदल जाता है।

वो आगे बताते हैं, ''तो, भ्रम होगा, और इससे छात्रों में चिंता और तनाव पैदा होगा। हमें दो पहलुओं पर काम करने की जरूरत है। एक, क्या करें जबकि महामारी अभी भी एक खतरा है, और शिक्षा में व्यवधान देखना जारी रहेगा। और दूसरा, क्या करें जब महामारी का खतरा पर्याप्त रूप से फीका हो गया है, और हम कुछ सामान्य स्थिति में वापस आ गए हैं।''

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषज्ञों का मानना है कि हमें शिक्षा के कुछ अंशों को जारी रखना चाहिए, कम से कम जो इसके अधिक महत्वपूर्ण पहलू माने जाते हैं, इसलिए हमने पाठ्यक्रम, आसान परीक्षा, ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक प्रशिक्षण, गरीबों के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच को कम कर दिया है। और इसी तरह।

''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं – महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा'', सांघी का कहना है।

मूल्यांकन में लाएं ईमानदारी

विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूली शिक्षा के हर पहलू में कई मुद्दे हैं। और हमें संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया पर समग्र रूप से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, कुछ साधारण चीजें अल्पावधि में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकती हैं।

''एक विचार यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड की मार्कशीट पर छपे अंक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को दर्शाते हैं। और, मैं इस वर्ष की प्रक्रिया की बात नहीं कर रहा हूं, जहां आपको अपने प्रदर्शन के आधार पर कुछ पूरी तरह से अलग अंक दिए जाते हैं। पूर्व-कोविड समय में भी, सीबीएसई छात्रों द्वारा प्राप्त वास्तविक अंकों में बहुत सारे अंक जोड़ देगा। यह उन व्यावहारिक अंकों के बगल में है जहां पूरे देश को सही अंक मिलते हैं। और वह आसान पेपर और एक अत्यंत उदार ग्रेडिंग के शीर्ष पर है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि सीबीएसई की भारत में सर्वश्रेष्ठ स्कूल बोर्डों में से एक होने की प्रतिष्ठा है। अगर हम बोर्डों द्वारा मूल्यांकन में ईमानदारी ला सकते हैं, तो सिस्टम के भीतर बेहतर प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होगा'', सांघी कहते हैं।

वह कहते हैं कि बोर्ड ईमानदार नहीं हो सकते क्योंकि स्कूल बोर्डों के बीच दूसरों की तुलना में अधिक बेईमान होने की प्रतिस्पर्धा है – नीचे तक की दौड़। वे इसे इस आधार पर सही ठहराते हैं कि अगर एक बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उसके छात्रों को उन विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा जो केवल बारहवीं कक्षा के अंक देखते हैं। इसके अलावा, अगर एक राज्य बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उस राज्य में उत्तीर्ण प्रतिशत कम हो जाएगा, जिससे राजनीतिक मुद्दे पैदा होंगे। और स्पष्ट रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कोई राजनीतिक क्षेत्र नहीं है। गुणवत्ता के लिए भुगतान की जाने वाली केवल एक होंठ सेवा है।

अधिक बोर्डों की आवश्यकता

सांघी कहते हैं कि इन बदलावों की शुरुआत बड़ी संख्या में स्कूल बोर्ड होने से होनी चाहिए। ''शायद हर जिले में एक होना चाहिए। कुछ स्कूल बोर्ड हो सकते हैं जो राज्यव्यापी हैं और कुछ राष्ट्रीय हैं। 100 छोटे स्कूल बोर्ड होने से, कुछ बोर्डों के लिए गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयोग करना संभव होगा जो सफल हो सकते हैं, और अन्य इससे सीख सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत बोर्डों पर राजनीतिक दबाव कम होगा यदि वे सभी कम संख्या में छात्रों को प्रभावित करते हैं'', सांघी का कहना है।दूसरा, विभिन्न विषयों में कुछ मानकीकृत परीक्षण हो सकते हैं जो छात्रों के लिए वैकल्पिक होंगे। छात्र उन परीक्षाओं को तभी देंगे जब वे जिस विश्वविद्यालय की तलाश कर रहे हैं, वह इन परीक्षा अंकों को प्रवेश तय करने में एक इनपुट के रूप में मानता है। ''विश्वविद्यालयों को प्रवेश रणनीतियां विकसित करनी चाहिए जो कई मानकों पर विचार करती हैं (और लोकप्रिय धारणा के विपरीत, एक पूरी तरह से उद्देश्य प्रणाली होना संभव है जो कई मानकों पर विचार करता है)। यदि प्रवेश मानकीकृत परीक्षणों और छात्रों की अन्य उपलब्धियों पर आधारित हैं, तो हम छह महीने पहले प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। छात्रों को बोर्ड परीक्षा से पहले प्रवेश की पेशकश की जा सकती है, और फिर वे उन परीक्षाओं को तनाव मुक्त तरीके से देंगे'', सांघी कहते हैं।

भरूचा का मानना है, ''भविष्य में, मूल्यांकन के निरंतर तरीकों को अपनाया जाना चाहिए (द्वि-साप्ताहिक या मासिक)। अनुसंधान से पता चलता है कि बार-बार मूल्यांकन अंत में एकल मूल्यांकन की तुलना में अधिक स्थायी सीखने का उत्पादन करता है; यह आखिरी महामारी नहीं होगी, और न ही होगी यह आखिरी संकट है जो हमारे जीवन को बाधित करता है। सीखना और मूल्यांकन दोनों निरंतर होना चाहिए। किसी भी समय क्रॉस-सेक्शन में, छात्र, स्कूल और बोर्ड को पता होना चाहिए कि छात्र कहां खड़ा है।''

गुरु कृपा के बिना नहीं फलीभूत होती है कोई विद्या

गुरु पूर्णिमा पर्व पर वात्सल्य वाटिका में गुरुपूजा कर वक्ताओं ने कहा

प्रदेश के तमाम जिलों में गुरु पूर्णिमा पर हुए कई कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

वात्सल्य वाटिका प्राथमिक पाठशाला ब्रह्मा कॉलोनी में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व मनाया गया। वात्सल्य वाटिका कुरुक्षेत्र संस्थापक परम पूज्य स्वामी हरिओम दास ने कहा कि गुरु कुम्हार है और शिष्य घड़ा है, भीतर से हाथ का सहारा देकर बाहर से चोट मार मार कर और गढ़ गढ़ शिष्य की बुराई को निकालता हैं। गुरु कृपा के बिना कोई भी विद्या फलित नहीं होती, गुरु चरणों के आशीर्वाद से ही अर्जुन और एकलव्य जैसे शिष्यों का निर्माण संभव हो पाता है।

वात्सल्य वाटिका प्राथमिक पाठशाला कुरुक्षेत्र के प्रधानाचार्य गौरव चौधरी ने कहा कि जीवन के श्रेष्ठत्व जीवन के दैवत्व को बिना गुरु के मार्गदर्शन के कभी भी प्राप्त नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर मानवी सेतिया, पूनम सलूजा, शिवानी शर्मा, सोनिया अग्रवाल, विजयलक्ष्मी और रेणु यादव सेविका कर्मचारी मौजूद रहे। वही रंगमंच चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव वात्सल्य वाटिका में मनाया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने स्वामी हरिओम दास परिव्राजक के चरणों की पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, आदित्य, धारणा, विशु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

वात्सल्य वाटिका के संस्थापक स्वामी हरिओम दास को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

मनुष्य को जीवन में गुरु अवश्य बनाना चाहिए: नरेश मुनि

सोनीपत। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्षा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन तथा मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने परिजनों के साथ संतों का आशीर्वाद लिया। संतों के मंगल स्वास्थ्य की कामना की।

गन्नौर जैन स्थानक में जैन संत संघ नायक नरेश मुनि महाराज का प्रवचन श्रवण किया। जिसमें मुनि महाराज ने कहा कि गुरु बिना ज्ञान नहीं और ज्ञान बिना भगवान नहीं मिलते इसलिए जीवन में गुरु अवश्य बनाना चाहिए। जैन समाज के प्रधान शिखर चंद जैन ने अतिथियों का स्वागत किया।असवारपुर गांव में स्थित अनेकान्त दाम में दिगंबर जैन संत विशोक सागर महाराज के मंगल चातुर्मास स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण के बाद भजनों के माध्यम से गुरु की महिमा का वर्णन किया गया। विशोक सागर महाराज ने कहा कि जैन धर्म के संदेश कोरोना महामारी के काल में सबसे उपयोगी सिद्ध हुए हैं यह हमारे लिए गर्व की बात है कि ब्रिटेन की संसद में कोरोना संक्रमण खत्म करने के लिए णमोकार मंत्र का जाप किया गया। गांव ने अनायत में यज्ञ नायक हरि ओम महाराज तथा महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया और आयोजित यज्ञ में आहुति डालकर समाज में सुख शांति की कामना की। हरिओम महाराज ने कहा कि कोरोना संक्रमण को वायुमंडल से खत्म करने का एकमात्र उपाय हवन व धूमणी का आयोजन हैं।

दिवंगत कोरोना वारियर्स की शांति के लिए किया हवन

थानेसर। श्रीशिरडी साईं सेवा संघ द्वारा स्थापित साईं मंदिर में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में दिवंगत कोरोना वारियर्स की आत्मिक शान्ति के लिए हवन किया गया। हवन के मुख्य यजमान अध्यक्ष डॉ. विजय शर्मा व करुणा शर्मा रहे। शिरडी साईं मूर्ति को श्रद्धालुओं द्वारा दुग्ध स्नान करवाया गया। डा. विजय शर्मा ने गुरुपूजा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अनिल बजाज, सुरेश कुमार और बुल्लेशाह परिवार की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर पुजारी विजय दत्त तिवारी, मैनेजर केशव मिगलानी, सत्यप्रकाश, राजेश्वर ठाकुर, रमन बंसल, चंद्रभान, गगनदीप आशु, सुषमा, मधु ठाकुर, रेनू मिगलानी, धीरज मैहता, गौरव गर्ग, गगनदीप आशु, अनिल अरोड़ा सहित साईं भक्तों ने भाग लिया।

हवन यज्ञ में आहुति डालते यजमान।

मेरे सतगुरु होए दयाल, मेहरां हो गईयां...

कुरुक्षेत्र। श्रीलालद्वारा मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीलालद्वारा सेवक मंडल के सदस्यों ने बाबा लाल दयाल जी का पूजन किया। हवन में प्रधान केवल कृष्ण पाठक मुख्य यजमान रहे। सभी श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां दी। भक्ति प्रवचनों में पुजारी दीपक मिश्र ने गुरु महिमा पर प्रकाश डाला। प्रवचन से पूर्व कोरोना महामारी से बचाव को लेकर बाबा लाल दयाल जी से प्रार्थना की गई। सत्संग के दौरान महिला श्रद्धालुओं ने सतगुरु लाल दयाल के मधुर भजन सुनाए। इस मौके पर उप प्रधान अशोक भारद्वाज, महासचिव रमेश पाठक, सचिव वेद प्रकाश आनंद, कैशियर जगदीश भास्कर, जगदीश अरोड़ा, गुलशन बांबा, कुलदीप भास्कर, यशपाल दत्ता, ओम प्रकाश लालका, सतीश गुलाटी, राकेश शर्मा और आरके गुलाटी आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

श्रीमहाकाल सेवा समिति का हुआ गठन

थानेसर। जय श्री महाकाल सेवा समिति का गठन किया गया है। यह जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष दीपू पंडित ने बताया की समिति द्वारा समाज सेवा के कार्य किए जाएंगे, जिनमें समाज को उनके हितों के प्रति जागरूक करना व गरीब कन्याओं की शादियों से लेकर नवजात जन्मी बच्चियों के लिए सहयोग किया जाएगा। इस मौके पर समिति द्वारा विशेष बैठक बुलाई गई, जिसमें मोनू पंडित मंगोली, संजीव पांडे, रवि पंडित, हेमंत शर्मा, हरमीत सिंह, सूरजभान, प्रेम प्रकाश, रामचंद्र बारना, राहुल मथाना, राजेश पंडित, अमित बारना, अतुल बहल, रिंकू पंडित, अश्विनी शर्मा, मनीष पहलवान, राजेश लाला व विशेष रुप से समाजसेवी अशोक शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने समिति के गठन पर सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

359वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर हुआ आयोजित

कुरुक्षेत्र। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा 359वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत पुलिस निरीक्षक जगदीश चंद पहुंचे, जबकि बिजली विभाग के जेई राकेश कुमार की अध्यक्षता में शिविर संपन्न हुआ। समाजसेवी एवं रक्तदाता प्रशांत शर्मा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सूरजभान अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। रक्त कोष प्रभारी डॉ. रमा की अध्यक्षता में गुरजिंद्र कौर, अनुज, करनैल आदि ने रक्त संग्रह किया। शिविर में राकेश कुमार, कृष्ण कुमार, सुभाष, साहिल, मोहित, शमशेर सिंह, विक्रम मंडल, सुनील, सूरज भान, अजय, इंतजार खान आदि ने रक्तदान किया।

नकली ने असली किन्नर का किया अपहरण

रेवाड़ी। एक युवक ने नकली किन्नर बनकर अपने साथियों की मदद से बधाई मांगने के लिए नाच-गाना कर रहे एक असली किन्नर का अपहरण कर लिया। इधर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए २४ घंटे से पहले ही अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर अपहृत किन्नर को बरादम कर लिया है। गौरतलब है कि नैंसी गुरू रूखसार मंहत (किन्नर) गत दिवस अपनी किन्नर साथी दुर्गा कॉलोनी निवासी राधिका गुरू अन्नु महंत के साथ दोपहर के समय गांव लिसान में बधाई मांगने गई थी। उन्हें वहां से बधाई के रूप में 11 हजार रुपये मिले थे। इसके बाद वे एक अन्य व्यि1त रामभगत के घर बधाई के लिए नाच-गाना कर रहे थे कि इसी दौरान वहां एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी आकर रूकी, जिसमें से सिमरन नाम से नकली किन्नर बना गांव झाल निवासी जोगेंद्र, झोलरी निवासी खूबसूरत व गाड़ी चालक जिला दादरी के सांजरवास निवासी जोगेंद्र नीचे उतरे तथा रू2ासार को उठाकर गाड़ी में डालकर ले गए। अपहृत रू2ासार उर्फ नैंसी की साथी महंत राधिका उर्फ अन्नु ने इसकी शिकायत डहीना पुलिस चौकी में दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की तथा 24 घंटे से पहले ही आरोपियों सिमरन उर्फ जोगेंद्र, खूबसूरत पुत्र धर्मबीर तथा चालक जोगेंद्र पुत्र कृष्ण को गिरफ्तार कर रूखसार को बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जल की करोगे बरबादी तो जनता रह जाएगी प्यासी: डॉ टाया

कुरुक्षेत्र। जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग पुण्डरी से ब्लॉक रिसोर्स कोआर्डिनेटर डॉ सतविन्द्र टाया ने बताया कि पानी का व्यर्थ दोहन से भूमिगत जल स्तर लगातार तेजी से नीचे जा रहा है, जिस कारण इस मानसून के मौसम में भी इतनी बारिश के बावजूद भी वाटर लेवल तेजी से ऊपर नहीं आ रहा है, जोकि भविष्य में पीने के पानी के गंभीर संकट की ओर इशारा कर रहा है। वे निकटवर्ती गांव पूंडरी में हरियाणा आजीविका मिशन व जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग (वाशो) के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न गांव की महिलाओं की मीटिंग में बोल रहे थे। टाया ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम अगर लगातार जल का व्यर्थ दोहन करते रहे, तो वह दिन दूर नहीं कि हम पीने के पानी की एक-एक बूंद को तरसेंगे। हरियाणा आजीविका मिशन से ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्याम लाल ने सभी सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं को उनके समूह के अकाउंट की कैश बुक अपडेट करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर गांव बदनारा से आरती मन्नत ग्रुप, सिरसल से शीला चांद ग्रुप, फतेहपुर से सरोज, बरसाना से नीलम, पिलानी से सिमी ज्योति ग्रुप, करोड़ा से कविता जन्नत ग्रुप, पाई से पूनम व ट्योंठा से गीता मुख्य रूप से मोजूद रही।

कक्षा छठी में प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 अगस्त को

चंडीगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय, देवराला भिवानी में शैक्षणिक सत्र वर्ष 2021-22 हेतु कक्षा छठी में प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 अगस्त को किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य मोहिंद्र सिंह गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि नवोदय विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु छठी कक्षा में प्रवेश परीक्षा विद्यालय में होगी। उन्होंने कहा है कि सभी पंजीकृत अभ्यर्थी चयन परीक्षा की पुनः निर्धारित तिथि के प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं ।

गुरु पूर्णिमा पर जरूरतमंदों में बांटा राशन

रादौर। शनिवार को डेरा सच्चा सौदा की साध संगत ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक दिन का उपवास रखकर उपवास से बचा राशन जरूरतमंदों में वितरित कर उनकी मदद की। इस अवसर पर ब्लॉक रादौर व जठलाना के सेवादारों ने शनिवार को नाम चर्चा के दौरान 27 जरूरतमंद परिवारों को राशन देकर उनकी मदद की। इस अवसर पर ब्लॉक भंगीदास डॉ कर्मबीर इंसा ने बताया कि ब्लॉक की सभी साध संगत ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 24 घण्टे का व्रत रखा हैं, उससे जो राशन बचा वह गरीबों में बांटा गया।

वहीं उन्होंने कहा कि साध संगत मानवता की भलाई के लिए 135 कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेती हैं। जैसे रक्तदान, पौधारोपण, जरूरतमंदों को राशन देना, निर्धन परिवार की बेटी की शादी करवाना, मरणोपरांत आंखें दान करना व शरीर दान करना सहित 135 कार्य मानवता भलाई के किए जाते है। वहीं ब्लॉक रादौर से सेवादार प्रेमी धर्मेन्द्र इंसा ने कहा कि गुरु संत डॉ गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने मानवता भलाई के 135 कार्य चलाए गए है, जिनमे से एक कार्य ये भी हैं कि एक दिन का उपवास रखना व बचे राशन को जरूरतमंदों में वितरित करना। इसी के तहत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साध संगत द्वारा एक दिन का उपवास रखा गया हैं। बचा राशन 15 जरूरतमन्दों में बांटा गया हैं। इस अवसर पर मास्टर दर्शन लाल, हेमसिंह, कंवर भान, सुरेश, परमाल, मांगेराम, जसपाल, जयराम, कमलेश, उमा रानी आदि मौजूद रहे।

बाबा लाल दयाल की आरती करते श्रद्धालु।

पुरानी पेंशन को अविलंब लागू करें केंद्र और राज्य सरकारें: पीबीएसएस

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष देवराज बाल्यान व सोनीपत के जिला अध्यक्ष सोमदत्त ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा कि प्रदेश में पीबीएसएस (पेंशन बहाली संघर्ष समिति) कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन लागू करा कर ही दम लेगा। जिसके लिए संघर्ष समिति ने युद्ध स्तर पर कार्य कर कर्मचारियों को जागरुक किया।

जिसके फलस्वरूप कर्मचारियों को एनपीएस की खामियों का पता चला और अब उनमें इस नयी पेंशन व्यवस्था के प्रति भारी रोष है, जिससे वे हर हाल में पीछा छुड़ाना चाहते हैं। देवराज बाल्यान ने कहा की पीबीएसएस हरियाणा के अधिकांश बड़े नेताओं को पुरानी पेंशन बहाली के लिए ज्ञापन दे चुके हैं। मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर चुके हैं तथा मुख्यमंत्री के गृह जिले करनाल के अलावा पंचकुला और गोहाना में भी कर्मचारी रैली कर चुके हैं। जिला अध्यक्ष सोमदत्त ने कहा कि एनपीएस शेयर बाजार के अधीन है और जोखिमों से परिपूर्ण है। जिसमें पैसे या न्यूनतम पेंशन की कोई गारंटी नहीं या यूं कह सकते हैं इसमें कोई पेंशन नहीं है।

संघर्ष समिति के पदाधिकारी।

हाल ही में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन से ये निष्कर्ष निकला है कि इसमें जो कर्मचारी की मासिक कटौती होती है, वेतन के दस प्रतिशत की उससे ज्यादा पेंशन किसी की नहीं बनी है। अधिकांश सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन उनके आखिरी वेतन की आधी की बजाय मात्र 500 रुपये से लेकर 2500 रुपये तक बनी है जो कहीं न कहीं बुढापा पेंशन से भी कम है।

टोक्यो ओलम्पिक में मीराबाई चानू के रजत जीतने पर बांटे लड्डू

रादौर। पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी अमित काम्बोज व सेवा भारती के अध्यक्ष वेद काम्बोज के नेतृत्व में टोक्यो ओलम्पिक में मीराबाई चानू द्वारा रजत पदक जीतने पर लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई।

इस अवसर पर अमित काम्बोज ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी मीराबाई चानू ने भरोतोलन में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि भारत को 21 वर्ष बाद मिली है इस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। इस अवसर पर धनपत सैनी, वीरेंद्र सैनी, भगवद दयाल कटारिया, गुरचरण सिंह, विपिन काम्बोज, विकास रतनगढ़, अखिल बूबका उपस्थित थे।

शिविर में 270 लोगों को लगाई कोविशील्ड की डोज

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

रेडक्रास भवन कुरुक्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के सहयोग से नि:शुल्क टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला सिविल सर्जन डा. संत लाल वर्मा ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की। सीएमओ डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को अपना वैक्सीनेशन जरुर करवाना चाहिए। वैक्सीन लगवाने से किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है, वैक्सीन पूरी तरह सुरिक्षत है। कोरोना के प्रभाव को कम करने के लिए सभी को अपनी बारी आने पर वैक्सीनेशन जरूर करवाना चाहिए। शिविर के दौरान रेडक्रास सचिव रणदीप सिंह द्वारा भी कोविशील्ड की दूसरी डोज लगवाई गई।

इंटरनेशनल फेडरेशन रेडक्रास सोसाइटी की तरफ से विजय पात्रो ने रेडक्रास भवन का विजिट किया। रेडक्रास सचिव रणदीप सिंह ने कहा कि इस शिविर में 270 लोगों को कोविशील्ड की डोज लगाई गई।

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में चलाया गया पौधरोपण अभियान

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज की एनसीसी की 14वीं बटालियन की ओर से शनिवार को पौधरोपण अभियान चलाकर सभी को वातावरण हरा भरा रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर कॉलेज के एनसीसी प्रभारी डॉक्टर उमेश सिंह ने बताया कि पौधारोपण का उद्देश्य समाज में वन संरक्षण को बढ़ावा देना है। वृक्ष लगाने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि वे कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन का आदान-प्रदान करते हैं। पर्यावरण में जीवन जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत सभी को पड़ती है। पेड़ न केवल कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं, बल्कि वातावरण से कई अन्य हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं। जिससे वातावरण को ताजगी मिलती है। जब से दुनिया शुरू हुई है, तभी से इंसान और कुदरत के बीच गहरा रिश्ता रहा है।

पांच दिनों से नहीं मिला कोई कोरोना मरीज लेकिन सावधानी जरूरी

रेवाड़ी। पिछले पांच दिनों से जिले में कोरोना का कोई केस सामने नहीं आया है, जिसका अर्थ है कि जिला फिलहाल तक पूरी तरह कोरोना मुक्त हो चुका है, लेकिन सावधानी बरते जाने की अभी भी जरूरत है, 1योंकि खतरा अभी टला नहीं है। कोरोना देश से अभी गया नहीं है।

बता दें कि जिले में पिछले पांच दिनों से कोरोना संक्रमण का कोई भी केस सामने नहीं आया है, जबकि कोरोना संक्रमित रोगी रोजाना स्वस्थ हो रहे हैं। आज भी कोरोना के चार मरीज स्वस्थ हुए हैं। जिले में कोरोना रिकवरी रेट भी अब बढ़कर 98.70 हो गया है। इधर उपायुक्त यशेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर का प्रभाव कम हो रहा है। जिले के हालात दिनोंदिन सुधर रहे हैं। कोरोना के मामलों में जहां गिरावट आई है, वहीं संक्रमण से ठीक होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिले में अब केवल कोरोना संक्रमण के 10 मामले हैं, मरीजों को होम आइसोलेट किया हुआ है, लेकिन बावजूद इसके अभी खतरा टला नहीं है, इसलिए सावधानी बरतने की बेहद जरूरत है।

अंगदान में पिछड़ रही दिल्ली जागरुकता अभियान की जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एनसीआर में ऐसे हजारों लोग हैं, जो एक सामान्य एवं स्वस्थ जीवन के लिए किसी अंगदाता इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इनमें से बहुत कम ही भाग्यशाली लोग होते हैं, जिन्हें ऐसा कोई अंगदाता मिल पाता है। इसकी बड़ी वजह है कि अंगों की जरूरत बहुत ज्यादा है, जबकि अंगदाता बहुत कम हैं। कोविड-19 महामारी ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन-यूरोलॉजी, यूरो-ओंकोलॉजी रोबोटिक एंड किडनी ट्रांसप्लांट डॉ. अनंत कुमार ने कहा, 'महामारी के इस दौर में हमें अंग की जरूरत वालों और अंगदाताओं के बीच जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाना होगा।' उन्होंने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि 2015 के बाद से दिल्ली में अंगदान को लेकर कोई खास प्रगति नहीं हुई है। महामारी से स्थिति और बिगड़ी है। 2015 में दिल्ली में 1725 किडनी, 529 लिवर और 6 हार्ट ट्रांसप्लांट किए गए थे।

तब से इस संख्या में कमी ही आई है। महामारी से पहले यानी 2019 में दिल्ली में 1416 किडनी, 358 लिवर और 2 हार्ट ट्रांसप्लांट किए गए थे। डॉ. अनंत ने महामारी के इस दौर में भी नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (नोटो) और अस्पताल द्वारा तय किए गए सुरक्षा प्रविधानों का पालन करते हुए किडनी ट्रांसप्लांट किए हैं।

नोटो के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल से जून के बीच दिल्ली में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट के मामले क्रमश: 50 और 30 रहे हैं। साल की पहली तिमाही में लिवर ट्रांसप्लांट 100 से 120 और किडनी ट्रांसप्लांट की संख्या 250 रही थी। डॉ. कुमार ने उम्मीद जताते हुए कहा, 'महामारी के समय में भी अंगदान सुरक्षित है। सरकार ने सख्त प्रोटोकॉल तैयार किया है। ट्रांसप्लांट से मरीज का जीवन बेहतर होता है। वहीं डायलिसिस पर चल रहे मरीजों की स्थिति गंभीर होने और जान जाने का खतरा ज्यादा होता है।'

भारत के सबसे बड़े विट्रीफ़ाइड टाइल्स के प्लांट की स्थापना को सनहार्ट ग्रुप ने अजंता ओरेवा से मिलाया हाथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आज के समय में टाइल्स हर किसी की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया है। बात घर की हो, ऑफिस की हो या फिर किसी अन्य जगह की, टाइल्स के बगैर किसी भी जगह की कल्पना करना मुश्किल हो गया है। टाइल्स किसी निश्चित स्थान की इंटीरियर की खूबसूरती को और उसके प्रभाव को कई गुना बढ़ा देतीं हैं। उल्लेखनीय है कि ये उद्योग प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

सनशाइन टाइल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड भारत में एक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय कंपनी है जो कि अपना व्यवसाय सनहार्ट ब्रांड के नाम से संचालित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सनहार्ट ब्रांड भारतीय सिरामिक इंडस्ट्री का छठा सबसे युवा ब्रांड बन गया है। सनहार्ट ब्रांड के उत्पादों में आकर्षक विविधता है, जिन्हें पूरी तरह से भारत में ही तैयार किया जाता है। यह ब्रांड पूरी तरह से प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल की सोच को साकार करता है। पिछले लगातार 5 सालों से भारतीय सिरामिक कंपनी के रूप में सनहार्ट की गिनती भारत के सबसे बड़े निर्यातक के तौर पर होती है एवं थ्री स्टार एक्सपोर्ट हाउस का दर्जा प्राप्त करनेवाला यह पहला सिरामिक ब्रांड भी है। टाइल्स की गुणवत्ता और इनमें नवीनता की बदौलत ही सनहार्ट ब्रांड कंपनी ने कोरोना महामारी और आर्थिक मंदी के बावजूद पिछले साल के 639 करोड़ रुपये के टर्नओवर के लक्ष्य को प्राप्त किया।

सनहार्ट ग्रुप के चेयरमैन भुदरभाई ने बताया, ये हमारे लिए बेहद गर्व की बात है कि हम अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरने में सफल हुए हैं। इससे संबंधित हमारे फ़ैसले काफ़ी अहम रहे हैं। श्री जयसुखभाई भलोदिया के नेतृत्ववाली कंपनी अजंता ओरिवा ग्रुप के साथ हमारी ये साझेदारी मिल-जुलकर काम करने की अद्भुत शक्ति का प्रतीक है। गुजरात स्थित समखियाली में भव्य प्लांट की स्थापना के ज़रिए हम भारतीय टाइल्स उद्योग में इतिहास रचने की शुरुआत कर रहे हैं।

प्लांट से जुड़ी मुख्य बातें कुछ इस प्रकार हैं:

- सनशाइन विट्रीयस टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक अलग वैधानिक इकाई का निर्माण किया जाएगा, जो सनहार्ट ब्रांड के तहत अपने उत्पादों को बाज़ार में बेचेगा।
- यह प्लांट भारतीय सिरामिक इंडस्ट्री के इतिहास में विट्रीफ़ाइड टाइल्स के उत्पादन का सबसे बड़ा प्लांट होगा और यह प्लांट कुल 99 एकड़ जगह में फ़ैला होगा।
- इस प्लांट में प्रतिदिन 51,000 वर्गमीटर विट्रीफ़ाइड टाइल्स का उत्पादन किया जाएगा। इसके लिए प्लांट में नवीनतम एवम उच्च श्रेणी के मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा।
- समयबद्ध तरीके से इस प्लांट में तीन प्रोडक्शन लाइन्स की स्थापना की जाएगी। इनमें से पहली प्रोडक्शन लाइन आज से अगले 6 महीने में सुचारू हो जाएगी।

धरने-प्रदर्शन रहेंगे शांतिपूर्ण, तय स्थल से नहीं बढ़ेंगे आगे : किसान नेता

प्रशासन और संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों के बीच हुई बैठक में कहा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

भारतीय किसान यूनियन के संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में हुई मीटिंग में उपायुक्त ने कहा कि जिस तरह से किसानों को अपना आंदोलन करने का अधिकार है उसी तरह नेताओं को भी जन प्रतिनिधि होने के नाते जनता से मिलने, उनके बीच जाने और उनकी समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का अधिकार है। जहां प्रजातांत्रिक मूल्यों की बात है। इसे बनाए रखने के लिए किसी भी पक्ष को दूसरे के अधिकारों का हनन नहीं करना चाहिए। हर व्यक्ति को शांति से अपनी बात कहने व आने-जाने की इजाजत बनी रहनी चाहिए। मीटिंग में जिला पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया भी मौजूद थे।

किसान नेताओं से परिचय के बाद उपायुक्त ने बीते दिनों हिसार, सिरसा और टोहाना में किसानों के प्रदर्शन और वीआईपी दौरों के बीच हिंसात्मक घटनाओं का जिक्र करते कहा कि ऐसी घटनाएं उम्मीद से परे थी जो नहीं होनी चाहिए थी। फिर करनाल की बात की और कहा कि करनाल एक शांतिप्रिय लोगों का जिला है, चाहे वह किसान हों या दूसरे व्यक्ति। यहां हिंसा की कोई गुंजाईश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन व प्रदर्शन कर रहे हैं, अवश्य करें, सरकार भी इसकी इजाजत दे रही है। लेकिन कोई भी वीआईपी, नेता व मंत्री जब जनता के लिए मीटिंग करने आएं तो उसमें खलल डालने या न होने की बात करना गलत है, यह काबिले बर्दाश्त नहीं होगा। नेता जनता से चुनकर आते हैं, उनका हक है कि वे जनता के बीच जाएं। इसके लिए उन्हें रोकना सरासर गलत है। हालांकि उन्होंने कहा कि किसान भी शांतिप्रिय वर्ग है, कुछ शरारती लोग ही उपद्रव मचाकर माहौल बिगाड़ते हैं, जिस कारण प्रशासन व पुलिस को सख्ती करनी पड़ती है, जो उनकी ड्यूटी है। हर व्यक्ति अपनी-अपनी ड्यूटी से बंधा है। उन्होंने कहा कि आपकी लड़ाई कृषि कानूनों के खिलाफ है, व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं होनी चाहिए। वीआईपी जिद् में दौरे करते हैं ऐसा न समझें। पब्लिक में जाना उनका अधिकार है, वे उन्हीं के वोट से चुनकर आए हैं। काफी दिनों से चल रहे किसान आंदोलन को देखकर वह भी खुश नहीं हैं और यदि कोई नेता किसी तरह की ब्यानबाजी करता है तो उससे उसी का कैरियर खराब होता है।

मीटिंग में दोनों ओर से सौहार्द्रपूर्ण संवाद बना रहा, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की बातों को किसानों ने ध्यान से सुना और फिर भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य, संयुक्त किसान मोर्चा के मास्टर रामकुमार, जगदीप सिंह औलख, रामपाल चहल बीबीपुर जाटान और जिला प्रधान यशपाल राणा ने अपनी-अपनी बात कहीं।

उन्होंने कहा कि झगड़ा या हिंसा करना किसानों का काम नहीं, हम तो केवल संयुक्त मोर्चा के बड़े नेताओं के आदेशों का पालन करते हैं। जब तक हमारी नहीं सुनी जाति हमारा प्रदर्शन शांति से जारी रहेगा। अगर कोई गड़बड़ करता है या वीआईपी के दौरे में उपद्रव का कारण बनता है अथवा रास्ता रोकने की बात करता है तो हम उसकी स्पोर्ट नहीं करेंगे। ऐसे लोगों के खिलाफ प्रशासन सख्ती से कार्यवाही करे। कहा कि प्रशासन इनसे सख्ती से निपटे। इस पर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रशासन ने दोनों ओर के लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत किया है, आगे भी इसी तरह के प्रयास जारी रहेंगे। प्रशासन भी जनता के दुख-दर्द सुनने व उनका समाधान करने के लिए है।

कर्मचारियों पर मेहरबान हुई हरियाणा सरकार

एजेंसी। चंडीगढ़

महंगाई भत्ते की दर में बढ़ोतरी की घोषणा

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज भारत सरकार की तर्ज पर हरियाणा के कर्मचारियों और पैंशनरों के लिए महंगाई भत्ते की दर को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने की घोषणा की है।

महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2021 से लागू होगी।सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस बढ़े हुए महंगाई भत्ते में, 1 जनवरी, 2020, 1 जुलाई, 2020 और 1 जनवरी, 2021 से देय महंगाई दर भी शामिल है। प्रवक्ता ने बताया कि महंगाई दर में बढ़ोतरी से राज्य के लगभग 2.85 लाख सरकारी कर्मचारियों तथा 2.62 लाख पैंशनरों को लाभ होगा। इससे राज्य सरकार के खजाने पर प्रति माह लगभग 210 करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ेगा ।

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने वेटलिफ्टर मीराबाई चानू को पदक जीतने पर दी बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने आज टोक्यो ओलंपिक में भारत को ओपनिंग-डे पर पहला पदक दिलाने पर वेटलिफ्टर मीराबाई चानू को बधाई दी है। श्री विज ने आज ट्वीट करके कहा कि टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू को भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने के लिए बधाइ। श्री विज ने उम्मीद जताई है कि इसी प्रकार टोक्यो ओलंपिक में भारत के खिलाड़ी अपना परचम लहराएंगे और दुनिया में देश का नाम ऊंचा करेंगे। गौरतलब है कि भारतीय महिला स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में पदक अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

हर घर तक पीने का स्वच्छ पानी पहुंचे : राज्यमंत्री धानक

चंडीगढ़। हरियाणा के पुरातत्व-संग्रहालय एवं श्रम-रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर खेत में नहरी पानी पहुंचे और हर घर तक पीने का स्वच्छ पानी पहुंचे। इसके लिए सरकार द्वारा हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह बात आज जिला हिसार स्थित आवास पर विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनते हुए कही। उन्होंने बताया कि उकलाना ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले 14 और गांवों में नए वाटर टैंक बनाने, पुराने वाटर टैंकों की मरम्मत करने तथा नई पाइप लाइन बिछाने आदि के कार्यों पर लगभग 21 करोड़ 15 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। इन कार्यों के लिए सरकार की ओर से प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। अनूप धानक ने कहा कि हर घर तक पीने का स्वच्छ पानी पहुंचेगा और गांव के लोगों की पीने के पानी की समस्या का पूर्ण समाधान किया जाएगा। इससे पहले अग्रोहा ब्लॉक और बरवाला ब्लॉक के गांवों में पेयजल हर घर तक उपलब्ध करवाने के लिए करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी।राज्य मंत्री ने कहा कि जल्द ही इन गांवों में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ये कार्य शुरू करवा दिए जाएंगे। उन्होंने विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चल करें समाजोत्थान : मंत्री

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि हम सभी को गुरुओं का आशीर्वाद लेना चाहिए। गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चल कर हम समाज के उत्थान में अपना अहम योगदान दे सकते हैं । सहकारिता मंत्री ने आज जिला पंचकूला के पिंजौर में स्थित गुरु रविदास जी महाराज के मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माथा टेकने के उपरांत कहा कि आज गुरु पूर्णिमा का पवित्र दिन है और वे आज यहां गुरु रविदास जी महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा महापुरूषों और गुरुओं के नाम से समारोह व कार्यक्रम आयोजित करवाये जाते हैं ताकि लोग ऐसे महापुरूषों की शिक्षाओं से सीख ले सकें और आने वाली पीढ़ियां इन महापुरूषों की शिक्षाओं को अपने जीवन मे अपनाकर आगे बढ़ सकें । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की नेतृत्व वाली वर्तमान हरियाणा सरकार ने हर वर्ग का विकास व उत्थान तथा कल्याण करने के लिए व्यवस्थाओं में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम किया है जिसके तहत अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए विभिन्न नीतियों व योजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने चार महापुरूषों संत शिरोमणि गुरू रविदास जी, संत कबीरदास जी, महर्षि बाल्मीकि जी तथा डा0 बी0आर0 अम्बेडकर जयंती पर प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया हुआ है। उन्होंने गुरु रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि मध्ययुगीन साधकों में संत रविदास जी का विशिष्ट स्थान है जिनको बाद में संत शिरोमणि की उपाधि से नवाजा गया। वहीं, उनकी प्रतिष्ठा को देखते हुए बहुत से राजा-महाराजा उनके शिष्य बन गए। गुरू रविदास जी कबीर की तरह ही उच्च कोटि के प्रमुख संत कवियों में विशिष्ट स्थान रखते हैं और स्वयं कबीरदास जी ने संतन में रविदास कहकर इन्हें मान्यता भी दी है

19 अगस्त से होंगी डीएल. एड की परीक्षाएं

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की परीक्षा 18 अगस्त से एवं डीएल.एड की परीक्षाएं 19 अगस्त, 2021 से होंगी। यह जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष प्रो.जगबीर सिंह ने बताया कि सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी(शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) की एक विषय में कम्पार्टमेंट, आंशिक अंक सुधार, पूर्ण विषय अंक सुधार व अतिरिक्त विषय की एक दिवसीय परीक्षा 18 अगस्त, 2021 को होगी। उन्होंने बताया कि एक विषय से अधिक विषयों की परीक्षाएं 19 अगस्त से शुरू होकर 01 सितम्बर, 2021 तक होंगी। इन परीक्षाओं का तिथि-पत्र बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा का समय दोपहर 02:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि इसी प्रकार डीएल.एड परीक्षाएं 19 अगस्त से आरम्भ होकर 28 अगस्त, 2021 तक दो सत्र में करवाई जाएगी। इन परीक्षाओं के आरम्भ होने का समय प्रात: 09:30 बजे तथा सायंकाल में 02:00 बजे से रहेगा। तिथि-पत्र बोर्ड की अधिकारिक वेबसाईट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सभी परीक्षार्थियों को सूचित किया जा रहा है कि वे सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए परीक्षा केन्द्र पर सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए मास्क लगाना सुनिश्चित करें। परीक्षाथिज़्यों को अपने साथ पारदर्शी हैड सैनेटाइजर एवं स्वयं के पीने का पानी की बोतल साथ लेकर आना होगा।

हरियाणा:दो क्विंटल पांच किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद

चंडीगढ। हरियाणा पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करी पर नकेल कसते हुए महेंद्रगढ़ जिले में एक वाहन से 205 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया है।

हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम को गश्त के समय गुप्त सूचना मिली कि फ्लाई ओवर रिवासा पर एक गाड़ी लावारिस हालत में खड़ी है, जिसके अंदर मादक पदार्थ होने का अंदेशा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने बताए स्थान पर जाकर लावारिस गाड़ी की चैकिंग करने पर प्लास्टिक के 13 कट्टे बरामद किए, जिनसे करीब 2 क्विंटल 5 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि गिरफ्तारी के डर से मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल लोग नशे से लोड वाहन को छोड़कर भाग गए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ थाना शहर महेंद्रगढ़ में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। इस बीच एक अन्य मामले में पुलिस ने पानीपत जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 34 किलो गांजा पत्ती बरामद की है।

प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को बिना एसएलसी के सरकारी में दाखिला पड़ेगा महंगा: डा. वरुण जैन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला देने वाले प्रिंसीपल को महंगा पड़ सकता है। इसके लिए नीसा ने ऐसे सरकारी स्कूल के प्रिंसीपल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कदम उठा लिया है।

नीसा के स्टेट महासचिव डा. वरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकारी स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को असंवैधानिक तरीके से अपने स्कूलों में दाखिला दिया। सरकार ने जो पत्र जारी किया था, उसका गलत प्रयोग किया गया। हालांकि इस पत्र पर स्टे भी हो गया था। स्टे होने के बावजूद भी सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल बिना विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र लिये बिना ही दाखिला दे दिए। वरुण जैन ने कहा कि प्राइवेट स्कूल वैल्फेयर एसोसिएशन ने कोर्ट की अवमानना का केस भी दायर किया है। इसमें कोर्ट ने एसीएस और अन्य को नोटिस जारी किया है। जिसकी सुनवाई 31 जुलाई को है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा ने अवमानना याचिका दाखिल की

जिन भी प्रिंसिपल्स ने नियमों को ताक पर रखकर प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के सरकारी स्कूल में दाखिले किए हैं उनको भविष्य में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उनके खिलाफ प्राइवेट स्कूल वैलफेयर एसोसिएशन कानूनी कार्रवाई करेगी। नीसा के राज्य महासचिव डा. वरुण जैन ने कहा कि निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) की बाध्यता को समाप्त करने के हरियाणा सरकार के 10 मार्च के आदेश पर रोक के बावजूद बिना एसएलसी के प्रवेश जारी रखने पर अवमानना याचिका दाखिल की गई है। याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अब हरियाणा सरकार के एसीएस स्कूल महावीर सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

2592 अपात्र किसानों ने हड़पे पीएम किसान सम्मान निधि के करोड़ों रुपये

विभाग ने वसूली के थमाए नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

अब गलत तरीके से पीएम किसान सम्मान निधि से करोड़ों रुपये हड़पने वाले किसानों पर केंद्र सरकार सख्त हो चुकी हैं, जिन किसानों ने योजना के तहत गलत तरीके से पैसे लिए हैं, उन्हें वापस लौटाने होंगे। कृषि विभाग द्वारा बाकायदा फर्जी तरीके से पीएम किसान सम्मान निधि से पैसे लेने वाले किसानों को नोटिस भेजे जा रहे हैं, अगर करनाल जिले की बात करे को करीब 2592 किसानों को रिकवरी के लिए नोटिस भेजे गए हैं।

इन किसानों ने योजना में गलत तरीके से अयोज्य होने के बाद भी अप्लाई कर करीब 2.34 करोड़ रुपए ले लिए। हालांकि 50 ऐसे किसान भी है, जो योजना के तहत ली गई राशि का भुगतान विभाग को कर चुके हैं। हालांकि विभाग के अधिकारियों ने ये नहीं बताया कि किसान कब तक पीएम सम्मान निधि के तहत लिए गए पैसे को वापस कर सकते है। काबिलेगौर है कि पीएम किसान सम्मान निधि के तहत केंद्र सरकार सालाना 6 हजार रुपए तीन किश्तों में सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किए जाते हैं।

कृषि विभाग करनाल का बाहरी

ऐसे किया जाता है फर्जीवाड़ा

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अपात्र लोग फर्जी दस्तावेज या स्थानीय स्तर के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके ओर आय छुपाकर पात्र किसान होने का ढोंग कर योजना में शामिल हो जाते हैं। अब जब कि केंद्र सरकार द्वारा निगरानी तंत्र लगाकर अपात्र लोगों को योजना से बाहर किया है। उनके द्वारा गलत तरीके से लिए गए पैसे की वसूली पर जोर दिया जा रहा है।

ये किसान नहीं ले सकते योजना का लाभ

कोई व्यक्ति खेत का मालिक हो ओर उसे दस हजार से अधिक पेंशन हर माह मिलती हो। प्रोफेशनल रजिस्टर्ड डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टड अकाउंट या इनके परिवार के लोग। मौजूदा या पूर्व सांसद, विधायक, मंत्री उन्हें पीएम किसान योजना का लाभ नहीं मिलता। अगर परिवार में कोई टैक्सपेयर है तो इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। कई किसान दूसरों के खेतों पर किसानी करते हैं, लेकिन खेत के मालिक नहीं होते। जो लोग खेती की जमीन का इस्तेमाल कृषि कार्य की जगह दूसरे कामों में कर रहे है। खेत किसान के नाम नहीं है तो योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा कोई खेती की जमीन का मालिक है, लेकिन वह सरकारी कर्मचारी या रिटायर हो चुका हो। खेत उसके पिता या दादा के नाम हो तब भी योजना का लाभ नहीं उठा सकता।

समाज सेवी अभिषेक मेहता ने किया पौधरोपण

कैथल। राजकीय प्राथमिक पाठशाला सोथा रोड सीवन में आज पौधा रोपण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से समाज सेवी अभिषेक मेहता भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त स्कूल स्टाफ में से श्याम लाल, मीना रानी, सुमन पांचाल, सुनीता रानी, सत्या रानी व अन्य सदस्यों ने भाग लिया। अपने वक्तव्य में मुख्यातिथि अभिषेक मेहता ने कहा कि पेड पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। इनसे हमें आक्सीजन तो मिलती ही है, साथ में पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। हरियाली से जहां चारों तरफ खुशियों का माहौल व्याप्त होता है वहीं मन भी प्रफुलित रहता है।

उपसमिति ने किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

उपभोक्ता संरक्षण एवं सूचना का अधिकार उपसमिति की हुई बैठक में दी जानकारी

सिटीजंस ग्रीवेंसीज कमेटी की उपभोक्ता संरक्षण एवं सूचना का अधिकार उपसमिति की बैठक अध्यक्ष संजय बतरा के नेतृत्व में मानव सेवा संघ में हुई। इस बैठक में चैयरमैन एडवोकेट लाजपत राय चूचड़ा एवं सभी उपसमितियों के अध्यक्ष एवं सचिव अपने महत्वपूर्ण सुझाव और मार्गदर्शन देने के लिए विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में वाइस चेयरमैन ओपी सचदेवा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके पश्चात अध्यक्ष संजय बतरा ने सभी सदस्यों को उपसमिति द्वारा विगत करोना काल में किए गए कार्यों बारे विस्तार से बताया और उपसमिति द्वारा आगामी समय में क्या-क्या कार्य किए जाएं, बारे सुझाव मांगे। जिस पर लॉ एंड आर्डर उपसमिति के अध्यक्ष विपिन शर्मा द्वारा बताया गया कि उपभोक्ता संरक्षण एवं सूचना का अधिकार उपसमिति सभी उपसमितियों के साथ जुड़ी हुई है अत: इस उपसमिति को अन्य उपसमितियों के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई उपभोक्ताओं जिनके मीटर बदले गए हैं उन में से कईयों के बिल विभाग ने लाखों रुपये के भेज दिए हैं। उपसमिति विद्युत एवं टेलीफोन उपसमिति के साथ मिलकर विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को राहत दिलवाए। एक अन्य सुझाव में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शहर में बहुत सारे विकास के कार्य किए जा रहे हैं परंतु देखने में आ रहा है कि इनमें से अधिकतर में संबंधित विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण साइट पर घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है, जिस पर उपसमिति को कार्य करना चाहिए। अध्यक्ष संजय बतरा ने एक अन्य सुझाव के जवाब में बताया कि देखने में आया है कि अधिकतर दवाइयों पर मूल्य बहुत अधिक प्रिंट किया हुआ है। केमिस्ट मनमाने तरीके से पैसे वसूल रहे हैं बारे संबंधित अधिकारियों और विशेषकर मंत्रालय से भी पत्राचार किया जाएगा। एडवाइजर प्रो. एस एस ब्रगोटा ने पट्रोल पंपों पर बरती जा रही अनियमितता बारे बताया। कहा कि उपसमिति जो व्यापारिक संस्थान उपभोक्ताओं को अच्छी क्वालिटी और सुविधा प्रदान कर रहे हैं उन्हें प्रोत्साहित और सम्मानित भी करे। संरक्षक प्रमोद गुप्ता ने बताया कि सिटीजंस ग्रिवैंसिज कमेटी लोक हित में प्रशासन और लोगों के बीच में कड़ी का कार्य कर रही है और सभी उपसमितियों को लोगों के हितों की रक्षा के लिए कहीं भी हो रही अनियमितताओं को उजागर करते रहना चाहिए।

समाज के जनप्रतिनिधियों को आत्ममंथन करना चाहिए : संजय

सेक्टर 14 में बैठक को संबोधित करते संजय सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

वैश्य समाज सत्ता में भागीदारी के संकल्प के साथ एक बार फिर संगठित एवं सुनियोजित तरीके से निकाय चुनाव में भागीदारी करने जा रहा है। अग्रवाल वैश्य समाज आगामी निकाय चुनाव में जिताऊ उम्मीदवारों का चयन कर सर्वसम्मति से उनकी जीत का रास्ता साफ करेगा।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने सेक्टर-14 स्थित अग्रसेन भवन में समाज की लोकसभा स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष संजय सिंगला की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में उपस्थित वैश्यजनों को एकता का पाठ पढ़ाते हुए प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज प्रदेश का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। जिसका उद्देश्य वैश्य समाज को संगठित कर राजनीति में समुचित भागीदारी करना है। बुवानीवाला ने कहा कि गठन के समय से ही अग्रवाल वैश्य समाज ने अपना एजेंडा साफ कर दिया था। संगठन अपने संकल्प से एक कदम भी पीछे हटने वाला नहीं है। इस मौके पर बुवानीवाला ने आंकड़ें रखते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी से वैश्य समाज के 8 विधायक है और जनसंख्या के अनुपात में भी प्रदेश में वैश्य समाज 8.5 प्रतिशत है।

भाकियू प्रदेशाध्यक्ष गुणी प्रकाश के खिलाफ गरजे सिख, किया प्रदर्शन

कवलजीत सिंह अजराना के नेतृत्व में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सिख कौम पर अभद्र टिप्पणी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: अजराना

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

भारतीय किसान यूनियन हरियाणा (मान) के प्रदेशाध्यक्ष गुणी प्रकाश और उसके साथियों द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी पर सिखों में रोष पनप रहा है। रोष स्वरूप सिख संगत ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में एकत्रित हुई और सिख परिवार हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कवलजीत सिंह अजराना के नेतृत्व में रोष प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंची और डीडीपीओ प्रताप सिंह को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके बाद सिख संगत पुलिस अधीक्षक

कार्यालय पहुंची और वहां पर नारेबाजी के बाद डीएसपी सुभाष चंद को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष शरणजीत सिंह सोथा, प्रधान महासचिव सुखबीर सिंह मांडी, कोर कमेटी के मंबर अमरजीत सिंह मोहड़ी, हरकेश सिंह मोहड़ी, धर्म प्रचारी कमेटी के मेंबर तजिंदर पाल सिंह लाडवा, गुरमीत सिंह पूनिया, गुरमीत सिंह बुट्टर, एसजीपीसी सब आफिस अतिरिक्त सचिव डा. परमजीत सिंह सरोहा, एसजीपीसी सब ऑफिस प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा, सिख मिशन हरियाणा के सहायक प्रभारी जसबीर सिंह लौंगोवाल सहित भारी तदाद में संगत मौजूद रही।

कवलजीत सिंह अजराना ने जिला प्रशासन और हरियाणा सरकार को चेताया कि सिख कौम पर अभद्र टिप्पणी करना और सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने, भड़काने और सामाजिक माहौल खराब करने संबंधी है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन हरियाणा (मान) के प्रदेशाध्यक्ष गुणी प्रकाश व प्रवीण मथाना और उनके साथियों द्वारा सिखों पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला पहला नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब इन मामलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अजराना ने सिख संगत की ओर से कहा कि 28 जुलाई तक का अल्टीमेटम देते हुए बताया कि यदि गुणी प्रकाश, प्रवीण मथाना व उसके साथियों पर मामला दर्ज कर उन्हें गिरफतार नहीं किया गया, तो सिख संगत द्वारा महापंचायत करके आंदोलन का बिगुल बजाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सिखों पर कोई भी मुसीबत आने पर एकत्रित होकर अपने अधिकार की लड़ाई लड़ने का भी आह्वान किया। अजराना ने कहा कि भाकियू (मान) के प्रदेशाध्यक्ष गुणी प्रकाश 22 जुलाई को लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र में एक मांग पत्र देने के लिए आए थे, जहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सिख समाज के खिलाफ धमकी भरे शब्दों और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो सिख संगत में रोष फैल गया।

सुकवि-संवाद

सुकवि डॉ.एस.एन.भारद्वाज 'अश्क'
कवि, लेखक एवं वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार
विश्व भारती शिक्षण संस्थान समूह,
बल्लभगढ़, फरीदाबाद M: 9871666627

पहली बारिश

कलियों के खिलते ही, भँवरे दीवाने बन जाते हैं,
अरमानों से भरे हुए, दिल पैमाने बन जाते हैं,
बूँदों से संगीत बहे, लफ़्ज़ों से अच्छी ख़ामोशी,
पहली बारिश में, आँखों से अफ़साने बन जाते हैं।

एनसीएलटी को अपीलीय अधिकरण घोषित न करने संबंधी जनहित याचिका खारिज

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें यह घोषित करने का अनुरोध किया गया था कि राष्ट्रीय कंपनी कानून प्राधिकरण (एनसीएलटी) शीर्ष अदालत के फैसलों के संबंध में अपीलीय अधिकरण के रूप में कार्य नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि याचिका साफ तौर पर विचारणीय नहीं है और अनुच्छेद 32 के तहत इसपर विचार करने की कोई वजह नहीं है।

पीठ ने कहा, न्यायिक निर्णय लेने वाले अधिकरण के किसी आदेश को चुनौती के बिना संक्षेप में उठाए इस प्रश्न पर आदेश देना इस अदालत के लिए जरूरी नहीं है। वैसे भी पीड़ित पक्ष के लिए दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के तहत अपीलीय समाधान उपलब्ध हैं। याचिका खारिज की जाती है।

शीर्ष अदालत अशोक सुराना की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह घोषणा करने का अनुरोध किया गया था कि एनसीएलटी इस अदालत के फैसलों के संबंध में अपीलीय अधिकरण के तौर पर काम नहीं कर सकता। याचिका में यह

निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया था कि शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित कानून का शासन बिना किसी शर्त के निचले प्राधिकारों के लिए बाध्यकारी है और इन्हें दरकिनार या खारिज नहीं किया जा सकता।

याचिका में कहा गया, घोषित करें कि आन्वयिक पूर्व न्याय (कंस्ट्रक्टिव रेस जुडिकेटा) का नियम इस अदालत के फैसलों पर भी लागू होता है और यह एक मौलिक नियम है जो मुकदमे की अंतिम स्थिति सुनिश्चित करने में कानून के शासन को बनाए रखेगा। पूर्वन्याय, न्याय का एक सिद्धान्त है, जिसके अनुसार यदि किसी विषय पर अन्तिम निर्णय दिया जा चुका है (और जिसमें आगे अपील नहीं किया जा सकता) तो यह मामला फिर से उसी न्यायालय या किसी दूसरे न्यायालय में नहीं उठाया जा सकता। आन्वयिक पूर्व न्याय के सिद्धांत के तहत यदि कोई पक्षकार अपने और विपक्षी पक्षकार के खिलाफ मामले में किसी दलील को पहले रख सकता था, तो उसे उसी विषय पर बाद की कार्यवाही में उसी पक्षकार के खिलाफ उस दलील को रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सुराना ने दलील दी कि एनसीएलटी ने शीर्ष अदालत के फैसलों की गलत व्याख्या की है और, इसलिए, अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र के इस्तेमाल को न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि वह दिवाला और शोधन अक्षमता संहिआ के तहत निर्णय करने वाले प्राधिकार के समक्ष किसी भी कार्यवाही में पक्षकार नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

कलाकार दंपति आर्य-सैगल की बेटी हुई

मुंबई। कलाकार दंपति आर्य और साएशा सैगल एक बेटी के माता-पिता बन गए हैं। उनके करीबी मित्र एवं तमिल फिल्मों के सितारे विशाल ने शुक्रवार देर रात को यह जानकारी ट्विटर पर साझा की। विशाल ने ट्वीट किया, यह खबर साझा करके बेहद खुश हूं, मैं अंकल बन गया हूं। मेरे भाई जैमी और साएशा के घर बेटी हुई है। गजनीकांत और कप्पन जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके आर्य और सैगल ने हैदराबाद में वर्ष 2019 में विवाह किया था। सैगल (23) मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार और शायरा बानो की करीबी रिश्तेदार हैं। दिलीप कुमार का इस महीने शुरुआत में निधन हो गया था।

बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत, 18 घायल

पन्ना (मप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। जिले के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को पन्ना जिले के उरेहा, पिपरिया दौन, चौमुखा और सिमरा खुर्द गांवों में बिजली गिरने की घटनाएं हुईं। सिमरा खुर्द, पिपरिया दौन और चौमुखा गांवों में एक-एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है जबकि उरेहा गांव में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई।

लापता चकबंदी अधिकारी जहर खुरानी का शिकार

फतेहपुर (उप्र)। उत्तर पदेश के बांदा जिले में तैनात चकबन्दी अधिकारी शनिवार को फतेहपुर जिले के मुत्तौर गांव के पास बेहोशी की हालत में पाए गए। वह शुक्रवार को बांदा जाते समय रोडवेज की बस से अचानक लापता हो गए थे। पुलिस के अनुसार, चकबन्दी अधिकारी जहरखुरानी गिरोह के शिकार हुए हैं। फतेहपुर शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि गोरखपुर के रहने वाले चकबंदी अधिकारी विनोद वर्मा (58) शुक्रवार की शाम बांदा जा रहे थे, फतेहपुर शहर में रोड़वेज की बस में बैठने के बाद परिजनों से वीडियो कॉलिंग के जरिए उनकी बात हुई और कुछ देर बाद ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

सीबीआई ने बिनय मिश्रा के माता-पिता को तलब किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मवेशी तस्करी के रैकेट में कथित रूप से शामिल व्यवसाई बिनय मिश्रा के माता-पिता को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले की जांच के लिए तलब किया है। एजेंसी के एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। मिश्रा के बारे में माना जाता है कि वह प्रदेश में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के करीब हैं। अधिकारी ने बताया कि मिश्रा के माता-पिता को निजाम पैलेस स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय में बुधवार को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। मवेशी घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए वांछित मिश्रा लुक आउट सर्कुलर एवं गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने से बचते रहे हैं। केंद्रीय एजेंसी की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा मिश्रा के आवासीय परिसरों एवं कार्यालयों में कई बार छापेमारी कर चुकी है।

ऑक्सजीन एक्सप्रेस खेप लेकर बांग्लादेश रवाना

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में पड़ोसी देश बांग्लादेश की मदद करने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन से 200 टन तरल चिकित्सकीय ऑक्सीजन की खेप रविवार को पहुंचाएगा। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब इस जीवन रक्षक गैस को देश के बाहर भेजा जा रहा है। झारखंड के टाटानगर से 10 कंटेनर वाली यह ट्रेन शनिवार को रवाना हुई और इसके कल बांग्लादेश के बेनापोल पहुंचने की संभावना है। रेलवे ने बताया कि टाटानगर से 200 मीट्रिक टन तरल ऑक्सीजन की खेप लेकर ऑक्सजीन एक्सप्रेस पहली बार बांग्लादेश रवाना हुई। इसके कल सुबह पहुंचने की संभावना है।

मप्र के 24 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को मध्यप्रदेश के 24 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के बड़े हिस्से में बारिश जारी है। विभाग ने इसकी जानकारी दी। भारत मौसम विभाग के भोपाल केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी पी के साहा ने कहा कि यह अलर्ट रविवार सुबह तक के लिए है। साहा ने कहा कि जबलपुर, रीवा, सतना, अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, सागर, टीकमगढ़, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, देवास, आगर-मालवा, अशोक नगर और शिवपुरी जिलों के अलग-अलग स्थानों पर भारी से भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भोपाल, इन्दौर और चंबल सहित राज्य के दस संभागों में से अधिकांश में बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

महाराष्ट्र में बारिश-बाढ़ का कहर

नुकसान के बाद पुनर्निर्माण प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के चिपलून शहर में जब 21 जुलाई को भारी बारिश शुरू हुई तब कोचिंग केंद्र चलाने वाली प्रगति राणे को यह नहीं पता था कि स्थिति इतनी बिगड़ जाएगी कि उसके परिवार और अन्य लोगों को बारिश के बीच आस लगाए रातभर अपने घरों की छत पर बैठना पड़ेगा। हालांकि, कुछ घंटों बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने उन्हें बचा लिया, राणे जैसे अनेक परिवारों को अपना जीवन दोबारा शुरू करने में बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

रत्नागिरि के चिपलून, खेड़ और अन्य शहरों तथा पड़ोसी जिले रायगढ़ में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश हुई और नदियों का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। ज्यादातर प्रभावित क्षेत्रों में पानी का स्तर बड़ी मात्रा में घट गया है लेकिन बाढ़ से अत्यधिक क्षति हुई है। घरों और सड़कों पर मिट्टी का ढेर जमा हो गया है। कई लोगों ने अपनों को खोया भी है। राणे ने कहा, 21 जुलाई को भारी बारिश हो रही थी।

लेकिन मैंने सोचा कि कुछ घंटे तक पानी का स्तर बढ़ेगा और बाद में घट जाएगा। लगातार बारिश से रात में पानी का स्तर अचानक बढ़ा और हमें सब कुछ छोड़कर अपने घर की ढलान वाली छत पर जाना पड़ा।

उन्होंने कहा, अगली शाम को एनडीआरएफ के दल ने हमें बचाया। हमारे लिए यह भयावह अनुभव था। घर में हमारे पास जो कुछ भी था, वह बर्बाद हो गया। मेरी रसोई के बर्तन और बाकी चीजें खो गई हैं। खेड़ और महाड में भी ऐसे ही हालात हैं। महाड में फोटोकॉपी की दुकान चलाने वाले मुजफ्फर खान ने कहा, 21 जुलाई को शाम चार बजे तक दुकान चलाने के बाद, मैं पांच बजे घर गया। इसके बाद इतनी तेज बारिश हुई कि मैं उसके बाद दुकान नहीं जा सका। मैं वहां आज सुबह ही जा पाया। दुकान तक जाने वाली सड़क पर पानी भरा था जहां अब मिट्टी जमा है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि मिट्टी कैसे हटाई जाएगी क्योंकि वह केवल मिट्टी की एक सतह नहीं है, चूहे जैसे मरे हुए जानवर भी हैं। पूरी नाली में दुर्गंध है। हमने स्थानीय अधिकारियों से बात की लेकिन इस समय सभी व्यस्त हैं। महाराष्ट्र सरकार के अनुसार, राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 76 लोगों की मौत हुई है और 30 लापता हैं। बाढ़ के बाद प्रशासन के पास एक बड़ी चुनौती यह है कि प्रभावित लोगों तक पेयजल, भोजन और दवाएं कैसे पहुंचाई जाएं।

एनडीआरएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कई स्कूलों और कुछ निजी संपत्तियों का आश्रय के रूप में और घायलों के वास्ते प्राथमिक उपचार केंद्रों के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तविक चुनौती लापता लोगों को खोजना और उनके परिजनों का पता लगाना है। महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत रत्नागिरि के रहने वाले हैं और वह बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, चिपलून शहर के कुछ इलाकों से पानी कम हो रहा है लेकिन कुछ इलाके अब भी जलमग्न हैं। विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मैंने विशेष बैठक की है और उनसे कहा है कि कि संपत्ति के नुकसान और मानव जीवन की क्षति से संबंधित दावों की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

कोविड से उबरे मरीजों में तंत्रिका तंत्र संबंधी मामले बढ़ने की जानकारी दी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में एक प्रमुख निजी अस्पताल ने शनिवार को कहा कि उसने कोविड से स्वस्थ होने वाले मरीजों में तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी देखी है, जिनमें मस्तिष्क में रक्तस्राव (ब्रेन हैमरेज) के आपातकालीन मामले भी शामिल हैं। मूलचंद अस्पताल ने एक बयान में बताया कि बर्हिरोगी विभाग (ओपीडी) में 60 प्रतिशत तक मरीजों में थकान, अवसाद, आत्मघाती विचार, अकेलेपन की भावना जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती दिख रही हैं और इनमें से अधिकतर कोविड से उबर चुके मरीज हैं। अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा कि कोविड से स्वस्थ होने वाले मरीजों में यहां तंत्रिका तंत्र (न्यूरोलॉजिकल) संबंधी समस्याओं की परेशान करने वाली बढ़ती संख्या देखने को मिल रही है।

इसने कहा कि मूलचंद अस्पताल इंट्रासेरेब्रल (ब्रेन) हैमरेज के बढ़ते मामलों को दर्ज कर रहा है, और तंत्रिका विज्ञान विभाग का 50 प्रतिशत ऐसे मामलों से भरा हुआ है। चिकित्सकों ने यह भी कहा कि जो लोग वैश्विक महामारी में बच गए और जो लोग कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आए थे, वे कई हफ्तों बाद सिरदर्द, चक्कर आना, थकान,

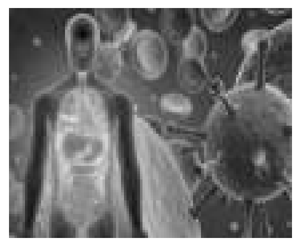

संज्ञानात्मक समस्याओं, याददाश्त की समस्या, चिंता, अवसाद, स्ट्रोक, दर्द और नींद संबंधी विकार के लक्षणों के साथ बड़ी संख्या में अस्पताल आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ओपीडी में, 60 प्रतिशत तक मरीज सिरदर्द, थकान, अवसाद, आत्महत्या के विचार, अकेलेपन की भावना आदि समस्याओं के साथ आ रहे हैं।

मूलचंद अस्पताल में वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ आशा बख्शी ने कहा, इनमें से ज्यादातर मामले वो हैं, जिन्हें पूर्व में कोविड हुआ था, दो या तीन महीने के अंतराल पर। उन्होंने कहा, ऐसी समस्याएं उनके निजी एवं पेशेवर जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। कई ने शिकायत की कि वे काम के दौरान ध्यान केंद्रित कर पाने में बहुत कठिनाई महसूस कर रहे हैं। लोग काम और निजी जिंदगी में तालमेल बिठा पाने में भी संघर्ष कर रहे हैं। बख्शी ने कहा कि महामारी न केवल फेफड़ों से जुड़ी तीव्र सूजन संबंधी बीमारी का कारण बना है।

उपचुनाव के लिए जवाहर सरकार को नामित किया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य में आगामी राज्य सभा उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के तौर पर पूर्व नौकरशाह जवाहर सरकार को शनिवार को नामित किया। निर्वाचन आयोग ने 16 जुलाई को कहा था कि इस साल की शुरुआत में दिनेश त्रिवेदी के इस्तीफे से खाली पश्चिम बंगाल की राज्य सभा सीट के लिए उपचुनाव नौ अगस्त को होगा। पार्टी ने एक बयान में कहा, हम संसद के ऊपरी सदन में जवाहर सरकार को नामित कर रहे हैं।

कोविड की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी कर रहे

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शनिवार को कहा कि उनका विभाग कोविड की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी, पांच साल में जीवन शैली से संबंधित बीमारियों को कम करना और चिकित्सा संस्थानों में सुधार करने जैसी पहल पर काम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत पर भी ध्यान दे रहा है। विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जॉर्ज ने कहा कि कोविड को लेकर सतर्कता नहीं छोड़नी चाहिए और इस संबंध में अस्पतालों को लैस किया जा रहा है और वायरस की किसी भी तीसरी लहर से निपटने के लिए कड़े उपाय किए।

सीआईएससीई ने 10वीं-12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए

एजेंसी। नई दिल्ली

सीआईएससीई ने शनिवार को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। कक्षा 10वीं में लड़के और लड़कियों, दोनों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.8 फीसदी रहा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के 12वीं कक्षा के नतीजों में लड़कियों ने लड़कों को 0.2 प्रतिशत के अंतर से पछाड़ दिया है। बोर्ड ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेधा सूची नहीं होगी। सीआईएससीई ने इस साल कोविड-19 की घातक दूसरी लहर को देखते हुए 10वीं और 12वी़ु की परीक्षाएं रद्द कर दी थी। परिणाम बोर्ड द्वारा तय की गई वैकल्पिक मूल्यांकन नीति पर तैयार किए गए हैं।

सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव गेरी अराथून ने बताया, कक्षा 10वीं में लड़के और लड़कियों, दोनों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.8 फीसदी रहा। 12वीं कक्षा में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.86 रहा जबकि लड़कों का 99.66 फीसदी रहा। अराथून ने बताया कि पिछले वर्षों के उलट इस बार उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा, क्योंकि विद्यार्थियों को निर्धारित पद्धति से अंक दिए गए हैं।

तलाई गांव भूस्खलन संभावित क्षेत्र नहीं था : उपमुख्यमंत्री

एजेंसी। पुणे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शनिवार को कहा कि राज्य के रायगढ़ जिले के तलाई गांव को भूस्खलन संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित नहीं किया गया था और भारी बारिश के कारण गांव में घटना हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रथम दृष्टया, बृहस्पतिवार शाम तलाई गांव में भूस्खलन के कारण कम से कम 37 लोगों की जान चली गई थी।

पत्रकारों से बात करते हुए, पवार ने यह भी कहा कि बारिश प्रभावित महाराष्ट्र के नौ जिलों से अब तक 90,000 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 21 टीमें बारिश से प्रभावित जिलों में सेना, तटरक्षक बल और अन्य की 14 टीमों के साथ काम कर रही हैं। इसके अलावा, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की चार टीमें भी लोगों को निकालने के अभियान में लगी हुई हैं। तटीय कोंकण क्षेत्र के रायगढ़ के कुछ हिस्से व रत्नागिरी जिला और पश्चिमी महाराष्ट्र का कोल्हापुर जिला बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। इसके अलावा सतारा जिले के कई हिस्से में भारी बारिश के कारण पानी में डूब गए हैं।

सरकार ने शनिवार को कहा था कि महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश से संबंधित घटनाओं, मुख्य तौर पर भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए हैं। तलाई गांव में हुए भूस्खलन के बारे में बात करते हुए, पवार ने कहा कि यह भूस्खलन संभावित क्षेत्र नहीं था, लेकिन अत्यधिक बारिश के कारण यह घटना हुई। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र ने भूस्खलन संभावित क्षेत्र के तौर पर विभिन्न क्षेत्रों को चिह्नित किया है और उसके अनुसार ही अलर्ट जारी किए जाते हैं और अन्य एहतियाती उपाय किए जाते हैं, लेकिन तलाई भूस्खलन संभावित क्षेत्र नहीं था।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के होटल में महिला की हत्या, आरोपी फरार

एजेंसी। पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिला मुख्यालय पर स्थित एक होटल में शुक्रवार की देर रात एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) पवित्र मोहन त्रिपाठी ने पत्रकारों को बताया कि पीलीभीत शहर के सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुमार होटल के कमरे में एक महिला (35) की हत्या का मामला संज्ञान में आया है। उन्होंने बताया कि महिला को एक युवक

होटल में लाया था, मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। उनहोंने बताया कि मृत महिला के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं और हत्या कैसे हुई उसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चल सकेगा। अधिकारी ने बताया कि इस प्रकरण में शनिवार को सुनगढ़ी कोतवाली में एफआईआर पंजीकृत किया गया है और पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। घटना का शीघ्र खुलासा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

टीके की दोनों खुराक लेने वाले लोगों को छूट देने का विचार : पवार

एजेंसी। पुणे

महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह टीका लगवा चुके लोगों को कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाई पाबंदियों से छूट देने पर विचार कर रही है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार दुकानों और रेस्त्रां को शाम चार बजे तक बंद करने का समय बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि सप्ताहांत पर छूट देने का फैसला अगले हफ्ते लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, राज्य उन लोगों को छूट देने पर विचार कर रहा है जिन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की दोनों खुराक ले ली है। इससे

नागरिक टीका लगवाने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि दुकानों और रेस्त्रां को बंद करने का समय शाम चार बजे से बढ़ाकर सात बजे किए जाने की मांग की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम दुकानों तथा रेस्त्रां का समय बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं लेकिन अंतिम फैसला मुख्यमंत्री लेंगे। हम सोमवार को विशेषज्ञों से मुलाकात कर रहे हैं जिसके बाद सप्ताहांत पर छूट देने पर फैसला लिया जाएगा। पवार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पिछले महीने के मुकाबले और अधिक लोगों को टीका लगाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कोरोना वायरस महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए चिकित्सा बुनियादी ढांचा बनाने जैसे कई कदम उठा रही है। पवार ने कहा, तीसरी लहर की संभावना के बारे में कई खबरें हैं। पहली और दूसरी लहर मे अस्पतालों में मरीजों के अधिक संख्या में भर्ती होने, वेंटीलेटर की मांग रिपोर्टों पर ध्यान दे रहे हैं।

बर्लिन ओलंपिक के 85 साल बाद

महाराष्ट्र के खेल संस्थान की शोभा बढ़ा रहा हिटलर पदक

एजेंसी। मुंबई

तोक्यो ओलंपिक की शुरुआत के साथ ही महाराष्ट्र के एक खेल संस्थान के सदस्य 1936 में आयोजित हुए बर्लिन ओलंपिक को याद करते हैं जब इस संस्थान की टीम को मलखंभ और अन्य खेलों में प्रदर्शन के लिए जर्मनी के फासीवादी तानाशाह एडोल्फ हिटलर ने सम्मानित किया था। हिटलर ने अमरावती के हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल नामक संस्थान को एक पदक प्रदान किया

था, जिस पर नात्सी पार्टी का प्रतीक चिह्न बना हुआ था। संस्थान की स्थापना बर्लिन ओलंपिक से 22 साल पहले हुई थी।

ओलंपिक में शारीरिक संस्कृति के प्रदर्शन में दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए टीम को यह पदक दिया गया था। इस श्रेणी में कई देशों के खिलाड़ियों ने अपने देशों के मूल खेल का प्रदर्शन किया था। मंडल के सचिव प्रभाकर वैद्य ने कहा, हमारी 25 सदस्यीय टीम बर्लिन गई थी और मलखंभ तथा योग का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि हिटलर के प्रचार मंत्री जोसफ गोयबल्स ने हिटलर से टीम की प्रशंसा की थी। वैद्य ने एक टीवी चैनल से कहा, हिटलर ने बर्लिन ओलंपिक का चिह्न लगा हुआ एक प्लैटिनम पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि प्रशस्ति पत्र पर हिटलर का हस्ताक्षर और आधिकारिक पद अंकित है। मंडल ने पदक को संभाल कर रखा है और यह आगंतुकों के लिए कौतुहल की वस्तु है। वैद्य के अनुसार महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस भी इस पदक को देख चुके हैं। लोग इस पदक को हिटलर पदक कहते हैं। मंडल के कोषाध्यक्ष सुरेश देशपांडे ने कहा कि वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मण कोकार्डेकर को उच्च शारीरिक प्रशिक्षण के लिए जर्मनी भेजा गया था और वह वहां पांच साल तक रहे थे। उन्होंने कहा, उनके संपर्क के कारण मंडल को 1936 के बर्लिन ओलंपिक में प्रदर्शन करने का आमंत्रण मिला था। कोकार्डेकर, 1936 ओलंपिक खेलों के मुख्य आयोजक कार्ल डीएम के दोस्त थे। विवके चौधरी की पुस्तक कबड्डी बाय नेचर के अनुसार, मंडल की टीम ने बर्लिन में पहली बार कबड्डी का प्रदर्शन किया था।

ड्रोन गतिविधियों पर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया

एजेंसी। जम्मू

भारत ने जम्मू क्षेत्र में बढ़ती ड्रोन गतिविधियों को लेकर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक पाकिस्तान रेंजर्स के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुचेतगढ़ क्षेत्र में हुई, जिसमें मामलों के समाधान के लिए फील्ड कमांडरों के बीच आवश्यक संपर्क को पुन: क्रियाशील करने का निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों बलों के कमांडरों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन गतिविधियों, आतंकी गतिविधियों और सीमा पार से खोदी जाने वाली सुरंगों एवं सीमा प्रबंधन से संबंधित अन्य मुद्दों पर खास जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ प्रतिनिधियों ने जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा की जा रहीं ड्रोन गतिविधियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

DOC टॉक

डॉ. गुनीता सिंह

बीडीएस, एमडी, डेंटल लेजर, निदेशक, डेंटम और एसोसिएट कंसल्टेंट, सर गंगा राम अस्पताल

बच्चों के दांत निकलना एक चुनौती

बच्चे का जन्म और पालन-पोषण बहुत सारी चुनौतियों के साथ आता है और हर दिन अपने आप में एक अनुभव होता है, ऐसे ही अनुभवों में से एक है शुरुआती। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चे के दांत मसूढ़ों से निकलते हैं।

दांत आमतौर पर छह से 24 महीने की उम्र के बीच होते हैं और आम तौर पर चिड़चिड़ापन निविदा और सूजन वाले मसूड़ों से जुड़ा होता है, शिशु असुविधा को कम करने के प्रयास में वस्तु या उंगलियों को मुंह में रखना चाहता है। जब बच्चे के दांत निकलते हैं तो बुखार, खांसी, दस्त और सर्दी के लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

दांत निकलने के लक्षणों की शुरुआत आम तौर पर एक दांत के फटने से पहले चार से 10 महीने की उम्र के बीच दिखाई दे सकती है, पहला दांत आमतौर पर लगभग छह महीने की उम्र में फूटता है। कुछ दंत चिकित्सकों ने शुरुआती औसत या देर से आने वाले दांतों के पारिवारिक पैटर्न पर ध्यान दिया है।

दांत आमतौर पर मसूड़े और जबड़े की परेशानी से जुड़े होते हैं क्योंकि शिशु का दांत मसूड़े के ऊतकों की सतह से फूटने की तैयारी करता है। यह क्षेत्र थोड़ा लाल या सूजा हुआ दिखाई दे सकता है कभी-कभी फटने वाले दांत के ऊपर खून के समान तरल पदार्थ से भरा क्षेत्र दिखाई दे सकता है। कुछ दांत फूटने पर दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। कुछ दांत कृन्तकों की तरह फूटते समय कम परेशानी पैदा करते हैं और कुछ जैसे ज्ञान दांत बहुत दर्दनाक हो सकते हैं।

दांत निकलने से निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं :

- बढ़ी हुई लार।
- मसूढ़ों की परेशानी के कारण बेचैनी या नींद कम होना।
- मसूड़े के क्षेत्र में दर्द के कारण भोजन से इनकार।
- आहट जो आती है और चली जाती है।
- हाथ मुंह पर लाना।
- त्वचा में जलन के कारण मुंह के चारों ओर हल्के दाने, अत्यधिक लार आने के कारण।
- दाढ़ के फटने के दौरान निर्दिष्ट दर्द के परिणामस्वरूप चेक या कान क्षेत्र को रगड़ना।

अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें। यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है।

खैर, जो कुछ भी कहा और किया जाता है, वह आपके बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत मील के पत्थर में से एक है। एक बार जब आप उन छोटे-छोटे मोतियों को देख लेते हैं जिन्हें आप हमेशा के लिए अपनी यादों में कैद करना चाहते हैं, लेकिन आपके बच्चे को होने वाली परेशानी से कैसे निपटा जाए, यह एक माता-पिता की एक बड़ी चिंता है।

इस समय अपने बच्चे को अपना अधिकतम दें। बच्चे को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत है मां के स्पर्श और निकटता से ज्यादा कुछ भी बच्चे को शांत नहीं कर सकता है। बच्चे के मसूड़ों को दिन में दो या तीन बार अपनी उंगली से रगड़ें, ऐसा करने के लिए आप जैतून का तेल/विटामिन ई तेल जैसे प्राकृतिक तेलों का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके हाथ बिल्कुल साफ हैं। सुखदायक खिलौनों का भी उपयोग कर सकते हैं। अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें, यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है। दोबारा, सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से निष्फल हैं।

जमे हुए सेब/नाशपाती/गाजर या कोई भी कुरकुरे फल और सब्जियां जो आपके बच्चे को पसंद हैं, मसूड़ों के दर्द को स्वस्थ रूप से शांत करने का सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है और यह शुरुआती होने से निपटने का प्राकृतिक तरीका है। अपने बच्चे को पैरों की अच्छी मालिश दें। फुट रिफ्लेक्सोलॉजी शरीर को शांत करती है और पूरे शरीर, दांतों और मसूड़े को भी शांत प्रभाव देती है। अंत में, बच्चे को अतिरिक्त सहायता देने के लिए दांतों की बूंदों या जैल के लिए दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

समरकूलर

शकरकंद

शकरकंद एक स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी है जो मीठी और स्टार्चयुक्त दोनों होती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। वे एंटीऑक्सिडेंट में भी उच्च होते हैं, जो आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

शकरकंद में मैग्नीशियम की मात्रा भी अधिक होती है, जो तनाव और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। वे अपने विरोधी भड़काऊ प्रभावों के लिए भी जाने जाते हैं, जो शरीर को सूजन को कम करने में सहायता करते हैं।

चूंकि शकरकंद में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए वे रक्तचाप को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। वे विटामिन ए में भी उच्च होते हैं, जो हमारी दृष्टि के लिए फायदेमंद होते हैं। शकरकंद को याददाश्त बढ़ाने वाला भोजन भी माना जाता है।

रोबोट से घुटनों का इलाज

घुटने की सर्जरी करने के तरीके में रोबोटिक्स का प्रवेश घुटने बदलने के मामले में क्रांति ला रहा है। डॉ. शुभांग अग्रवाल का कहना है कि इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेटिंग रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सटीक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

सिरी, एलेक्सा से लेकर सेल्फ ड्राइविंग कार और ऑटो पायलट प्लेन से लेकर सैटेलाइट मैपिंग तक, दुनिया ने तकनीक की ताकत देखी है। चिकित्सा क्षेत्र अछूता नहीं है; जो हमने कहानियों और फिल्मों में कल्पना के रूप में देखा था, वह अब एक वास्तविकता है; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट लोगों को अपना काम बेहतर और आसान तरीके से करने में मदद कर रहे हैं। आर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में, रोबोटिक्स-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट नी रिप्लेसमेंट के तरीके में क्रांति ला रहा है। इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेशन रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सर्जरी के दौरान सटीकता और सटीकता प्राप्त करने में मदद मिलती है। आज रोबोटिक्स अस्पतालों में सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का एक नया उपकरण बन गया है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट क्या है?

कल्पना कीजिए कि एक पायलट घने कोहरे में एक विमान उड़ा रहा है। अगर कुछ साल पहले की बात होती तो वह प्लेन को सुरक्षित लैंड करने के लिए अपनी इंद्रियों और कल्पनाओं का ही इस्तेमाल करते। लेकिन प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, उसी पायलट के पास अब उच्च गुणवत्ता वाला उपग्रह मार्गदर्शन है; ऑटोपायलट मोड सेंसर और एल्गोरिथम को विमान को सुचारू रूप से उतरने की अनुमति देता है। इसी तरह, जब एक आर्थोपेडिक सर्जन ने एक पारंपरिक सर्जरी की थी, तब से चीजें बदल गई हैं, जहां उन्होंने विकृति का आकलन करने और हड्डियों को काटने के लिए अपनी द्विआयामी दृष्टि के साथ नेत्रगोलक पर भरोसा किया। अब, वह उच्च अंत रोबोटिक्स का उपयोग कर सकता है, स्वयं सीखने वाली कृत्रिम बुद्धि के साथ संयुक्त का एक लाइव चतु:आयामी नक्शा बनाने के लिए और कृत्रिम प्रत्यारोपण के आदर्श स्थान को देखता है और फिर रोबोटिक उपकरण केवल उतनी ही छोटी हड्डी को बंद कर देता है, जिसकी आवश्यकता होती है प्राकृतिक हड्डी और स्नायुबंधन को बचाने के लिए, प्रत्यारोपण का सही फिट पाने के लिए। तकनीक पिछली इम्प्लांट पोजिशनिंग तकनीकों से आगे बढ़ी है जिसमें जिगलेस रोबोटिक योजना और निष्पादन के लिए सर्जिकल कटिंग गाइड के लिए एक लगाव बिंदु प्रदान करने के लिए फीमर (जांघ की हड्डी) की केंद्रीय नहर में ड्रिल की गई लंबी छड़ का उपयोग किया जाता है।

सबसे उन्नत नवाचार नेवियो सर्जिकल सिस्टम है, एक रोबोटिक प्लेटफॉर्म जिसे किसी सीटी स्कैन या एमआरआई की आवश्यकता नहीं है और अंग और विकृति की वास्तविक समय की छवि बनाता है और सर्जन घुटने के चारों ओर कल्पना करने और योजना बनाने में सक्षम है कि कैसे यह हड्डी को छूने से पहले ही सर्जरी के बाद होने वाला है। यह रोबोटिक प्रणाली स्पष्ट रूप से घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है।

नेवियो प्रणाली का उपयोग करते हुए, एक सर्जन प्रत्येक व्यक्ति के घुटने की अनूठी शारीरिक रचना को समझने में सक्षम होता है, कूल्हे और टखने के प्राकृतिक संरेखण में घुटने को प्राप्त करता है और सही आकार यह सुनिश्चित करता है कि कृत्रिम प्रत्यारोपण में घुटने की ट्रैकिंग पूरी रेंज में संतुलित है। आंदोलन का। सर्जन अब इम्प्लांट को सब-मिलीमेट्रिक प्रिसिजन के साथ लगा सकता है जो आपके भगवान द्वारा दिए गए प्राकृतिक घुटनों की तरह काम करता है और महसूस करता है। इस तरह की रोबोट-समर्थित घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी में नगण्य रक्त हानि, बहुत कम दर्द, थोड़ा ऊतक आक्रमण और लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के साथ प्रत्यारोपण की सटीक स्थिति शामिल है। इस तरह की प्रक्रिया के बाद, एक मरीज सर्जरी के तीन घंटे बाद ही चलना शुरू कर सकता है और तीन दिनों के भीतर घर वापस जा सकता है और बेहतर एनेस्थीसिया और पुनर्वसन के तौर-तरीकों के साथ, हम एक दिन की छुट्टी का लक्ष्य बना रहे हैं! इसलिए रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी से मरीज के अस्पताल में रहने की अवधि कम हो जाती है। यह कोविड के इन समयों में सभी अर्थों को प्रभावी बनाता है इसलिए जोखिम को न्यूनतम स्तर तक कम करता है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के क्या फायदे हैं?

रोबोटिक प्रणालियों के विकास का प्राथमिक कारण रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने का प्रयास था। हालांकि, अनुसंधान के साथ हमारे पास कूल्हे और घुटने के प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग में बेहतर धातु और चीनी मिट्टी की चीजें हैं, लेकिन इन प्रत्यारोपणों को सही तरीके से लगाने से सभी फर्क पड़ता है। यह देखा गया है कि शल्य चिकित्सा के पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के साथ, कुछ ऐसे रोगी हैं जो परिणाम से असंतुष्ट हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम रोबोटिक तकनीक के उपयोग के साथ और लक्ष्य और आशा है कि इन प्रक्रियाओं को प्रत्यारोपण स्थिति में सटीकता मिलेगी, और प्राकृतिक नरम ऊतक संतुलन के साथ, ट्रैकिंग में सुधार होगा और इसके परिणामस्वरूप सर्जरी से संतुष्टि के स्तर में और सुधार होगा।

नेवियो सिस्टम दो महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है : पहला, यह सर्जन को रोगी के लिए विशिष्ट व्यक्तिगत योजना बनाने में मदद करता है और सीटी स्कैन के पहले के तरीकों के विपरीत, वह किसी भी संभावित हानिकारक विकिरण के संपर्क में नहीं आता है। दूसरा लाभ रोबोटिक सहायता है जो उन्नत तकनीक को जोड़ती है ताकि कृत्रिम घुटने का सही सटीक स्थान दिया जा सके और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों का लक्ष्य रखा जा सके, जो लंबे समय तक 30-40 वर्षों तक बहुत सस्ती कीमत पर हो।

पिछले कुछ वर्षों में, अध्ययनों ने रोबोट-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की सटीक सटीकता पर ध्यान केंद्रित किया है। घुटने की सर्जरी के जर्नल में प्रकाशित आर्थोपेडिक सर्जन जेफ्री वेस्ट्रिच और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि रोबोटिक प्रणाली अधिक सटीकता और सटीकता की अनुमति देती है और आर्थोपेडिक सर्जनों के प्रशिक्षण में फायदेमंद है। यूनाइटेड किंगडम में शोधकर्ताओं के एक अन्य अध्ययन में, 2018 में बोन एंड जॉइंट जर्नल में प्रकाशित हुआ, यह पाया गया कि रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट को कम अस्पताल में रहने, सर्जरी के बाद दर्द में कमी और जल्दी कार्यात्मक वसूली में सुधार के साथ जोड़ा गया था।

सटीकता के साथ-साथ, रोबोट-समर्थित प्रक्रियाएं सर्जिकल साइट पर आसपास के कोमल ऊतकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और अधिक स्वस्थ हड्डी को संरक्षित करने की सुविधा प्रदान करती हैं। सर्जरी के दौरान, आपके पुराने जोड़ों को बदलने वाले इम्प्लांट या घटक आमतौर पर धातु, सिरेमिक या प्लास्टिक से बने होते हैं। रोबोटिक सहायता आपके सर्जन को आपके इम्प्लांट को अधिक कुशलता से लगाने की अनुमति देती है। और रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे और कम आक्रामक निशान छोड़ती है। रोबोटिक्स के आने से डॉक्टरों के सर्जरी करने के तरीके में सुधार हुआ है, जिसमें जॉइंट रिप्लेसमेंट भी शामिल है। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ती है, अधिक से अधिक लोग इस तरह की सटीकता की मांग करते हैं कि रोबोटिक्स उनके कूल्हे और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए प्रदान कर सके। एआई के नेतृत्व वाले ये रोबोट सर्जन को अपने निर्णय और ज्ञान को रोबोट के नियंत्रण और सटीकता के साथ संयोजित करने की अनुमति देते हैं, जिससे भविष्य में सर्जरी करने का तरीका बदल जाता है।

-लेखक एनएचएस हॉस्पिटल, जालंधर के सीनियर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन हैं।

कदम उठाने का समय

डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच, एनसीडी को रोकने, पता लगाने, नियंत्रण और उपचार के अवसरों का पूरी तरह से उपयोग किया जाना चाहिए।

गैर-संचारी रोग (एनसीडी) हर साल वैश्विक स्तर पर 41 मिलियन लोगों की जान लेते हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक समय से पहले ही मर जाते हैं। चार प्रमुख एनसीडी - हृदय रोग, कैंसर, पुरानी सांस की बीमारियां और मधुमेह - सभी समय से पहले होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं, जिनमें डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व भी शामिल है। एशिया क्षेत्र। प्रमुख एनसीडी जोखिम कारक जैसे तंबाकू का उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का हानिकारक उपयोग और अस्वास्थ्यकर आहार भी अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों में योगदान करते हैं और उन्हें बढ़ाते हैं। चल रही कोविड-19 प्रतिक्रिया के बीच, इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए समय आ गया है कि वे एनसीडी को रोकने, पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाएं, और हर किसी को इसकी जरूरत है।

एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों को गंभीर कोविड -19 से संबंधित बीमारी और मृत्यु का खतरा अधिक होता है। वे कई समूहों में से हैं जो विशेष रूप से महामारी से प्रभावित हुए हैं, जिसे सार्स सीओवी2 संक्रमण की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ परस्पर क्रिया द्वारा चिह्नित किया गया है, जो स्वयं सामाजिक और आर्थिक नुकसान से मध्यस्थता कर रहे हैं। संक्रमण की चल रही लहरों के बीच, डब्लूएचओ इस क्षेत्र के देशों को आक्रामक तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए समर्थन देना जारी रखेगा, साथ ही स्वास्थ्य इक्विटी को बढ़ाएगा और एनसीडी सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखेगा। टेलीमेडिसिन, विस्तारित नुस्खे, और दवाओं की डोर-स्टेप डिलीवरी जैसे उच्च-प्रभाव वाले नवाचारों का लाभ उठाना जारी रखना चाहिए, और सभी जोखिम वाले समूहों को सक्रिय रूप से राष्ट्रीय तैनाती और टीकाकरण योजनाओं के अनुरूप टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एनसीडी के खिलाफ क्षेत्र की प्रगति रुकी नहीं, उलटी तो नहीं। 2014 से, इस क्षेत्र ने प्रमुख प्राथमिकता के रूप में एनसीडी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। सभी देश राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय एनसीडी कार्य योजनाओं को लागू करना जारी रखते हैं। कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच भी, वे वैश्विक 2025 और 2030 एनसीडी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकांश देशों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीतियां विकसित की हैं, जिन्हें आने वाले महीनों और वर्षों में मजबूत करना जारी रखना चाहिए। क्षेत्र के लिए अपने कई लाभों की रक्षा और बचाव करने के लिए, और अधिक उत्प्रेरित करने के लिए, कई प्राथमिकताओं पर लक्षित ध्यान देने की आवश्यकता है।

सबसे पहले, नई पहल का पूरा लाभ उठाएं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में, डब्लूएचओ ने अपना ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्ता वाले मधुमेह निदान उपकरण, दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच सकें। इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में गुणवत्ता-सुनिश्चित इंसुलिन तक पहुंच बढ़ाने पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि बाधाएं बनी रहती हैं, खासकर सबसे कमजोर लोगों के लिए। आने वाले महीनों में, कॉम्पैक्ट प्रौद्योगिकी और मूल्य निर्धारण में नए नवाचारों को चलाने के लिए तैयार है, जिसका क्षेत्र के सभी देशों को उपयोग करना चाहिए और अधिकतम प्रभाव पर लागू करना चाहिए।

दूसरा, सर्वश्रेष्ठ खरीद हस्तक्षेपों को लागू करना जिन्हें हम काम जानते हैं। साक्ष्य बताते हैं कि अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कराधान बढ़ाकर, नीति निर्माता खपत को कम कर सकते हैं, समग्र स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं और व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य लागत को कम कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, वे राजकोषीय राजस्व में वृद्धि करेंगे, जिसे यदि स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया जाता है, तो कोविड -19 से एक स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार प्राप्त करने में मदद मिलेगी जो अधिक न्यायसंगत, लचीला और टिकाऊ है। अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विपणन पर प्रतिबंध भी आवश्यक है, लेकिन इसमें सरोगेट विज्ञापन शामिल होना चाहिए, जिसका उद्देश्य युवाओं में ब्रांड की वफादारी पैदा करना है।

तीसरा, स्वास्थ्य प्रणालियों के भीतर एनसीडी को संबोधित करने के लिए कार्रवाई को मजबूत करना, विशेष रूप से फ्रंटलाइन पर। क्षेत्र का 2016 कोलंबो घोषणापत्र सभी लोगों के लिए प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता, एकीकृत एनसीडी सेवाओं तक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली परामर्श, शीघ्र निदान के लिए लक्षित जांच, और प्रभावी एनसीडी प्रबंधन के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इस क्षेत्र के सभी देशों ने इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में और अधिक में जबरदस्त प्रगति की है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए डब्ल्यूएचओ का नया परिचालन ढांचा पूरे कोविड -19 प्रतिक्रिया, वसूली और उससे आगे में तेजी लाने में मदद कर सकता है।

जन केंद्रित नीति समय की मांग है। सामुदायिक पहुंच और जुड़ाव को तेज करके, नीति निर्माता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग एनसीडी के लक्षणों और लक्षणों को समझें, और परीक्षण और इलाज कैसे करें। महत्वपूर्ण रूप से, वे आम तौर पर स्वास्थ्य और एनसीडी साक्षरता को भी बढ़ा सकते हैं, लोगों को निवारक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे नियमित और पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ भोजन और तंबाकू और अन्य अस्वास्थ्यकर उत्पादों से परहेज।

संपूर्ण-सरकार, संपूर्ण-समाज की खरीद-फरोख्त हासिल करना आवश्यक है। नीति निर्माताओं को सभी क्षेत्रों में प्रमुख अभिनेताओं के साथ जुड़ाव तेज करना चाहिए, और एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों की अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण की तलाश करनी चाहिए, जो मौजूदा अंतराल की सबसे अच्छी पहचान कर सकते हैं।

लेखिका डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है टीकाकरण

गर्भावस्था के दौरान कोरोनारोधी टीकाकरण और बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाल रही हैं नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष **डॉ. मंजू पुरी।**

● क्या टीकों से महिलाओं में बांझपन हो सकता है?

गलत सूचना वायरस से भी खतरनाक है। कोविड-19 के टीके समय परीक्षण तकनीकों का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। टीके शरीर को एक विशिष्ट रोगज़नक़ के खिलाफ प्रतिरक्षा विकसित करने में मदद करते हैं, यह शरीर के किसी अन्य ऊतक को प्रभावित नहीं करता है। वास्तव में, हम महिलाओं को और उनके अजन्मे बच्चे को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए गर्भावस्था के दौरान भी हेपेटाइटिस बी, इन्फ्लुएंजा, पर्टुसिस जैसे कुछ टीके देते हैं। ये टीके किसी भी तरह से प्रजनन अंगों को प्रभावित नहीं करते हैं।

● क्या एक भ्रूण मां से कोविड-19 का संक्रमण प्राप्त कर सकता है?

इस चिंता का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। हमने कुछ अध्ययन किए हैं और पाया है कि प्लेसेंटा, एक अंग जो गर्भाशय में बनता है जिसमें एक भ्रूण बढ़ता है, एक सुरक्षात्मक बाधा के रूप में कार्य करता है। ऐसे कुछ मामले हैं जहां नवजात संक्रमित पाए गए लेकिन हमें यकीन नहीं है कि उन बच्चों को मां के गर्भ में संक्रमण हुआ या जन्म के तुरंत बाद। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को संक्रमण को रोकने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए क्योंकि कोविड-19 उन्हें और उनके बच्चे को कई अन्य तरीकों से प्रभावित कर सकता है।

● अगर गर्भवती महिला में कोविड-19 के लक्षण दिखें तो उसे क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, यदि उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द अपना परीक्षण करवाना चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी हम निदान करेंगे, उतना ही बेहतर हम बीमारी का प्रबंधन कर सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान कोविड प्रबंधन डॉक्टर की सख्त निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जिन महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा आदि जैसी बीमारियां हैं, उन्हें अधिक सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, अपने चिकित्सक से परामर्श करें और पुनर्प्राप्ति अवधि के दौरान अपने चिकित्सक के संपर्क में रहें।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए कि मां और भ्रूण ठीक हैं, कोविड-19 रिकवरी के बाद समग्र स्वास्थ्य जांच की जोरदार सिफारिश करते हैं।

● एक कोविड-19 पॉजिटिव मां अपने नवजात शिशु की सुरक्षा कैसे कर सकती है? क्या वह स्तनपान करा सकती है?

एक मां को बच्चे को स्तनपान कराना जारी रखना चाहिए, लेकिन उसे सलाह दी जाती है कि जब वह स्तनपान नहीं कर रही हो तो बच्चे को उससे छह फीट की दूरी पर रखें। मां और बच्चे को हवादार कमरे में रहना चाहिए। नवजात शिशु को स्तनपान कराने से पहले, उसे अपने हाथ धोने चाहिए, मास्क या फेस शील्ड जैसे सुरक्षात्मक गियर पहनने चाहिए। उसे अपने आस-पास के वातावरण को भी बार-बार सेनेटाइज करना चाहिए।

अगर बच्चे की देखभाल करने वाला कोई और न हो तो मां को हर समय मास्क पहनना चाहिए और जितना हो सके बच्चे से शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। सरकार ने मंजूरी दी है कि गर्भावस्था के दौरान भी महिलाओं को कोविड-19 के टीके लगाए जा सकते हैं। विस्तार से बताएं। दूसरी लहर के दौरान, कई महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 का अनुबंध किया। कोविड, यदि गंभीर है, तो गर्भावस्था के दौरान गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है, विशेष रूप से अंतिम तिमाही के दौरान क्योंकि गर्भाशय बड़ा हो जाता है और डायाफ्राम पर दबाव डालता है, जिससे महिला की ऑक्सीजन संतृप्ति में गिरावट का सामना करने की क्षमता से समझौता होता है। इससे मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। टीके गर्भवती महिलाओं में गंभीर बीमारी को रोकने में मदद करेंगे।

मीराबाई को ओलंपिक में अपनी दी कानों की बाली पहने देखकर भावुक हुई मां

फिलेम दीपक सिंह। नई दिल्ली

मीराबाई चानू के एतिहासिक रजत पदक और उनकी मधुर मुस्कान के अलावा शनिवार को इस भारोत्तोलक के शानदार प्रदर्शन के दौरान उनके कानों में पहनी ओलंपिक के छल्लों के आकार की बालियों ने भी ध्यान खींचा जो उनकी मां ने पांच साल पहले अपने जेवर बेचकर उन्हें तोहफे में दी थी। मीराबाई की मां को उम्मीद थी कि इससे उनका भाग्य चमकेगा। रियो 2016 खेलों में ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मीराबाई ने शनिवार सुबह टोक्यो खेलों में पदक जीत लिया और तब से उनकी मां सेखोम ओंग्बी तोम्बी लीमा के खुशी के आंसू रुक ही नहीं रहे हैं।

लीमा ने मणिपुर में अपने घर ने एजेंसी से कहा, मैं बालियां टीवी पर देखी थी, मैंने ये उसे 2016 में रियो ओलंपिक से पहले दी थी। मैंने मेरे पास पड़े सोने और अपनी बचत से इन्हें बनवाया था, जिससे कि उसका भाग्य चमके और उसे सफलता मिले। उन्होंने कहा, इन्हें देखकर मेरे आंसू निकल गए और जब उसने पदक जीता तब भी। उसके पिता (सेखोम कृति मेइतेई) की आंखों में भी आंसू थे। खुशी के आंसू। उसने अपनी कड़ी मेहनत से सफलता हासिल की। मीराबाई को टोक्यो में इतिहास रचते हुए देखने के लिए उनके घर में कई रिश्तेदार और मित्र भी मौजूद भी मौजूद थे। मीराबाई ने महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक के साथ ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के भारत के 21 साल के इंतजार को खत्म किया और टोक्यो खेलों में भारत के पदक का खाता भी खोला। 26 साल की चानू ने कुल 202 किग्रा (87 किग्रा-115 किग्रा) वजन उठाकर 2000 सिडनी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली कर्णम मल्लेश्वरी से बेहतर प्रदर्शन किया। इसके साथ की मीराबाई ने 2016 रियो ओलंपिक की निराशा को भी पीछे छोड़ दिया जब वह एक भी वैध प्रयास नहीं कर पाई थी।

स्पर्धा शुरू होने से पहले वीडियो कॉल से लिया आशिर्वाद

मणिपुर की राजधानी इम्फाल से 25 किमी दूर मीराबाई के नोंगपोक काकचिंग गांव में स्थित घर में कोविड-19 महामारी के कारण कर्फ्यू लागू होने के बावजूद शुक्रवार रात से ही मेहमानों का आना जाना लगा हुआ था। मीराबाई की तीन बहनें और दो भाई और हैं। उनकी मां ने कहा, उसने हमें कहा था कि वह स्वर्ण पदक या कम से कम कोई पदक जरूर जीतेगी। इसलिए सभी ऐसा होने का इंतजार कर रहे थे। दूर रहने वाले हमारे कई रिश्तेदार शुक्रवार शाम ही आ गए थे। वे रात को हमारे घर में ही रुके। उन्होंने कहा, कई शनिवार सुबह आए और इलाके के लोग भी जुटे। इसलिए हमने बराम्दे में लगा दिया और टोक्यो में मीराबाई को खेलते हुए देखने के लिए लगभग 50 लोग मौजूद थे। कई लोग आंगन के सामने भी बैठे थे। इसलिए यह त्योहार की तरह लग रहा था।

लीमा ने कहा, कई पत्रकार भी आए। हमने कभी इस तरह की चीज का अनुभव नहीं किया था। मीराबाई ने टोक्यो के भारोत्तोलन एरेना में अपनी स्पर्धा शुरू होने से पहले वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। मीराबाई की रिश्ते की बहन अरोशिनी ने कहा, वह (मीराबाई) बहुत कम घर आती है (ट्रेनिंग के कारण) और इसलिए एक दूसरे से बात करने के लिए हमने वट्सऐप पर ग्रुप बना रखा है। शनिवार सुबह उसने हम सभी से वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता से उसने आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, उसने कहा कि देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के लिए मुझे आशीर्वाद दीजिए। उन्होंने आशीर्वाद दिया। यह काफी भावुक लम्हा था।

ओलंपिक: भारत के आज के कार्यक्रम

टोक्यो। टोक्यो में ओलंपिक खेलों में रविवार (25 जुलाई) को भारतीय (खिलाड़ियों और टीम) कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा।

भारतीय समयानुसार

कलात्मक जिमनास्टिक्स
- सुबह साढ़े छह बजे: महिला क्वालीफिकेशन – सब डिविजन : प्रणति नायक

बैडमिंटन
- सुबह 7:10 बजे: महिला एकल ग्रुप मैच में पीवी सिंधु बनाम केसेनिया पोलिकारपोवा (इस्राइल)

मुक्केबाजी
- दोपहर 01:30 बजे: 51 किग्रा के शुरुआती राउंड 32 मुकाबले में एमसी मैरीकॉम बनाम हर्नांडिज गार्सिया (डोमिनिका गणराज्य)
- दोपहर 03:06 बजे: 63 किग्रा के शुरुआती राउंड 32 मुकाबले में मनीष कौशिक बनाम ल्यूक मैकोरमैक (ब्रिटेन)

हॉकी
- दोपहर 03:00 बजे: पुरुषों के पूल ए मैच में भारत बनाम आस्ट्रेलिया

सेलिंग
- सुबह 08:35 बजे: महिला वन पर्सन डिंघी – लेजर रेडियल (पहली रेस, दूसरी रेस) नेत्रा कुमानन
- सुबह 11:05 बजे: पुरुषों की वन पर्सन डिंघी – लेजर (पहली रेस, दूसरी रेस) भारत के विष्णु सरवनन

नौकायन
- सुबह 6 बजकर 40 मिनट : लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स रेपेशाज (भारत)

निशानेबाजी
- सुबह 05:30 बजे: महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में यशस्विनी सिंह देसवाल और मनु भाकर
- सुबह 07:45 बजे : महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल
- सुबह 06:30 बजे: स्कीट पुरुष क्वालीफिकेशन – पहला दिन (मैराज अहमद खान और अंगद वीर सिंह बाजवा)
- सुबह 09:30 बजे: पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन में दीपक कुमार और दिव्यांश सिंह पंवार।
- दोपहर 12:00 बजे : पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल

टेबल टेनिस
- सुबह 10:30 बजे : पुरूष एकल दूसरा दौर : जी साथियान बनाम लाम सियु हांग (हांगकांग)
- दोपहर 12:00 बजे: महिला एकल दूसरा दौर : मनिका बत्रा बनाम मारग्रेटा पेसोत्सका (यूक्रेन)

टेनिस
- सुबह 7:30 बजे से शुरू: महिला युगल के पहले दौर के मैच में सानिया मिर्जा और अंकिता रैना बनाम लिडमयला और नादिया किचनोक (यूक्रेन)

तैराकी
- दोपहर तीन बजकर 32 मिनट : महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : पहली हीट – माना पटेल
- दोपहर चार बजकर 26 मिनट : पुरूषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : तीसरी हीट – श्रीहरि नटराज

टोक्यो ओलंपिक : चानू ने रजत जीतकर खोला भारत का खाता

एजेंसी। टोक्यो

ओलंपिक की भारोत्तोलन स्पर्धा में पदक के लिए भारत का 21 वर्ष का इंतजार खत्म करने वाली मीराबाई चानू ने 49 किलो वर्ग में रजत पदक जीता तो उनकी विजई मुस्कान ने उन सभी आंसुओं की भरपाई कर दी, जो पांच साल पहले रियो में नाकामी के बाद उनकी आंखों से बहे थे। पांच साल पहले खेलों के महासमर में निराशाजनक पदार्पण के बाद इसी मंच से वह रोती हुई गई थीं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से भारत पहले ही दिन पदक तालिका में अपना नाम लिख्वाने में सफल रहा, देश ने यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की थी। साथ ही एक समय वह पदक तालिका में दूसरे स्थान पर भी था।

मणिपुर की 26 साल की भारोत्तोलक ने कुल 202 किग्रा (87 किग्रा /115 किग्रा) से कर्णम मल्लेश्वरी के 2000 सिडनी ओलंपिक में कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के खराब प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया जिसमें वह एक भी वैध वजन नहीं उठा सकीं थीं। कॅरियर की इस शानदार जीत के बाद चानू ने पत्रकारों से कहा, मैं बहुत खुश हूं, मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की, लेकिन रजत पदक भी मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। 2016 का अनुभव काफी खराब रहा था और उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए कहा था कि बड़े मंच पर अपने पदार्पण के दौरान वह कितनी घबराई हुई थी, लेकिन शनिवार को कोई घबराहट नहीं थी। वह बहुत ही शांत और एकाग्र दिख रही थीं जो जानती थी कि वह पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगी। यह पूछने पर कि मणिपुरी होने के नाते इसके क्या मायने है तो उन्होंने कहा, मैं इन खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतकर बहुत खुश हूं। मैं सिर्फ मणिपुर का नहीं पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच विजय शर्मा और सहयोगी स्टाफ का उनके निरंतर परिश्रम, प्रेरणा और अभ्यास के लिए आभार व्यक्त करना चाहूंगी। चानू पूरे आत्मविश्वास से भरी थी और पूरे प्रदर्शन के दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान रही। और उनके कान में ओलंपिक रिंग के आकार के बूंदे चमक रहे थे जो उनकी मां ने उन्हें भेंट दिए थे। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार का विशेषकर अपनी मां को धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होंने मेरे लिए बहुत बलिदान दिए और मुझ पर भरोसा रखा।

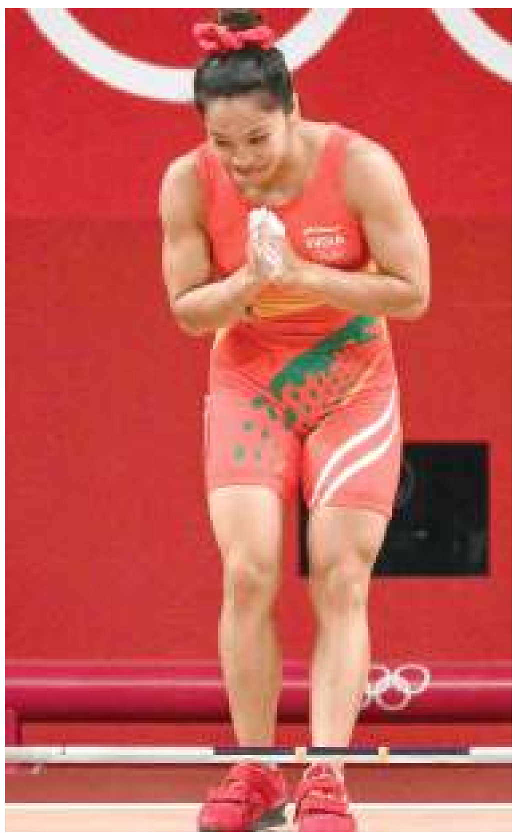

चीन की जिहुई ने जीता स्वर्ण

चीन की होऊ जिहुई ने 210 किग्रा (94 किग्रा/116 किग्रा) के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा (84 किग्रा/110 किग्रा) के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। चानू ने कहा, मैंने कई बार उसे पछाड़ने की कोशिश की। मैं क्लीन एवं जर्क में एक प्रयास में असफल रही, लेकिन मैं उसे पछाड़ने की पूरी कोशिश कर रही थी। स्नैच को चानू की कमजोरी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने स्नैच के पहले प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाया। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने समय लेकर वजन उठाया। उन्होंने अगले प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया और फिर इसे बढ़ाकर 89 किग्रा कर दिया, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा से एक किग्रा ज्यादा था जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बनाया था। हालांकि वह स्नैच में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर सकीं और स्नैच में उन्होंने 87 किग्रा का वजन उठाया और वह जिहुई से ही इसमें पीछे रहीं जिन्होंने 94 किग्रा से नया ओलंपिक रिकार्ड बनाया। चीन की भारोत्तोलक का इसमें विश्व रिकार्ड (96 किग्रा) भी है। क्लीन एवं जर्क में चानू के नाम विश्व रिकार्ड है, उन्होंने पहले दो प्रयासों में 110 किग्रा और 115 किग्रा का वजन उठाया। हालांकि वह अपने अंतिम प्रयास में 117 किग्रा का वजन उठाने में असफल रहीं, लेकिन यह उन्हें पदक दिलाने और भारत का खाता खोलने के लिए काफी था।

खुशी में कोच विजय शर्मा को लगाया गला

पदक जीतकर वह रो पड़ीं और खुशी में उन्होंने अपने कोच विजय शर्मा को गले लगाया। बाद में उन्होंने ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करने का जश्न पंजाबी भांगड़ा करके मनाया। इस उपलब्धि की उनकी खुशी मास्क से भी छुप नहीं रही थी जो पदक समारोह के दौरान और बढ़ गई। खेलों के लिए बनाए गए कोविड-19 प्रोटोकॉल में पदक विजेताओं को सामाजिक दूरी बनाए रखनी थी और वे ग्रुप फोटोग्राफ के लिए एक साथ नहीं हो सके। लेकिन तीनों पदकधारियों ने एक दूसरे को बधाई दी और फोटो भी खिंचवाई लेकिन एक अधिकारी ने उन्हें अलग होने के लिए कह दिया। इस भारतीय ने अंतरराष्ट्रीय एरीना में हर जगह खुद को साबित किया, बस इसमें ओलंपिक पदक की कमी थी जो अब पूरी हो गई। वह विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में (2014 में रजत और 2018 में स्वर्ण) दो पदक और एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

राष्ट्रपति कोविंद और पीएम मोदी ने दी चानू को बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर ने भारोत्तोलक मीराबाई चानू को टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। चानू ने भारत के भारोत्तोलन पदक के 21 साल के इंतजार को खत्म करते हुए महिलाओं के 49 किलोवर्ग में 202 किग्रा (87 किग्रा /115 किग्रा) वजन उठाकर दूसरा स्थान पाया। इससे पहले कर्णम मल्लेश्वरी के 2000 सिडनी ओलंपिक में भारोत्तोलन में कांस्य पदक जीता था।

राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत की पदक तालिका में शुरुआत कराने के लिए मीराबाई चानू को बधाई। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में इससे सुखद शुरुआत नहीं हो सकती थी। भारत मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से बहुत खुश है। भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता प्रत्एक भारतीय को प्रेरित करेगी। खेलमंत्री ठाकुर ने ट्वीट किया, भारत का पहले दिन का पहला पदक। मीराबाई चानू ने महिलाओं की 49 किग्रा भारात्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारत को तुम पर गर्व है मीरा। गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, क्या गर्व का पल है। हर भारतीय चानू की ऐतिहासिक उपलब्धि से हर्षित है।

कोविड काल में रजत खुशी के पल को याद दिलाता रहेगा: बिंद्रा

एजेंसी। टोक्यो

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू को लिखे प्रशंसा पत्र में महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने शनिवार को कहा कि भारतीय भारोत्तोलक की यह शानदार उपलब्धि ऐसे समय में खुशी की छोटी सी याद का काम करेगी जब देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। भारत के अब तक एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा कि यह उपलब्धि आने वाली भारतीय पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

बिंद्रा ने चानू को बधाई देते हुए पत्र में लिखा, टोक्यो ओलंपिक 2020 में आपका शानदार प्रदर्शन निश्चित रूप से ओलंपिक खेलों में किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के रूप में याद रखा जाएगा और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के रूप में भी काम करेगा। उन्होंने लिखा, महामारी के इस कठिन दौर में जब जिंदगी अचानक से रूक गई है और जिंदा रहना भी मुश्किल काम बन गया है, आपकी तरह की जीत खुशी की छोटी सी याद का काम करेगी। बिंद्रा ने लिखा, खेलों में हमारे देश की 100 वर्षों की भागीदारी में कुछेक विशेष खिलाड़ी ही पोडियम पर खड़े होने के रोमांच का अनुभव कर पाएं हैं। यह वर्षों की कड़ी मेहनत और एकाग्र दृढ़ संकल्प का ही पुरस्कार है। उन्होंने लिखा, देश को गौरवान्वित करने के लिए आपने जो बलिदान किए हैं, वो इस अविश्वसनीय उपलब्धि को और भी मीठा बना देंगे।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक से बाहर हुए विकास, जापान के ओकाजवा से हारे

टोक्यो। भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) को शनिवार को यहां ओलंपिक खेलों में अपने पहले मुकाबले में स्थानीय दावेदार सेवोनरेट्स क्विन्सी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ 0-5 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इन खेलों में देश की नौ सदस्यीय टीम की शुरुआत निराशाजनक रही। इस मुकाबले के दौरान 29 साल के विकास की आंख के पास से खून भी आने लगा। उनकी बाईं आंख के नीचे कट लगा। टीम सूत्रों का हालांकि कहना है कि विकास कंधे में हल्की चोट के बावजूद मुकाबले में उतरे। विकास शनिवार को चुनौती पेश करने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज थे। जापान के ओकाजावा ने शुरुआत से अंत तक मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और उन्हें दो बार के ओलंपियन भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

लक्ष्य से चूके भारतीय निशानेबाज, सौरभ 7वें स्थान पर रहे

टोक्यो। भारतीय निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक में अपनी स्पर्धाओं के पहले दिन शनिवार को यहां लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने से चूक गए और सबसे अधिक निराश सौरभ चौधरी ने किया जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पदक जीतने में नाकाम रहे। चौधरी क्वालीफिकेशन की फॉर्म में फाइनल में दोहराने में नाकाम रहे और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। कमरे में चौधरी के साथ रह रहे उनके मित्र अभिषेक वर्मा तो आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाए और उस स्पर्धा में 575 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहे जिसमें भारत के पदक जीतने की सबसे अधिक संभावनाएं जताई गई थी।

तीरंदाजी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में भारत हारा

टोक्यो। रैंकिंग के आधार पर यह उचित फैसला था लेकिन तीरंदाजी मिश्रित युगल में दीपिका कुमारी के साथ अतनु दास की जगह प्रवीण जाधव की जोड़ी बनाना रणनीतिक रूप से गलती नजर आती है और अंतिम लम्हों पर बनाई गई यह जोड़ी शनिवार को यहां टोक्यो खेलों में पदक की दौड़ से बाहर हो गई। दीपका और जाधव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-6 की हार के दौरान बिलकुल भी लय में नहीं दिखी और शीर्ष वीरीय टीम के उम्मीद के मुताबिक नहीं खेलने के बावजूद हार गई। कोरियाई टीम में 17 साल के किम जे दियोक और 20 साल की आन सान थी जो दोनों ओलंपिक में पदार्पण कर रहे थे। कोरियाई जोड़ी ने दो सेट संभावित 40 में से 35 अंक बनाने के बावजूद जीत लिए जो दर्शाता है कि दोनों ही जोड़ियां उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं।

चिराग-सात्विक ने दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी को हराया, प्रणीत पहला मैच हारे

एजेंसी। टोक्यो

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप ए में दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपै के यांग ली और ची लिन वैंग को हराकर ओलंपिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की, लेकिन शनिवार को यहां पुरुष एकल में बी साई प्रणीत को हार झेलनी पड़ी।

दुनिया की दसवें नंबर की जोड़ी चिराग और सात्विक ने तीसरी वरीयता प्राप्त ली और वैंग को 21-16, 16-21, 27- 25 से हराया। इस साल ली और वैंग ने योनेक्स थाईलैंड ओपन, टोयोटा थाईलैंड ओपन और विश्व टूर फाइनल्स जीते थे। पुरुष एकल वर्ग में हालांकि भारत के 13वें नंबर के खिलाड़ी प्रणीत ओलंपिक में पदार्पण करते हुए अपने पहले ही मैच में इस्राइल के निचली रैंकिंग वाले मीशा जिल्बरमैन से सीधे गेम में हार गए। प्रणीत को ग्रुप डी मुकाबले में दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 41 मिनट में 17-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी। पिछले कुछ महीनों से डेनमार्क के कोच मथियास बो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे सात्विक और चिराग ने बेहतर रणनीतिक खेल दिखाया और अहम लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए एक घंटे और नौ मिनट चले मुकाबले में जीत दर्ज की।

नागल ओलंपिक में एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

एजेंसी। टोक्यो

सुमित नागल ओलंपिक में 25 साल में पुरुष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने टोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया। नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा।

जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरुष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नाडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था।

मिश्रित युगल में हारी भारतीय जोड़ी मनिका और सुतिर्था की जीत से शुरुआत

एजेंसी। टोक्यो

भारत की मिश्रित टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने की उम्मीदों पर शनिवार को पानी फिर गया, लेकिन मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने यहां टोक्यो ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में जीत से अभियान शुरू किया। अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के मिश्रित युगल वर्ग के अंतिम 16 में हारने से भारत का टेबल टेनिस अभियान निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ था।

भारतीय जोड़ी को तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के लिन युन जू और चेंग आई चिंग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दुनिया की 62वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की खिलाड़ी टिन टिन हो को एकल स्पर्धा के शुरुआती मुकाबले में 4-0 से हरा दिया, जबकि 98वीं रैंकिंग की सुतिर्था ने भी ओलंपिक पदार्पण में प्रभावित किया, उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की लिंडा बर्गस्ट्रोम को 4-3 से मात दी। सुतिर्था का सामना अब दूसरे दौर में पुर्तगाल की फु यु से होगा जबकि मनिका यूक्रेन की 32वीं रैंकिंग की मार्गिटा पेसोत्स्का से भिड़ेंगी। इससे पहले लिन युन जू और चेंग आई चिंग ने भारतीय जोड़ी को 11-8, 11-6, 11-5, 11-4 से हराया।

सूर्यकुमार यादव और पृथ्वी साव इंग्लैंड जाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव को पहली बार टेस्ट टीम के लिए बुलावा मिला और वह सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव के साथ बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। टीम प्रबंधन ने तीन खिलाड़ियों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्थानापन्न खिलाड़ियों की मांग की थी। शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और आवेश खान को चोट के कारण मौजूदा दौरे से बाहर होना पड़ा। टेस्ट श्रृंखला चार अगस्त से शुरू होगी।

शुभमन को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान घुटने के नीचे पैर के आगले हिस्से में चोट लग गई थी, जबकि आवेश का काउंटी एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान अंगूठा डिस्लोकेट हो गया। वाशिंगटन की अंगुली की चोट भी बढ़ गई। ऑफ स्पिनर जयंत यादव को भी वाशिंगटन की जगह लेने के लिए ब्रिटेन जाना था, लेकिन पता चला है कि अभी सिर्फ सूर्यकुमार और पृथ्वी को ही भेजा जाएगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, पृथ्वी और सूर्य श्रीलंका से ब्रिटेन जा रहे हैं। जयंत को भी जाना था, लेकिन पृथकवास जरूरतों के कारण योजना में कुछ परिवर्तन हुआ है। जयंत अब नहीं जा रहे हैं। दोनों खिलाड़ी कोलंबो से लंदन में बबल से बबल में जाएंगे।

टी-20 में भी भारत का पलड़ा भारी, वरुण चक्रवर्ती का पदार्पण करना तय

एजेंसी। कोलंबो

इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भी जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी, जिसके पहले मैच में रहस्यमई स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पदार्पण का मौका मिल सकता है। शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम ने वनडे श्रृंखला 2-1 से जीती, लेकिन वह आखिरी मैच में हार गई थी। इसके बावजूद भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है।

कोच राहुल द्रविड़ इस श्रृंखला में चक्रवर्ती को आजमाना चाहेंगे, जो ऑफ ब्रेक, कैरम बॉल और दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आईपीएल में अपनी इस काबिलियत का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वह खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेले थे, लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और ऐसे में इस 29 वर्षीय गेंदबाज को यहां आजमाया जा सकता है। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से भी किसी को पदार्पण का मौका मिल सकता है। दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। पृथ्वी सॉव और सूर्यकुमार यादव दोनों इंग्लैंड रवाना होने के लिए तैयार हैं और ऐसे में टीम प्रबंधन पडिक्क्ल और गायकवाड़ दोनों को मौका दे सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। मनीष पांडे को मध्यक्रम से बाहर किया जा सकता है जबकि पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का चयन तय है।

भुवनेश्वर कुमार और दीपक चाहर एक मैच में विश्राम के बाद नई गेंद संभालने के लिए तैयार होंगे, जबकि स्पिन विभाग में चक्रवर्ती और क्रुणाल के साथ युजवेंद्र चहल को रखा जा सकता है। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ अपनी धरती पर नौ साल बाद वनडे में जीत दर्ज की और उससे उसका मनोबल बढ़ा होगा। नए कप्तान दासुन शनाका अपने खिलाड़ियों में जीत का जज्बा भरने की कोशिश कर रहे हैं। टीम में भानुका राजपक्षा, चमिका करुणारत्ने और अविष्का फर्नांडो जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं जिससे श्रीलंका भारतीय टीम को कड़ी चुनौती दे सकता है।

टीमें

भारत: शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी सॉव, देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, भुवनेश्वर कुमार (उप-कप्तान), मनीष पांडे, हार्दिक पंड्या, नीतीश राणा, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, के गौतम, क्रुणाल पंड्या, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, दीपक चाहर, नवदीप सैनी, चेतन सकारिया।

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), धनंजय डिसिल्वा, अविष्का फर्नांडो, भानुका राजपक्षा, पथुम निसंका, चरित असलंका, वनिन्दु हसरंगा, आशेन बंडारा, मिनोड भानुका, लाहिरु उदारा, रमेश मेंडिस, चमिका करूणारत्ने, बिनुरा फर्नांडो, दुष्मंथा संदाकन, अकिला धनंजय, शिरन फर्नांडो, धनंजय लक्षण, ईशान जयरत्ने, प्रवीण जयविक्रमा, असिथा फर्नांडो, कसुन रजिता, लाहिरु कुमारा, इसुरु उदाना।

मैच रात आठ बजे से शुरू होगा।

पंजाब में हाईकमान की सख्ती के बाद हुड्डा के तेवर हुए ढीले

सुभाष शर्मा
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

पंजाब कांग्रेस में किए गए बदलाव का असर हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कल तक जो विधायक अपने आपको हुड्डा समर्थक बताकर कांग्रेस की अध्यक्षा कुमारी सेलजा को हटाए जाने की मुहिम चलाए हुए थे, एकाएक ठंडे पड़ गए।

पंजाब में मुख्यमंत्री कैप्टन आमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच चल रही रस्साकशी पर विराम लगाते हुए आखिरकार आमरिंदर सिंह की जिद्द को दरकिनार करते हुए नवजोत सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया। लंबे समय के बाद सोनिया गांधी ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है और बागी या बगावत करने जा रहे विधायकों व नेताओं को संकेत दे दिया है कि कांग्रेस अब वही करेगी, जो गांधी परिवार को अच्छा लगेगा। सिद्धू के प्रदेश अध्यक्ष बनते ही पंजाब के कांग्रेसी विधायक और नेता बड़ी संख्या में आमरिंदर सिंह के खेमे को छोड़ सिद्धू के पक्ष में खड़े दिखाई दिए, जिसके बाद अपने सख्त बयानों के लिए मशहूर मुख्यमंत्री को सिद्धू की ताजपोशी में शामिल होना पड़ा।

पंजाब कांग्रेस में किए गए इस बदलाव का असर हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कल तक जो विधायक अपने आपको हुड्डा समर्थक बताकर कांग्रेस की अध्यक्षा कुमारी सेलजा को हटाए जाने की मुहिम चलाए हुए थे, एकाएक ठंडे पड़ गए। गौरतलब है कि जुलाई में ही हरियाणा के दस विधायक जो हुड्डा समर्थक माने जाते है हरियाणा के प्रभारी केसी वेणुगोपाल से दिल्ली से मुलाकात कर बगावती तेवर दिखा चुके है। इन विधायकों में आफताब अहमद, गीता भुक्कल, राव दान सिंह, बीबी बतरा, जगबीर मलिक, शकुंतला खट्टक, राजेंद्र सिंह जून, धर्म सिंह छोकर, बिशन लाल सैनी सहित कुछ अन्य विधायक भी साथ थे। इन सभी ने कांग्रेस के पार्टी प्रभारी को स्पष्ट कर दिया कि वो चाहते है कि हरियाणा में पार्टी कमान सेलजा के बजाए हुड्डा को सौंपी जाए, ताकि वो अपने हिसाब से नेताओं को कांग्रेस से जोड़कर पार्टी को मजबूत कर सके। सूत्रों का कहना है कि इन विधायकों ने यह भी कहा कि सेलजा को अध्यक्ष बनाए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन वे किसी भी जिले में पार्टी अध्यक्ष तक नहीं बना पाई है, अगर ऐसे ही चलता रहा तो हरियाणा में पार्टी का वजूद कमजोर होगा।

बताते हैं कि इन विधायकों ने स्पष्ट कर दिया कि अगर पार्टी हाईकमान में बदलाव नहीं किया और प्रदेश की पूरी कमान हुड्डा को नहीं सौंपी तो हरियाणा में कांग्रेस नाम की पार्टी का वजूद नहीं रहेगा और अगर हुड्डा को कमान सौंप दी तो फिर अगली सरकार प्रदेश में कांग्रेस की ही होगी और हर नफे नुकसान की जिम्मेदारी भी भूपेंद्र हुड्डा की होगी। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक के बाद हुड्डा समर्थक करीब एक दर्जन और विधायकों ने भी वेणु गोपाल से मिलने का समय मांगा था, ताकि पार्टी हाईकमान पर दबाव बनाया जाए, लेकिन इसी बीच पंजाब कांग्रेस के टकराव पर कड़ा फैसला लेते हुए सोनिया गांधी ने आमरिंदर सिंह के साथ-साथ भूपेंद्र हुड्डा को भी संदेश दे दिया कि जो पार्टी हाईकमान चाहेगी वही होगा, बागियों की मांगों को ज्यादा वजन नहीं दिया जाएगा।

ताजा जानकारी के अनुसार गांधी परिवार के इस एक्शन के बाद हुड्डा और हुड्डा समर्थकों के तेवर ढीले पड़ने शुरू हो गए है। कल तक जो हुड्डा समर्थक कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बनाकर सेलजा को हर हालत में हटाने की जिद्द कर रहे थे, अब उनकी बोलती बंद हो गई है। हुड्डा को और उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा को यह अहसास हो गया है कि जब हाईकमान ने सिटिंग मुख्यमंत्री की नहीं मानी तो हमारा तो कोई वजूद ही नहीं है। कुल मिलाकर आने वाले समय में हरियाणा कांग्रेस की गुटबाजी पर विराम लगेगा और सेलजा आसानी से अपना कार्यकाल पूरा करेगी। हुड्डा समर्थकों की मांग पर अब सेलजा के अध्यक्ष पद को कोई खतरा नहीं होगा। कांग्रेस हाईकमान के इस कदम ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान सहित कई प्रदेश के बागी नेताओं को जता दिया है कि कांग्रेस में आज भी गांधी परिवार के फैसले अंतिम होते है।

ओमप्रकाश चौटाला ने मध्यवती चुनाव का शगूफा छोड़ा

लंबी जेल यात्रा काटकर आजाद हुए इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख बड़े चौटाला ने टिकरी बॉर्डर पर पहुंचकर न केवल किसानों को समर्थन दिया बल्कि हरियाणा में मध्यवती चुनाव होने के आसार जताते हुए प्रदेश के राजनैतिक गलियारों में गर्मी ला दी। दरअसल, चौटाला न केवल प्रदेश के सबसे पुराने राजनैतिक घराने से ताल्लुक रखते है, बल्कि उनका राजनैतिक अनुभव भी कमाल का है इसीलिए लोग उनकी कही बातों को महत्व देते है। चौटाला के इस बयान के बाद भाजपा और जजपा गठबंधन के नेताओं में हलचल शुरू हो गई है। वह यह सोचने पर मजबूर हो गए है कि न जाने चौटाला कौन सा दाव चलने वाले है कि प्रदेश में गठबंधन व टूट जाए या फिर सरकार अल्पमत में न आ जाए।

दरअसल, ओमप्रकाश चौटाला की अपनी जाट बिरादरी में आज भी अच्छी खासी साख है। इनेलो से टूटकर जननायक जनता दल की स्थापना करने वाले उनके बेटे अजय चौटाला और दुष्यंत चौटाला भी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि बड़े चौटाला के साथ बड़ी संख्या में जाट मतदाता है। भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन कर सत्ता का सुख भोग रहे। दुष्यंत को जाट समाज तभी से पहले नकारने लगा था, जब उन्होंने भाजपा से हाथ मिलाया था और अब बड़े चौटाला खुद मैदान में उतर चुके है। संभव है कि भाजपा-जजपा के जाट विधायकों को किसानों व महंगाई के मुद्दे पर अपने खेमे में लाकर वह मध्यवती चुनावों की नौबत ले आए। वैसे भी इस वक्त हरियाणा के हालत सरकार के पक्ष में नहीं है, सत्तापक्ष का कोई भी नेता खुलकर किसी कार्यक्रम में शामिल होने के बच रहा है। सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में विधायक व मंत्री सफल नहीं हो पा रहे है। दोनों पार्टियों के विधायकों में महंगाई व किसान आंदोलन को काबू न कर पाने के चलते अंदर खाने रोष व्याप्त है। हालांकि, हरियाणा में चुनाव 2024 में होने है, लेकिन दोनों ही पार्टियों के नेताओं में यह डर व्याप्त है कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो वो भविष्य में सत्ता के करीब भी नहीं पहुंच सकते। प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस भी मौके की तलाश में है और जाट विधायकों को अपने पक्ष में करने का भरसक प्रयास कर रही है, ताकि गठबंधन सरकार को अल्पमत में लाकर मध्यवती चुनावों के लिए विवश किया जा सके। चौटाला के उपरोक्त बयान के बाद सरकार भी ज्यादा चौकस हो गई है।

अंदर की खबर: मूलचंद शर्मा बनाम विपुल गोयल

2014 के विधानसभा चुनावों में फरीदाबाद शहर से चुनाव जीतकर विधायक बनने वाले पूर्व उद्योगमंत्री विपुल गोयल पहली बार ही मंत्री बन गए थे। राजनीति में उन्हें लाने का श्रेय केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को जाता है, उन्हीं के प्रयासों से उन्हें 2014 में भाजपा की टिकट मिली थी, लेकिन पद और प्रतिष्ठा प्राप्त होते ही विपुल बहुत तेजी से भागने लगे। उन्होंने कृष्णपाल जैसे उन नेताओं से संबंधों का ध्यान भी नहीं रखा, जिन्होंने उन्हें राजनीति का पहला पाठ पढ़ाया था। इतना ही नहीं उन्होंने भाजपा के बड़े नेताओं मसलन अमित शाह, अनिल जैन, स्मृति ईरानी सहित दर्जन नेताओं से न केवल सीधे संबंध स्थापित कर लिए बल्कि आरएसएस के बड़े नेताओं को भी अपनी तड़क-भड़क से प्रभावित कर दिया था।

गणपति उत्सव के नाम पर नामी गिरामी फिल्मी हस्तियों को बुलाना, अपने उपहारों की नीलामी करवाना जैसे अनेक ऐसे कार्यों में वो व्यस्त रहे कि एक बार तो उनका नाम हरियाणा के संभावित मुख्यमंत्री के तौर पर भी चर्चाओं में आने लगा। उनके करीब रहने वाली मंडली ने उन्हें प्रदेश का सबसे बड़ा नेता बताना शुरू कर दिया और यही उनका पतन शुरू हो गया, लिहाजा उन्हें 2019 में भाजपा का टिकट तक नहीं मिला, जबकि दूसरी ओर पंडित मूलचंद शर्मा जो पहली बार 2014 में बल्लभगढ़ से बड़े मार्जिन से विधायक बने थे और पांच साल पार्टी में बतौर कार्यकर्ता ही काम करते रहे, बड़े नेताओं के बजाए वो अपने क्षेत्र की जनता के बीच ही रहे, लिहाजा उनका जनसमर्थन बढ़ता ही गया। 2019 में उन्हें पुनः भाजपा की टिकट मिली और वो कैबिनेट मंत्री बने। मंत्री बनने के बावजूद उन्होंने अपनी जमीन नहीं छोड़ी। कृष्णपाल जैसे वरिष्ठ नेताओं से उनके रिश्ते और भी गहरे हो गए। मंत्री बनने से लेकर अब तक उन्होंने कभी कोई दिखावा नहीं किया, अपने चारों ओर कोई ऐसी मंडली नहीं पनपने दी, जो उन्हें हर वक्त महिमा मंडित करती रहे। यही कारण है कि उनके कार्यालय पर हर वक्त सैकड़ों लोगों का जमघट लगा रहता है और ज्यादातर लोगों के सामूहिक कार्यों में वो रूचि लेते है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी उनके मधुर संबंध है और ज्यादातर समय वो लो प्रोफाइल होकर काम करते है। यही कारण है कि उनके क्षेत्र की जनता और पार्टी हाईकमान उनके काम से संतुष्ट है। हरियाणा के राजनीतिक गलियारों में दखल रखने वाले पंडितों का मानना है कि मूलचंद शर्मा प्रदेश में एक मजबूत ब्राह्मण नेता बनकर उभर रहे है और अगर विपुल गोयल भी तड़क-भड़क और दिखावे को छोड़कर जमीन से जुड़कर चलते तो प्रदेश की राजनीति से वो आउट नहीं होते, खैर कभी-कभी बुरा समय व मुश्किलें इंसान को बहुत कुछ सिखा जाती है और अगर विपुल गोयल ने इनसे सबक ले लिया तो भविष्य में वो फिर से राजनीति की मुख्यधारा में लौट सकते है।

आबादी संतुलन जिम्मेदारी किसकी ?

संदीप आजाद
(सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा विचारक)

11 जुलाई 2021 को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर देश के सबसे बडे राज्य (जनसंख्या के लिहाज से) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के लिए जनसंख्या नीति का मसौदा पेश कर देश में एक बार फिर जनसंख्या नियंत्रण पर बहस छेड़ दी है। हालांकि देश में यह बहस कोई नयी नहीं है। इससे पूर्व भी समय-समय पर देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग उठती रही है। जाति, पंथ, धर्म, संप्रदायों में बंटे हमारे भारत में जनंसख्या नियंत्रण कभी भी राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं बन पाया। 1975 में आपातकाल के दौरान आबादी नियंत्रण जिस प्रकार से नसबंदी अभियान चलाया गया वो लोगों को भयभीत करने वाला था। इसका खामियाजा भी उस दौर की इंदिरा गांधी की सरकार को भुगतना पड़ा था। वर्ष 1976 में संसद के दोनों सदनों में एक व्यापक चर्चा के बाद 42वें सविधान संसोधन विधेयक के माध्यम से संविधान की सातवीं अनुसूची में परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण का प्रावधान किया था।

राज्यों को कानून बनाने को अधिकार दिया गया, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण किसी भी राज्य ने इस पर कभी गंभीरता नहीं दिखाई। हम दो हमारे दो का नारा गांव की दिवारों तक की सीमित रहा है। यदि हम आंकडों पर गौर करे, तो अमेरिका की सुप्रसिद्ध एजेंसी पॉपुलेशन रेफेरेंस ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 के मध्य में दुनिया की कुल आबादी 7.8 बिलियन थी, जिसमें भारत की आबादी का हिस्सा 1.4 बिलियन है। अनाधिकारिक रूप से हम जनंसख्या के लिहाज से चीन की आबादी को पार कर दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश का तगमा हासिल कर चुकें है। हमारी आबादी दुनिया की आबादी की 20 प्रतिशत से अधिक है। क्षेत्रफल की दृष्टि से हम दुनिया में 7वें नंबर पर है। इस दृष्टि से चीन हमसे तीन गुना बड़ा है। हमारे पास दुनिया की दो प्रतिशत कृषि योग्य भूमि है तो वहीं चार प्रतिशत पीने का पानी है।

देश में व्याप्त समस्याओं पर जब भी कहीं चर्चा होती है, तो देश का एक बड़ा वर्ग इसका कारण देश की जनसंख्या में हुई बेहताशा वृद्धि को मानता है। देश में फैली गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा, कुपोषण, प्राकृतिक संसाधनों में आ रही कमी, पर्यावरण अंसतुलन जैसी समस्याओं की जड़ जनसंख्या विस्फोट ही है। बढ़ती हुई जनसंख्या लगातार संसाधनों को खा रही है, जो आने वाले समय में देश में असंतुलन पैदा करेगा। इस असंतुलन से होने वाले खतरों का आभास अभी शायद हमें नहीं है। यदि समय रहते हमने आबादी नियंत्रण की गंभीरता को नहीं समझा तो यह हमारे लिए बेहद घातक हो सकती है।

देश में व्याप्त समस्याओं पर जब भी कहीं चर्चा होती है, तो देश का एक बड़ा वर्ग इसका कारण देश की जनसंख्या में हुई बेहताशा वृद्धि को मानता है। देश में फैली गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा, कुपोषण, प्राकृतिक संसाधनों में आ रही कमी, पर्यावरण अंसतुलन जैसी समस्याओं की जड़ जनसंख्या विस्फोट ही है।

यूपी के लिए जनसंख्या नीति का मसौदा आने के बाद पर इस पर एक सार्थक बहस देश में होनी चाहिए। आबादी नियंत्रण अब देशहित का एक मुद्दा बनना चाहिए हालांकि इस मसौदे के आने के बाद देश का एक अल्प बुद्धिजीवी वर्ग इसे एक धर्म विशेष से जोड़कर भी देख रहा है, यह कतई सही नहीं है। भारत में गरीब और अशिक्षित लोग, शिक्षित और संपन्न लोगों की तुलना में अधिक बच्चे पैदा करते है। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर यदि कोई नीति या कानून बन रहा है तो वह सामान रूप से सभी पर लागू होगा।

भारत में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जिस प्रकार से अब एक बार फिर से बहस छिड़ी है, तो सरकारों का भी अब इस पर अपनी सपष्ट मंशा के साथ सार्थक कदम उठाने होंगे। भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक विभिन्नताओं वाले हमारे देश में जनसंख्या नियंत्रण एक बेहद ही संवेदनशील मसला है। सरकारों को इस पर कानून बनाने के साथ-साथ महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। देश में आज भी महिलाओं की साक्षरता दर पुरुषों की मुकाबले काफी कम है। यदि महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, तो वे जनसंख्या नियंत्रण में अपनी महती भूमिका निभा सकती है। इसके साथ साथ सरकारों को परिवार नियोजनों के कार्यक्रमों पर जागरूकता बढ़ानी होगी। जनसंख्या विस्फोट के आने वाले समय में होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लगातार जागरूकता अभियान चलाने होंगे। सरकारों को अपने सबसे बड़े एजेंड़ों में आबादी नियंत्रण को रखना होगा। जिस प्रकार से चीन ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए अपनी राष्ट्रीय नीति बनाकर अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया उसी प्रकार हमारे देश में भी जनसंख्या नियंत्रण पर एक राष्ट्रीय नीति बने जिसे सामान रूप से देश में लागू किया जाए। हालांकि राजनीतिक विशलेषक ये मानते है कि केंद्र में वर्तमान भाजपा सरकार के बड़ें एजेंडों में राष्ट्रीय जनसंख्या नियंत्रण नीति भी है, उत्तर प्रदेश जनसंख्या के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य है जहां वर्तमान में भाजपा की सरकार है जिससे इस नीति को लेकर एक संदेश दे दिया गया है। जनसंख्या नियंत्रण पर सरकारों की जिम्मेदारी के साथ-साथ देश के नागरिकों को भी स्वयं इसके लिए प्रेरित होना होगा ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित भविष्य दे सकें।